आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा- खून से सने हैं सीईसी के हाथ
- 12

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6 प्रतिशत पर सीजीए ने जारी किए आंकड़े
- 12

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज
- 13

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

# अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी 11:15 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 29 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 99, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

## पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश का निधन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय कोयला राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार देर शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जायसवाल 1989 में कांग्रेस से कानपुर के महापौर बने थे। तब सभासद मेयर का चुनाव करते थे। 1999, 2004, 2009 में वे कांग्रेस से कानपुर के सांसद रहे। 2014 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा के डॉ. मुरली मनोहर जोशी से वे हार गए थे। 2019 में उन्हें भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने हराया था। 4 दिसंबर 2000 को सलमान खुर्शीद के स्थान पर उन्हें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। वे 2002 तक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे। मई 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में उन्हें केंद्रीय गृहराज्य मंत्री बनाया गया था। 2009 में उन्हें कोयला राज्यमंत्री का पदभार दिया गया। 2014 तक वे इस पद पर रहे। इधर उन्होंने पिछले तीन वर्षों से स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से दूरी बना रखी थी। शुक्रवार की शाम अचानक उनकी तबियत खराब हुई तो परिजन पहले भार्गव नर्सिंग होम ले गए, जहां से उनको हृदय रोग संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया। हृदय रोग संस्थान में रात 7.50 बजे डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हृदय रोग संस्थान के निदेशक डॉ राकेश वर्मा ने बताया कि उन्हें जब अस्पताल लाया गया तब उनकी मृत्यु हो चुकी थी। उनके परिवार में दो बेटे सिद्धार्थ और गौरव हैं और एक बेटी की शादी हो चुकी है। उनके दो भाई रवींद्र और प्रमोद हैं। उनके निधन से शहर में शोक की लहर दौड़ गई और सभी दलों के नेताओं ने शोक जताया। मुख्यमंत्री योगी ने शोक जताते हुए कहा कि श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।



- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और तीन बार लोकसभा सदस्य रहे

## नया भारत रक्षा करने से न पीछे हटता, न हिचकिचाता

उडुपी (कर्नाटक), एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने उडुपी में 14वीं-15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की
- कहा- शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछली सरकारें आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देने में भले ही हिचकिचाती रही हों, लेकिन नया भारत अपने लोगों की रक्षा करने से न तो पीछे हटता है है और न ही हिचकिचाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल मंत्र सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखना है, साथ ही धर्म की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है।

कर्नाटक के उडुपी में लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, पिछली सरकारें आतंकी हमलों के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थीं। मोदी यहां लक्ष कंठ गीता पारायण में भाग लेने आए थे, जहां एक लाख लोगों ने श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। यह कार्यक्रम उडुपी में स्थित श्री कृष्ण मठ ने आयोजित किया था। मोदी ने कहा, गीता हमें शांति और सत्य के लिए प्रयास करने और अत्याचार करने वालों को कुचलने की शिक्षा देती है। हम वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करते हैं और धर्मो रक्षति रक्षितः का जाप भी करते हैं।

कर्नाटक के उडुपी में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करते प्रधानमंत्री मोदी व अन्य।

### जनता को दिलाए नौ संकल्प

मोदी ने जनता को नौ संकल्प दिलाए जिनमें- जल संरक्षण, देश में एक पेड़ मां के नाम, एक गरीब का जीवन सुधारने का प्रयास और स्वदेशी, पांचवां संकल्प प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, छठा स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सातवां योग को जीवन का हिस्सा बनाना, आठवां पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग और नौवां देश के 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करना है।

### गोवा में भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

**पणजी।** प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार देश की 'चेतना' को दर्शाते हैं। श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मोदी जनसभा को संबोधित किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

## ब्रीफ न्यूज

### 25 लाख के इनामी समेत 10 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन'' पहल के अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के वरिष्ठ सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा समेत कुल 65 लाख रुपये के इनामी 10 माओवादियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले डीकेएसजेडसी सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा के सिर पर 25 लाख तथा डिविजनल कमेटी सदस्य सरोज उर्फ मल्कू सोढ़ी के सिर पर आठ लाख रुपये का इनाम है।

### आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आजम बरी

**रामपुर।** पूर्व सांसद और सपा नेता अमर सिंह और उनके परिजनों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिली है। शुक्रवार दोपहर बाद आजम खां वीसी के जरिए कोर्ट में पेश हुए। जहां कोर्ट ने उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। लखनऊ के गोमती नगर थाने में सपा नेता अमर सिंह ने 17 अक्टूबर 2018 में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम के खिलाफ दर्ज कराए केस में आरोप लगाया था कि आजम ने जौहर विवि में उन्हें, दो बेटियों सहित पूरे परिवार पर आपत्ति जनक टिप्पणी करते हुए बहू-बेटियों को तेजाब से जलाने की धमकी दी थी।

## विश्वास वहीं टिकता जहां मन शांत और भावनाएं होती शुद्ध : राष्ट्रपति

### लखनऊ में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोलीं राष्ट्रपति

- कहा, सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत और भावनाएं शुद्ध होती हैं। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला है। शुक्रवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के लखनऊ में आयोजित विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) विषयक राज्य स्तरीय समारोह की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति ने राजयोग के जरिए आध्यात्मिक चेतना के विकास पर बल दिया।

राष्ट्रपति ने इस दौरान अपने विचारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि हर मनुष्य चाहता है कि वह दूसरों पर विश्वास करे। लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध हों। उन्होंने कहा कि जब हम कुछ क्षण रुककर स्वयं से संवाद करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। जब आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने ओम शांति के संबोधन से वक्तव्य की शुरुआत की। कहा, भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व को दिया है। जिसका भाव यह है कि पूरा विश्व एक परिवार है। आज का मनुष्य के पास आगे बढ़ने के अनेक अवसर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी व संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के दौर में मेडिटेशन जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तनाव और मूल्यहीनता के इस दौर में राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को आत्मदर्शन, आत्म-शुद्धि और आत्म-विकास के मार्ग पर ले जाकर उसे नकारात्मकता, भय और भ्रम से मुक्त करता है। ध्यान की अवस्था में उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा न केवल व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और व्यवहार को परिवर्तित करती है, बल्कि वातावरण और समाज पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

### भारत राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद मान कर रहा जंग : योगी

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि दुनिया में आज जो आतंकवाद, उपद्रव व अराजकता है, इसके पीछे मन की चंचल वृत्तियां हैं। जहां भी अराजकता देखने को मिलती है, उसके पीछे वह बहुमुखी वृत्तियां हैं, जो उसे नकारात्मकता की तरफ लेकर जाती है। जीवन का एक पक्ष सकारात्मकता की तरफ ले जाकर अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है तो दूसरा पक्ष नकारात्मकता की तरफ लेकर जाता है। भारत की परंपरा ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना है और भौतिक-आध्यात्मिक रूप से उसके खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहा है।

## मासिक धर्म का सबूत मांगने को लेकर दायर याचिका पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है
- याचिका पर अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि हरियाणा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को अपने निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा गया था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने केंद्र तथा अन्य को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है। कर्नाटक में वे मासिक धर्म के लिए छुट्टी दे रहे हैं। इसे पढ़ने के बाद मैंने सोचा कि क्या वे छुट्टी देने के लिए सबूत मांगेंगे। उन्होंने कहा, यह लोगों की मानसिकता को दर्शाता है। यदि उनकी अनुपस्थिति के कारण कोई भारी काम नहीं किया जा सका तो किसी और को तैनात किया जा सकता था। हमें उम्मीद है कि इस याचिका से कुछ अच्छा होगा। सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। याचिका पर अब अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गयी है।

### एमडीयू का है मामला

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) से जुड़े तीन लोगों पर 31 अक्टूबर को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। महिला सफाई कर्मचारियों से उनके निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है। विश्वविद्यालय ने में कहा था कि उसने दो पर्यवेक्षकों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से अनुबंध पर नियुक्त किया था और घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

## सूर्यघर योजना में यूपी ने रचा इतिहास, 2.90 लाख घर सौर बिजली से रोशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

- 27 नवंबर को एक गीगावाट यानि 1000 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य पूरा
- रूफटॉप सोलर में यूपी बना मॉडल स्टेट, रिकॉर्ड क्षमता के साथ रोजगार को भी नई उड़ान

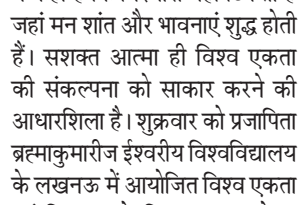

**अमृत विचार:** बिजली की दरों में बढोत्तरी न किए जाने और उदार बिजली बिल राहत योजना लागू किए जाने के बीच उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश ने 27 नवंबर को एक गीगावाट अर्थात 1000 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश में अब तक 2.90 लाख घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्रों की सफल स्थापना की जा चुकी है। इससे न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूती मिली है बल्कि लगभग चार हजार एकड़ भूमि की भी बचत हुई है, जिसका उपयोग अब अन्य विकास और जनहित कार्यों में किया जा सकेगा।

दरअसल, यूपी में स्थापित सोलर संयंत्रों पर उपभोक्ताओं को भारत सरकार की ओर से लगभग दो हजार करोड़ रुपये और राज्य सरकार की ओर से 600 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। इस आर्थिक सहायता से आम परिवारों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हुआ है और बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। कई घरों में दिन के समय बिजली बिल लगभग शून्य तक पहुंच गया है और अतिरिक्त उत्पादन को ग्रिड में देकर उपभोक्ताओं को राजस्व क्रेडिट का लाभ भी मिल रहा है। ऊर्जा विभाग के अनुसार प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक नियमित समीक्षा, ऑनलाइन आवेदन की सरल व्यवस्था, समयबद्ध कनेक्शन और सब्सिडी के त्वरित भुगतान पर विशेष ध्यान दिया गया। इसी सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली से कम समय में इतनी बड़ी रूफटॉप सोलर क्षमता हासिल करना संभव हो सका।

> योजना हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा घरेलू सौर ऊर्जा उत्पादक राज्य बनाने की दिशा में तेज गति से कार्य जारी है। - **एके शर्मा**, ऊर्जा मंत्री

## हरिद्वार कुंभ : 3 शाही अमृत स्नान सहित 10 तिथियां घोषित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी बोले- दिव्य-भव्य और सुरक्षित होगा 2027 कुंभ

**अमृत विचार:** हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाला कुंभ दिव्य, भव्य और सुरक्षित होगा। इस ऐतिहासिक महापर्व के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार में गंगा किनारे सभी 13 अखाड़ों के आचार्यों एवं संतों के साथ बैठक कर सुझावों के साथ ही मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बैठक में कुंभ स्नान के साथ ही अमृत स्नान और महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा भी की गई। 14 जनवरी, 2027 को मकर संक्रांति से कुंभ शुरू होगा। पहला शाही स्नान छह मार्च को महाशिवरात्रि पर, तीसरा 14 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार कुंभ 2027 को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

### दो विशेष तिथियां

- 07 अप्रैल - नव संवत्सर (नव वर्ष)
- 15 अप्रैल - श्रीराम नवमी

### शाही अमृत स्नान

- 06 मार्च - महाशिवरात्रि
- 08 मार्च - सोमवती अमावस्या
- 14 अप्रैल - मेष संक्रांति

### मुख्य पर्व स्नान

- 14 जनवरी - मकर संक्रांति
- 06 फरवरी - मौनी अमावस्या
- 11 फरवरी - बसंत पंचमी
- 20 फरवरी - माघ पूर्णिमा
- 20 अप्रैल - चैत्र पूर्णिमा

## भारत की जीडीपी ने भरी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि अनुमान से अधिक रही जिसमें जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद की अहम भूमिका है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन ने कृषि क्षेत्र की सुस्ती को निष्प्रभावी कर दिया। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 5.6 प्रतिशत थी। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी। जुलाई-सितंबर तिमाही की यह वृद्धि दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे पहले उच्चतम वृद्धि 8.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में दर्ज की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को बताती है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2% की जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी वृद्धि-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है।

## रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर से दो दिन की भारत यात्रा पर

**नई दिल्ली।** रूस के राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए चार दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। इस शिखर वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी।

**खगोल विज्ञान**

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की घोषणा, निरंतर निगरानी में क्षुद्रग्रह, भविष्य में कुछ बन सकते हैं पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा

## क्षुद्रग्रहों के रूप में 40 हजार खतरे मंडरा रहे पृथ्वी के पास

संवाददाता, नैनीताल

**अमृत विचार:** खगोलविदों ने पृथ्वी के चारों ओर मंडराते 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों की खोज कर ली है। बड़े स्तर पर पृथ्वी के नजदीक घूम रहे ये क्षुद्रग्रह धरती के लिए बड़ा खतरा हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने अभी तक खोजे गए इन पिंडों की घोषणा करते हुए कहा कि इनसे निकट भविष्य में तो नहीं लेकिन भविष्य में कुछ क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

क्षुद्रग्रहों की अनदेखी कतई नहीं की जा सकती है। अतीत में दिए इनके घावों को भुलाया नहीं जा सकता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में नासा समेत दुनिया की कई दूरबीनों से इनकी निरंतर निगरानी की जा रही है। क्षुद्रग्रह अंतरिक्ष की चट्टानें हैं, जिनका आकार कुछ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक होता हैं।

इनकी कक्षाएं कुछ ऐसी होती हैं, जो उन्हें पृथ्वी के नजदीक ले लाती हैं और पृथ्वी से टकराने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। पृथ्वी के निकट घूमते इन क्षुद्रग्रहों की उत्पत्ति पृथ्वी के जन्म के साथ ही हुई है जिनकी उम्र भी पृथ्वी के बराबर यानी चार अरब साल मानी जाती है। ये सौर मंडल के निर्माण से बचा हुआ चट्टानी अवशेष है जिनमें अधिकांश मंगल और बृहस्पति के बीच सूर्य की परिक्रमा करते हैं। निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह उन्हें कहा जाता है, जिसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा के करीब 45 मिलियन किमी के भीतर लाती है। ये दूरी बेहद खतरनाक मानी जाती है, जिसके चलते इनके पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ जाता है।

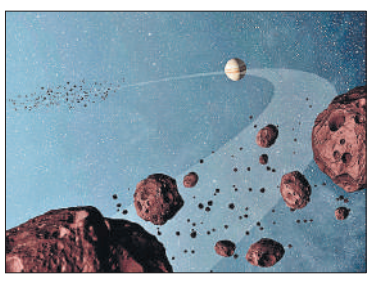

अंतरिक्ष में विचरते क्षुद्रग्रहों की तस्वीर।

### 1898 में पहले क्षुद्रग्रह 'इरोस' की खोज

खगोलविदों ने वर्ष 1898 में पहले क्षुद्रग्रह इरोस की खोज की थी। इनकी भयावहता की गंभीरता को समझते हुए खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के चारों ओर नजर रखनी शुरू की। समय के साथ तकनीक व आधुनिक दूरबीनों की सुविधाएं बढ़ने से इनकी खोज वर्ष 1990 में अधिक होने लगी। करीब तीन दशक में सर्वाधिक 10 हजार से ज्यादा क्षुद्रग्रहों को खोजा गया और अभी तक 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों को खोजा जा सका है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, इसमें दोराय नहीं कि पृथ्वी के पास घूमते क्षुद्रग्रहों की संख्या हजारों में जा पहुंची है, जो धरती के लिए बड़े खतरे हैं। इन पर सतत निगरानी रखे जाने की जरूरत है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 29 नवंबर 2025



## न्यूज ब्रीफ

### महर्षि वाल्मीकि मंदिर का होगा विस्तार

**अमृत विचार, लखनऊ :** इटावा के बड़पुरा क्षेत्र स्थित प्राचीन महर्षि वाल्मीकि मंदिर को पर्यटन विभाग धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 70 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि से जुड़ी इस तपोभूमि का विकास सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत पर्यटन विभाग द्वारा मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा, सूचना केंद्र और अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाएगा।

### बांध और जलाशय बनेंगे पर्यटन केंद्र

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत यूपी इको टूरिज्म बोर्ड और सिंचाई विभाग के सहयोग से प्रदेश के प्रमुख बांधों और जलाशयों पर एडवेंचर और वॉटर स्पोर्ट्स आधारित पर्यटन सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है। इस योजना से पर्यटन अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। योजना के तहत झांसी की गढ़मऊ झील, बांदा का नवाब टैंक, महोबा का अर्जुन डैम, सोनभद्र का ढंढरौल डैम, हमीरपुर का मौदहा डैम, चित्रकूट का गुंता डैम और सिद्धार्थनगर का मझौली सागर इको टूरिज्म हब के रूप में विकसित किए जाएंगे।

### मुरादाबाद में नया एसटीपी चालू

**अमृत विचार, लखनऊ :** नमामि गंगे मिशन अंतर्गत मुरादाबाद में 25 एमएलडी क्षमता वाला नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) चालू कर दिया गया है। लगभग 149 .23 करोड़ रुपये की लागत से बने इस आधुनिक एसटीपी को एसबीआर तकनीक से तैयार किया गया है, जो राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त मानकों के अनुरूप साफ पानी उपलब्ध कराएगा।

### गोंडा सीएमओ हटाई गईं संतलाल को जिम्मेदारी

**अमृत विचार, लखनऊ :** बीते दिनों अपने बयान से चर्चा में आईं गोंडा की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.रश्मि वर्मा का शुक्रवार को हटा दिया गया है, उन्हें स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य बनाया गया है। उनकी जगह सिद्धार्थनगर में तैनात डॉ.संतलाल पटेल को गोंडा सीएमओ नियुक्त किया गया है। उक्त आदेश स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितु माहेश्वरी ने शुक्रवार को जारी किए हैं। मालूम हो कि तत्कालीन गोंडा सीएमओ के पद पर रहते हुए डॉ.रश्मि का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था कि जिसमें उन्होंने हंसते हुए कहा था कि एक बच्चा मर गया है तो उसके लिए सब आ गए हैं, हजार जिंदा हैं तो वहां लड्डू खाने भी जाओ ।

### भू-इंजीनियरिंग आधारित कृषि मॉडल पर चर्चा

**अमृत विचार, लखनऊ :** कृषि भवन में शुक्रवार को कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में आईआईटी रुड़की के प्रोफेसरों के साथ प्रदेश में प्रस्तावित भू-इंजीनियरिंग आधारित कृषि मॉडल पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। मंत्री ने निर्देश दिया कि 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, जिससे किसानोन्मुखी योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि निदेशालय में 20 व्यक्तियों की क्षमता वाली नई लिफ्ट का लोकार्पण कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ किया। इसके बाद कृषि भवन के तृतीय तल पर स्थापित श्री अन्न (मिलेट्स) गैलरी का उद्घाटन भी दोनों मंत्रियों ने साथ किया।

लखनऊ में डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली व 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु। अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान जंबूरी का शुभंकर प्राप्त करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, साथ में मुख्यमंत्री योगी।

# सशक्त, समृद्ध व संवेदनशील व्यक्ति दूसरों को भी बना सकता अपने जैसा : राष्ट्रपति

## भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह में राष्ट्रपति ने युवा शक्ति का किया आह्वान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** जिस प्रकार एक दीपक से अनेक दीपक जलाए जा सकते हैं, उसी प्रकार एक सशक्त, समृद्ध और संवेदनशील व्यक्ति अनेक व्यक्तियों को सशक्त और समृद्ध बना सकता है। यदि सभी युवा प्रकृति के साथी होने के स्काउट्स एंड गाइड्स के सिद्धांत को अपनाएं और आगे बढ़ें तो हमारी धरती हरी-भरी और खुशहाल बनेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यह उद्गार भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह में युवा शक्ति का आह्वान करते हुए प्रकट किए।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि आज भारत में 63 लाख से अधिक स्काउट्स एंड गाइड्स हैं और यह विश्व के सबसे बड़े संगठनों में से एक है। इस संगठन में गाइड यानी छात्राओं की संख्या 25 लाख से अधिक है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने उन बेटियों को बधाई दी, जिन्होंने समाज और मानवता के कल्याण के लिए अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रगति के मार्ग को अपनाया है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स लंबे समय से युवाओं को सही दिशा देने, उन्हें अनुशासित बनाने और राष्ट्र निर्माण में प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह संगठन ऐसी युवा पीढ़ी तैयार कर रहा है, जो सशक्त, संवेदनशील और देश के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुर्मु ने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स का आदर्श वाक्य है- तैयार रहो। इसका अर्थ है कि आपको भविष्य की चुनौतियों का साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

मार्च पास्ट की सलामी लेतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु।

मार्च पास्ट निकालतीं मालदीव व नेपाल की स्काउट-गाइड टीमें।

### राष्ट्रपति ने ली मार्च पास्ट की सलामी

राष्ट्रपति मुर्मु ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन करते हुए स्मारिका का भी विमोचन किया। वहीं, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जंबूरी पत्रिका का विमोचन करते हुए पहली प्रति राष्ट्रपति को प्रदान की। सभी अतिथियों को स्कार्फ व प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इससे पूर्व, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मार्च पास्ट की सलामी ली तथा विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स एंड गाइड्स का उत्साहवर्धन किया।

**मिजोरम के मुख्यमंत्री भी रहे मौजूद :** समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मिजोरम के मुख्यमंत्री पी. लालदुहोमा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, प्रादेशिक अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) महेंद्र सिंह, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त केके. खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार तथा देश के विभिन्न राज्यों से आए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के पदाधिकारी, व्यवस्थापक और स्काउट्स-गाइड्स उपस्थित रहे।

### विश्व बंधुत्व के विजन को आगे बढ़ाएं युवा : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सीख दी कि अनुशासन जीवन की पहली आधारशिला है। अनुशासित युवा ही अदम्य साहस से राष्ट्र को नित नई बुलंदियों तक पहुंचाने में सहभागी हो सकता है। राजधानी लखनऊ पिछले पांच दिन से भारत की युवा ऊर्जा के अनुशासन, धैर्य व चुनौती को समझने के सामर्थ्य को देख रही है। सीएम ने आह्वान किया कि उत्तर प्रदेश, देश व दुनिया के कोने-कोने से आए युवा जंबूरी के माध्यम से उत्तर प्रदेश की स्मृतियों को अपने-अपने क्षेत्र में ले जाकर भारत व विश्व बंधुत्व के विजन को बढ़ाने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मौजूदगी में शुक्रवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, सेक्टर-15 वृंदावन योजना में हुए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह को संबोधित किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

### मुख्यमंत्री व राज्यपाल ने किया राष्ट्रपति का स्वागत

**अमृत विचार :** लखनऊ में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को लखनऊ पहुंचीं। यहां एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री भी यहां मौजूद रहे।

अपनी कला का प्रदर्शन करते स्काउट-गाइड। अमृत विचार

# कांग्रेस ने बीएलओ की मौतों पर उठाए सवाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार :** एसआईआर कार्यों के दौरान बीएलओ और अन्य कर्मचारियों पर असामान्य कार्यदबाव के कारण आत्महत्या, हार्टअटैक तथा ब्रेन हैमरेज जैसी दुखद घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी को लेकर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से न्यायिक जांच की मांग की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि बरेली में बीएलओ सर्वेश गंगवार की हृदयाघात से मृत्यु, जौनपुर निवासी और गोंडा में तैनात बीएलओ विपिन यादव द्वारा कथित दबाव के बाद की गई आत्महत्या, लखनऊ के मलिहाबाद में बीएलओ विजय कुमार वर्मा की ब्रेन हैमरेज से मौत, फतेहपुर के लेखपाल और सुपरवाइज़र सुधीर कुमार कोरी द्वारा आत्महत्या तथा देवरिया की बीएलओ रंजू दुबे की लगातार दबावपूर्ण बैठकों के बाद बिगड़ी तबीयत से मौत ये घटनाएं गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

उन्होंने बताया कि कर्मचारियों का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया के लिए मात्र एक माह का समय दिए जाने से प्रशासन पर अत्यधिक दबाव है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव निचले स्तर के कर्मचारियों पर पड़ रहा है।

# वरिष्ठ नागरिकों को मिले सम्मान सुरक्षा और सुविधा, रोडमैप तय

**अमृत विचार, लखनऊ :** वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को मजबूत आधार देने के लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से शुक्रवार को निदेशालय समाज कल्याण में उप्र. राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति 2016 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने की। बैठक में वरिष्ठ नागरिक महासमिति के अध्यक्ष श्यामपाल सिंह और निदेशक समाज कल्याण कुमार प्रशांत भी मौजूद रहे। बैठक में वरिष्ठ नागरिक महासमिति द्वारा बीती 23 अप्रैल को आयोजित वार्षिक अधिवेशन में प्रस्तुत सुझावों, मांगों और प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही 17 मार्च 2023 को हुई वरिष्ठ नागरिक राज्य परिषद की बैठक में दिए गए निर्देशों की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान वरिष्ठ नागरिक नीति-2016 को और अधिक प्रभावी रूप से लागू करने पर विमर्श हुआ। समाज कल्याण विभाग ने वरिष्ठ नागरिक समितियों को सुदृढ़ करने, नए डे-केयर सेंटरों की स्थापना और कल्याण निधि बढ़ाने जैसे बिंदुओं को प्राथमिकता से उठाया।

# हथियार व विस्फोटक एकत्र करने के षड्यंत्रकारियों को कोर्ट ने सुनाई सजा

विधि संवाददाता, लखनऊ

- 20 माह 29 दिन का कारावास व पांच पांच हजार रुपये का जुर्माना

**अमृत विचार :** प्रदेश में ब्लास्ट करने के लिए हथियार और विस्फोटक एकत्र करने का षड्यंत्र रचने के आरोपी अल कायदा के सहयोगी संगठन अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के आतंकियों मोहम्मद मोईद और शकील को एनआईए के विशेष न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी ने आयुध अधिनियम के आरोपों में दोषी ठहराते हुए 20 माह 29 दिन के कारावास व पांच-पांच हज़ार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

इसके पहले आरोपी मोहम्मद मोईद और शकील ने गत तीन नवंबर को कोर्ट में अर्जी देकर और कोर्ट में बयान देकर स्वीकार किया था कि मोहम्मद मोईद ने एक अवैध पिस्टल और चार कारतूस मुस्तकीम को दिया था। उस पिस्टल को मुस्तकीम ने मिनहाज को दिया था। आरोपी की जुर्म स्वीकृति की अर्जी पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी को उसकी जेल में बिताई अवधि से दण्डित किया है। एनआईए के वकील एमके सिंह ने कोर्ट में बताया कि इस मामले की रिपोर्ट 11 जुलाई को एटीएस के निरीक्षक सुशील कुमार सिंह ने गोमती नगर में दर्ज कराई थी, बाद में मामला एनआईए को सौप दिया गया तो एनआईए ने इस मामले में 29 जुलाई 2021 को दूसरी रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना शुरू की। विवेचना में पता चला कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर से आतंकवादी गतिविधियां संचालित करने वाला अलकायदा के आतंकी उमर हेलमण्डी ने भारत मे आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए संगठन में सदस्यों की भर्ती करने के निर्देश दिए है। इस पर जम्मू कश्मीर स्थित अलकायदा के आतंकी ने आरोपी मिनहाज को ऑनलाइन संपर्क किया और आरोपी मिनहाज ने आतंकियों के साथ साजिश में शामिल होकर अल कायदा के सहयोगी संगठन अंसार ग़ज़वातुल हिन्द के लिए आतंकी गतिविधियों के लिए सदस्यों की भर्ती की। बताया गया कि मिनहाज और मुशीर ने धमाके करके भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए हथियार, बम एकत्र किए और धमाकों के स्थान को चिन्हित किया, वही अन्य तीनो आरोपी शकील, मोहम्मद मुस्तकीम और मोहम्मद मोईद भी इस साजिश में शामिल थे।

## खुलासा

### फर्जी अंकपत्र व मदरसा बोर्ड के दस्तावेजों में हेराफेरी के मामले में खुल रहीं अधिकारियों की मिलीभगत की परतें

# दस्तावेजों में हेराफेरी कर दिलाई नौकरी, खुद दी वित्तीय सहमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कई मामलों में सीधे जुड़े मिले पूर्व रजिस्ट्रार के फर्जीवाड़ा गिरोह से तार

**अमृत विचार :** मदरसा शिक्षा परिषद में फर्जी अंकपत्र व दस्तावेजों में हेराफेरी करने वाले गिरोह के कारनामे धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। वहीं, अधिकारियों की मिलीभगत की भी परतें खुलने लगी हैं। इस गिरोह के तार सीधे पूर्व रजिस्ट्रार और वर्तमान में मुरादाबाद मंडल के उपनिदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण जगमोहन सिंह बिष्ट से जुड़ रहे हैं। बरेली के मदरसे में फर्जी तरीके से लिपिक के पद पर तैनात अमजद खान का मामला सामने आया है। उसकी नियुक्ति पर सवाल खड़े हुए। जांच में सामने आया कि नियुक्ति व उसकी वैधता देने का काम पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने किया था।

मदरसा बोर्ड में बड़े स्तर की फर्जीवाड़े का खेल चल रहा है। यह सारा खेल बोर्ड में तैनात बड़े अधिकारियों के संरक्षण, अनुमति या मिलीभगत के संभव नहीं है। पृष्ठ प्रतिस्थापन, रजिस्टर संशोधन, जाली अंकतालिकाओं के आधार पर परिषद में प्रवेश दिलाया गया। फिर बरेली में अमजद की नियुक्ति को वैधता देने के लिए वित्तीय सहमति जारी कर दी। इस मामले में हर स्तर पर एक अधिकारी का नाम सामने आया। वह पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट का है। दोनों पदों पर उनकी निर्णायक उपस्थिति, फर्जीवाड़े में उनकी भूमिका पर सवाल खड़े कर रही है। जांच में सामने आया कि अमजद खान से जुड़े फर्जी अभिलेखों को वैधता दिलाने में मुख्य भूमिका वास्तव में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका रही है।

### फर्जी दस्तावेजों के खेल में मिली अमजद की भूमिका

बरेली के मदरसे, मदरसा जामा ए मेहंदिया, सैंथल में लिपिक के रूप में तैनात अमजद खान का है। उसने उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका 6543/2025 में संलग्न की गई अंकतालिकाओं में जिन अनुक्रमांकों पर परीक्षार्थियों के अंक दर्ज दिखाए गए हैं। परिषद के मूल अभिलेखों में उन्हीं अनुक्रमांकों पर या तो भिन्न नाम दर्ज हैं या परीक्षार्थी अनुपस्थित पाया गया है। अमजद के विरुद्ध हाफिजगंज बरेली के थाने में एफआईआर भी दर्ज है। अमजद खान ने मदरसा प्रबंधक के हस्ताक्षरयुक्त दस्तावेज़ और प्रबंधक ने जिलास्तर पर भेजे । दस्तावेज़ों के हस्ताक्षरों में भी स्पष्ट अंतर पाया गया। अमजद ने अपनी आलिम परीक्षा 2015 में पास होना बताया। उसी वर्ष अप्रैल माह में उसकी नियमित उपस्थिति जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी बरेली कार्यालय में दर्ज होती रही। उसकी नियुक्ति सेवा प्रदाता संस्था के माध्यम से उसी अवधि में की गई थी। यानी वह एक ही समय में सरकारी कार्यालय में नौकरी भी कर रहा था और उसी समय परीक्षा भी दे रहा था। जो संभव ही नहीं है। बाद में उसने अपने नियुक्ति आदेश और संबंधित जिला अधिकारी के पत्र की तिथियों में हेराफेरी कर 2015 से 2017 कर दीं। जो सरकारी अभिलेखों में की गई कूटरचना का प्रमाण है।

### सांसद ने की जांच की मांग

कुशीनगर के सांसद विजय दुबे ने इसी आधार पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उपलब्ध तथ्य केवल अमजद खान नाम के एक व्यक्ति की करतूत नहीं दिखाते, बल्कि उसके पीछे बैठे किसी प्रभावशाली अधिकारी की सक्रिय भूमिका भी है। पूरा मामला एक संगठित गिरोह के रूप में काम करने का है। इसमें दस्तावेजों में हेराफेरी, फर्जी दस्तखत, परीक्षा और नौकरी को एक साथ दिखाकर गुमराह करने का है। इसकी विशेष एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए।

# डिफ्रेंशिएटेड केयर से घटेगी टीबी मृत्यु दर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सात राज्यों के अधिकारियों को लखनऊ में मिला प्रशिक्षण

**अमृत विचार :** डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर (विभेदित टीबी देखभाल) की जानकारी देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग की उपमहानिदेशक डॉ. उर्वशी बी. सिंह ने कहा कि गंभीर टीबी मरीजों की समय पर पहचान, उन्हें उपयुक्त ओपीडी व आईपीडी सेवाओं से जोड़ना और उपचार परिणामों में सुधार लाना प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल से टीबी से होने वाली मृत्यु दर में खासी कमी लाई जा सकती है।

डॉ. उर्वशी लखनऊ में डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर विषयक दो दिन प्रशिक्षण कार्यशाला में संबोधित कर रही थीं। इसमें उत्तर भारत के सात राज्यों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय उपमहानिदेशक ने बताया कि विभेदित टीबी देखभाल तथा ड्रग रेजिस्टेंट टीबी (डीआर-टीबी) की नई गाइडलाइंस जारी हो चुकी हैं। प्रशिक्षण कार्यशाला में सेंट्रल टीबी डिवीजन के संयुक्त आयुक्त डॉ. संजय मट्टू व उप्र. के राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने अपने विचार रखे। केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्याकांत और हरियाणा के राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजेश राजू को सम्मानित किया गया।

## न्यूज ब्रीफ

### रोटावेटर की चपेट में आए किसान की मौत

**कानपुर देहात।** भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के छतेनी गांव में शुक्रवार को एक किसान की रोटावेटर की चपेट में आने से मौत हो गई। गांव के 55 वर्षीय शरीफ अहमद अपने खेत में रोटावेटर चलवाने गए थे। इसी दौरान वह रोटावेटर की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र बहादुर ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शरीफ की पत्नी जैतून और पुत्र सैफ अहमद, सलीम अहमद, कलीम अहमद बेहाल हैं।

### बच्ची के साथ बेजा हरकत, केस दर्ज

**रसूलाबाद।** एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर में बताया कि उसके पड़ोसी युवक 24 नवंबर की शाम उसकी 4 वर्षीय पुत्री को इशारे से बुलाकर अपने घर ले गया और उसके साथ अश्लील हरकतें की। बेटी ने मां को पूरी बात बताई। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पॉक्सो सहित संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पीड़िता के बयान दर्ज हो चुके हैं और आरोपी की तलाश की जा रही है।

### पुलिस के साथ सड़क पर निकलीं कप्तान

**रसूलाबाद।** गुरुवार रात जिले की कप्तान श्रद्धा नरेंद्र पांडेय अचानक थाने पहुंचीं और सुरक्षा इंतजामों पर बारीकी से नजर दौड़ाई। इसके बाद पुलिस बल के साथ कस्बे का मिजाज परखने और सुरक्षा का संदेश देने के लिए सड़क पर निकलीं। उनके साथ सीओ सौरभ वर्मा, थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह, एसएसआई राम सिंह, एसआई प्रमोद दीक्षित भी मौजूद थे। वह चौराहे होते हुए कानपुर रोड पर ब्लॉक तक गईं और लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया।

### प्रवर्तन दल प्रभारी ने 2 पर लिखाई रिपोर्ट

**शिवली।** विजिलेंस की छापामारी के दौरान टीम के साथ के अभद्रता करने सहित कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। प्रभारी प्रवर्तन दल वंदना शुक्ला ने कोतवाली शिवली में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि 24 नवंबर को विजलेंस प्रभारी अवर अभियंता तापस रंजन एवं प्रभारी अवर अभियंता विद्युत उपकेंद्र कहिंजरी विनोद कुमार,हेड कांस्टेबल जयवीर सिंह आदि के साथ नेवादा देवराय में बिजली चोरी रोकने के लिए छापा मारा। इस पर गृहस्वामिनी निशा व उसके पुत्र अन्नू ने मोबाइल छीनने का प्रयास करते हुए अभद्रता की तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया।

### जैतीपुर में आज शुरू होगी खेल प्रतियोगिता

**कानपुर देहात।** विधानसभा क्षेत्र रसूलाबाद में 29 व 30 नवंबर को खेल प्रतियोगिताएं होंगी। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग ने श्री ज्वाला देवी ज्ञानदा इंटर कॉलेज जैतीपुर कुंतलिया में स्पर्धाएं कराने की तैयारी की है। इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीकरण युवा साथी पोर्टल पर कर सकते हैं। खिलाड़ियों को आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन व बैडमिंटन आदि विधाओं में सब जूनियर/ जूनियर व सीनियर वर्ग में बालक व बालिका श्रेणी में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

### अभद्रता का विरोध करने पर पीटा

**रसूलाबाद।** तिश्ती के एक व्यक्ति को कुछ लोगों ने अकारण अपशब्द कहे और विरोध करने पर पीटा। तिश्ती निवासी रामनरेश ने पुलिस को बताया कि गांव के ही आदित्य दुबे, उनके पुत्र कृष्णकांत उर्फ कन्हैया, पत्नी मंजू दुबे, पुत्री प्रिया दुबे और संगीता दुबे ने उसे अकारण अपशब्द कहे। विरोध करने पर पीटा। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

### सरकारी अभिलेख में मृत घोषित, पेंशन बंद

**रसूलाबाद।** क्षेत्र के माल का पुरवा गोपालपुर के किसान छम्मीलाल पुत्र मन्ना ने ऑनलाइन डीएम को शिकायती भेजी है, जिस में आरोप लगाया कि उसे वृद्धावस्था पेंशन मिलती थी। 20 जून 2024 को तत्कालीन पंचायत सचिव ने वृद्धावस्था पेंशन सत्यापन में उसे मृतक दर्शा दिया, जिससे पेंशन बंद हो गई। जानकारी होने पर प्रार्थना पत्र लेकर भटक रहा है। एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि शिकायती पत्र की जांच की जा रही है। दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# लेखपाल के सुसाइड पर मांगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

**अमृत विचारः** फतेहपुर में लेखपाल सुधीर कुमार की आत्महत्या को लेकर यहां तहसीलों में लेखपाल धरने पर बैठे और एसडीएम के साथ राजस्व निरीक्षक के खिलाफ आत्महत्या दुष्प्रेरण का मुकदमा दर्ज करने व मां को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने की मांग की गई।

सदर तहसील में अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में लेखपालों ने कार्य बहिष्कार किया। बरामदे में दरी बिछाकर बैठे। शाम तक नारेबाजी चली। लेखपालों की मांग है कि सुधीर की मौत के जिम्मेदार एसडीएम संजय कुमार सक्सेना और राजस्व निरीक्षक शिवराम के खिलाफ मुकदमा लिखा जाए। पूर्व जिला मंत्री गिरजेश कटियार व लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि एसआईआर की अवधि एक महीने बढ़ाई जाए और एक माह के वेतन के बराबर प्रोत्साहन राशि दी जाए। धरने में जिलाध्यक्ष रमाकांत श्रीवास्तव, शिवम यादव, रीतेश तिवारी, विजय प्रताप सिंह, अभिषेक गुप्ता, शिवा सिंह गौर, सौरभ त्रिपाठी, दिव्या शुक्ला, कल्पना आदि मौजूद रहे।

शुक्रवार को सदर तहसील में दरी बिछाकर धरने पर बैठे लेखपाल। अमृत विचार

### मैथा, सिकंदरा और रसूलाबाद में भी धरना-प्रदर्शन

शिवली क्षेत्र की मैथा तहसील में लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष उत्कर्ष त्रिपाठी व मंत्री हर्षित त्रिपाठी की अगुवाई में लेखपालों ने कार्य बहिष्कार कर तहसील में धरना-प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा। यहां कामता मिश्रा,नितिन बाजपेई, धर्मेंद्र तिवारी,राजीव पाण्डेय, अंकित पाल, राजनरायन, आशीष कुमार, नंदलाल, ममता सिंह, दिव्या सचान, लक्ष्मी यादव आदि मौजूद रहीं। सिकंदरा तहसील में भी संघ के अध्यक्ष उदयभान सिंह के नेतृत्व में लेखपाल धरने पर बैठे। एसडीएम प्रद्युम्न कुमार को ज्ञापन दिया। यहां जिला उपाध्यक्ष समीर शुक्ला, तहसील के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामजी शुक्ल, विनीता यादव,रितिका पाण्डेय, अजीत कुमार, विमल शुक्ला,शशांक कुमार आदि मौजूद रहे। रसूलाबाद में भी लेखपालों ने कलम बंद हड़ताल रखी। शाम 5 बजे मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम सर्वेश कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। यहां लेखपाल संघ की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष योगेश कुमार, महामंत्री विजय गौतम, रावेंद्र कुमार, प्रत्यूष मणि पाठक, अंकित कुशवाहा, अजीत कुमार, हर्ष श्रीवास्तव आदि लेखपाल मौजूद रहे।

# मंत्री बोले, बगैर नोटिस दिए बत्ती न काटें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- जिले के दौरे पर रहे प्रभारी मंत्री विकास कार्यों का लिया जायजा
- कृषि विभाग की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

**अमृत विचारः** जनपद के प्रभारी मंत्री डा. संजय कुमार निषाद शुक्रवार को जिले के भ्रमण पर रहे। कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कलेक्ट्रेट में कानून व्यवस्था, विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। मंत्री ने बिजली बिल राहत योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए।

गांवों के सचिवालय, कोटेदारों के यहां पोस्टर लगाकर योजना का प्रचार-प्रसार कराने के साथ बकाएदारों से संपर्क स्थापित कर योजना के बारे में अवगत कराने के निर्देश दिए। मंत्री द्वारा किसानों को अतिरिक्त विद्युत आपूर्ति देने, नोटिस के उपरान्त ही विद्युत विच्छेदन संबन्धी कार्रवाई करने, विद्युत कर्मियों को सुरक्षा किट पहनकर ही कार्य करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा तय समय में विद्युत से संबन्धित समस्याओं का समाधान कराया जाए। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिलाने के साथ-साथ खाद, बीज की उपलब्धता केन्द्रों पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर, किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग केसीसी, फसल बीमा आदि के कैंप आयोजित करें जिससे कृषकों को सुलभता रहे।

उन्होंने कहा कि सभी क्रय केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त रखी जाएं, बिक्री हेतु आने वाले किसानों से तत्काल फसल का क्रय कराया जाए। उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को केन्द्रों के निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। मंत्री द्वारा जिला चिकित्सालय में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। उन्होंने ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई कराने, सभी सार्वजनिक स्थलों के आस-पास रोस्टर लगाकर साफ सफाई कराने के निर्देश दिये। बैठक में मंत्री द्वारा नगर निकाय के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नगर निकाय के अंतर्गत सभी स्थलों, सार्वजनिक शौचालय, मलिन बस्तियों में अभियान चलाकर साफ सफाई कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का प्रचार प्रसार पंचायत घरों पर कराए जाने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रभारी मंत्री संजय निषाद का डीएम ने स्वागत किया। अमृत विचार

# रवि का अभी भी कोई सुराग नहीं भाई रोहित को भी घर से उठाया

## एसओजी टीम पर जिठौली गांव के रवि सिंह को ले जाने और दबाव बनाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- रवि की मां बोली, दवाब बनाने सादी वर्दी में आए पुलिस कर्मी
- मामले को लेकर अदालत ने आज तलब की है थाने की आख्या

**अमृत विचारः** गजनेर थाना क्षेत्र के गांव जिठौली निवासी रोहित सिंह द्वारा अपने भाई रवि सिंह (25) को एसओजी कानपुर देहात टीम द्वारा कथित रूप से उठाए जाने और न्यायालय में प्रस्तुत न किए जाने के आरोपों को लेकर चल रहा मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। शुक्रवार को प्रकरण सीजेएम कोर्ट से स्थानांतरित होकर न्यायिक मजिस्ट्रेट, कक्ष संख्या-1 की न्यायालय में पहुंच गया। अदालत ने थानाध्यक्ष गजनेर से शनिवार तक विस्तृत आख्या तलब की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि 18 नवंबर को दोपहर लगभग एक बजे एसओजी टीम रवि सिंह को घर की दुकान से उठाकर गजनेर थाने ले गई। वहां कुछ समय रखने के बाद उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। परिजन लगातार थानों, एसओजी कार्यालय तथा जिला न्यायालयों में तलाश करते रहे, परंतु युवक की अभिरक्षा संबंधी कोई भी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला।

अधिवक्ता चौहान ने कोर्ट में तर्क दिया कि 24 घंटे के भीतर न्यायालय में प्रस्तुत किए बिना किसी नागरिक को हिरासत में रखना संविधान तथा विधिक प्रक्रिया का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। उन्होंने एसओजी सहित संबंधित स्थानों पर सर्च वारंट जारी कर बंदी की बरामदगी सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया। शिकायतकर्ता पर प्रार्थना पत्र वापस लेने का दबाव बनाने के आरोप को लेकर रोहित सिंह ने न्यायालय में अर्जी लगाई। उसने बताया कि कोर्ट की ओर से आख्या तलब किए जाने के बाद पुलिस शुक्रवार की सुबह लगभग 11 बजे उनके घर पहुंची। उनकी वृद्ध एवं बीमार मां पर दबाव बनाया कि रोहित अदालत में दिया गया प्रार्थना पत्र वापस ले लें और यह लिखकर दें कि उन्होंने कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है। इसके बाद देर शाम रोहित सिंह की मां ने अधिवक्ता को सूचित किया कि सादे वस्त्रों में आए पुलिस कर्मियों ने रोहित सिंह को भी गांव से उठाकर ले लिया है। परिवार पहले से लापता रवि और अब रोहित,दोनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, जब कि किसी भी सरकारी अभिलेख में उनकी गिरफ्तारी प्रदर्शित नहीं है।

### एएसपी बोले, एसओजी के रिकॉर्ड में कुछ नहीं

**कानपुर देहात।** इस प्रकरण पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने कहा कि अखबारों के माध्यम से जानकारी मिली है कि सीजेएम कोर्ट में मामला पेश किया गया है। रवि सिंह को एसओजी द्वारा उठाए जाने के बारे में उन्होंने कहा कि अखबारों से ऐसा ही पता लगा है। हमारे रिकार्ड में ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि न पूछताछ है और न ही चालान है, इसका मतलब नहीं उठाया गया है। रोहित को ले जाने की बात से भी उन्होंने अनभिज्ञता जताई है।

### करंट लगने से गाड़ी चालक की गई जान

**मंगलपुर।** क्षेत्र के परजनी गांव निवासी रामस्वरूप पुत्र शंकरलाल कन्नौजिया ने अपनी बेटी मधु की शादी औरैया जनपद के लखना क्षेत्र के बेरीखेरा निवासी ओमप्रकाश दिवाकर के पुत्र शिवकुमार से तय की थी। दयापुरवा गांव के बीना गेस्ट हाउस में बैंडबाजे के साथ बारात पहुंची। रात्रि में हंसी-खुशी के साथ शादी समारोह संपन्न हुआ।

सुबह बारात की विदाई के समय वर पक्ष को वधू पक्ष की ओर से मिले सामान को ले जाने के लिए किराए पर पिकअप बुक किया गया। कंचौसी बाजार निवासी 28 वर्षीय राहुल उर्फ अंशुल पुत्र मुकेश कुमार लोडर लेकर गेस्ट हाउस पहुंचे। पिकअप चालक राहुल सामान को पिकअप में लाद रहे थे, तभी ऊपर से गुजरे बिजली के तारों की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। इससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग राहुल को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झींझक लेकर पहुंचे, जहां डॉ. शिरोमणि ने उसका परीक्षण करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

# अयोध्या ड्यूटी से लौटे दरोगा की थम गई सांस

संवाददाता, मंगलपुर

सब इंस्पेक्टर जयवीर सिंह।

- दो माह पहले मंगलपुर थाने में हुई थी तैनाती, सांस लेने में दिक्कत

**अमृत विचारः** अयोध्या ड्यूटी से लौटे मंगलपुर थाने के उपनिरीक्षक जयवीर सिंह की सांसें थम गईं। अचानक तबीयत बिगड़ी। जिला अस्पताल से रेफर होने के बाद लखनऊ में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। निधन को लेकर पुलिस कर्मियों में शोक की लहर है।

सब इंस्पेक्टर जयवीर सिंह मूल रूप से मैनपुरी के जिजही गांव के रहने वाले थे। जयवीर सिंह वर्ष 1988 में कांस्टेबल पद पर भर्ती हुए थे। ड्यूटी के प्रति समर्पण के लिए पहचाने जाने वाले जयवीर सिंह ने जिले में थाना एंटीथेफ्ट सेल, सिकंदरा थाने और संदलपुर चौकी में एसआई के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। करीब दो माह पहले ही उनकी तैनाती मंगलपुर थाने में हुई थी। बताया गया कि 25 नवंबर को अयोध्या वीआईपी ड्यूटी पूरी करके गुरुवार को ही मंगलपुर लौटे थे और पूरी तरह स्वस्थ थे। गुरुवार शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। सांस लेने में दिक्कत और स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आराम न मिलने पर रात में ही लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार भोर करीब 5 बजे उनके पेट में तेज दर्द उठा और हालत खराब हो गई। सुबह करीब 9 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बेटे राहुल के अनुसार वे दो वर्षों से बीमार थे और लीवर की बीमारी का इलाज चल रहा था।

# खेत हुए बीमार, कैसे होगी पैदावार

संवाददाता, शिवली

- कैलई गांव के किसानों ने कराया खेत की मिट्टी का मृदा परीक्षण
- जीवांश कॉर्बन का स्तर निचले स्तर पर पहुंचा, नैनो ही इलाज

**अमृत विचारः** मैथा विकास खंड के कैलई गांव मे मिट्टी का परीक्षण करने के लिए इफको के द्वारा सचल मृदा परीक्षण प्रयोगशाला बस पहुंची।जिसमें किसानों के खेतों की मिट्टी को लेकर परीक्षण करके उनकी मिट्टी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई।

लैब टेक्नीशियन पवन कुमार शर्मा लैब असिस्टेंट कृष्ण द्विवेदी और संतोष कुमार त्रिपाठी की टीम ने 60 किसानो के खेतो मिट्टी का परीक्षण किया। मृदा परीक्षण की जांच के बाद पता चला कि किसानो के खेत के मृदा अस्वस्थ हो गई है। जीवांश कार्बन का स्तर सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है जो बहुत ही चिंता की बात है। मृदा परीक्षण करने वाले अधिकारियों ने बताया कि यूरिया और डीएपी का उपयोग धीरे-धीरे कम करके किसान नैनो यूरिया, नैनो डीएपी का उपयोग करे।

जैविक खेती की ओर बढ़े तो मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बनी रहेगी और मिट्टी स्वस्थ हो जाएगी। कैलई गांव के पूर्व प्रधान राज कुमार कुशवाहा, सुनील कुशवाहा ने किसानों से जैविक खेती की ओर रुख करने की बात कही। इफको केंद्र शिवली के विक्रय अधिकारी अभिषेक कुमार, प्रतीक शुक्ला मौजूद रहे।

खेत की मिट्टी के मृदा परीक्षण के समय मौजूद किसान। अमृत विचार

### अब 'चाय पर चर्चा' के साथ एसआईआर

**कानपुर देहात।** एसआईआर को प्रभावी, गतिशील एवं जनसहभागिता से पूरा कराने के उद्देश्य से चाय पर चर्चा कार्यक्रम की पहल की गई है। इस पहल के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी ईआरओ को निर्देश दिए हैं कि उनके नियंत्रण क्षेत्र के सभी बीएलओ प्रतिदिन प्रातः 10 बजे अपने-अपने बूथ पर चाय पर चर्चा में अनिवार्य रूप से रहें। इन चर्चाओं में विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी सम्मिलित होंगे, ताकि अभियान को बहु-स्तरीय सहयोग प्राप्त हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राजनीतिक दलों से भी अनुरोध किया जाय कि वे अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) को इन बैठकों में आवश्यक रूप से भेजें, जिससे पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता, सहजता और बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके।

# सेहत की जांच और मुफ्त इलाज

संवाददाता, रनियां

- रनियां कस्बे के कंपोजिट स्कूल में लगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
- शुगर, श्वांस और हृदय रोग के साथ दांतों और आंखों की जांच

**अमृत विचारः** नगर पंचायत रनियां के संविलियन स्कूल में शुक्रवार को रामा हॉस्पिटल मंधना एवं दिव्य दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आए मरीजों का चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चेकअप व इलाज किया गया। मुफ्त इलाज पाकर लोगों ने राहत की सांस ली है।

सुबह ग्यारह बजे हॉस्पिटल की टीम रनियां पहुंची। यहां पर पहुंचे मरीजों की सबसे पहले चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांचें शुरू की गई। जांच के दौरान मरीजों का शुगर, श्वास, ब्लड, हार्ट आदि का चेकअप किया गया। इसके बाद मरीजों को चिकित्सकों ने निरूशुल्क दवाओं का भी वितरण किया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ ब्लिस त्रिपाठी व डॉ विशाल चतुर्वेदी ने नेत्रों का परीक्षण किया। डा. अभिलाष ने मेडिसिन विभाग संभाला। डेंटिस्ट डॉ. आशीष साहनी, डॉ. जयोति, डा. उदय ने दंत रोगियों की जांच की। नर्सिंग में शिवानी व शीतल ने सहयोग किया। लगभग डेढ़ सौ लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण व दवाएं वितरित की गई। इसमें स्कूली बच्चों ने भी हिस्सेदारी की। इस दौरान पनकी मंदिर के महंत कृष्णदास, हरदीप सिंह राखरा, समाजसेवी विष्णु कुमार गुप्ता, मलखान सिंह, संदीप कुमार, शिवकुमार, शिवम आदि मौजूद रहे।

रनियां के विद्यालय में कैंप के दौरान बच्चों ने भी स्वास्थ्य की जांच कराई। अमृत विचार

**एसआईआर पर सवाल** | सपा प्रमुख्य अखिलेश यादव ने सरकार पर कसा तंज, बोले- सत्ता हथियाने को भाजपा चल रही हर चाल

# बिहार के बाद वेस्ट बंगाल और यूपी में भी होगा 'टेस्ट'

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

**अमृत विचारः** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर बड़ा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए भाजपा सत्ता हासिल करने की तैयारी में है। बिहार में इसका टेस्ट हुआ। आगे पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में सत्ता हथियाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे।

शुक्रवार को भोगनीपुर क्षेत्र के सरांय गांव के एक कॉलेज में बने नेता जी मुलायम सिंह यादव हॉल का लोकार्पण करने आए सपा प्रमुख ने प्रदेश सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार विकास की बातें भर करती है। धरातल में कुछ नहीं हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ समय पहले सरकार के लोगों ने कहा था कि लखनउ से कानपुर के बीच की दूरी सिर्फ 45 मिनट में पूरी होगी। भाजपाइयों की बातों में आकर वह लखनउ से कानपुर के लिए यह सोच कर चले कि 45 मिनट ही लगेंगे। समय बचेगा मगर हुआ उल्टा। हाल पुराना होने के कारण वह ढाई घंटे विलंब से कार्यक्रम में पहुंच पाए। स्पेशल इंटेशिव रिवीजन, एसआईआर को लेकर जारी अभियान पर भी उन्होंने तंज कसा और कहा कि आयोग निष्पक्षता के साथ काम नहीं कर रहा। भाजपा बाकी दलों के वोट कटवाना चाहती है। बिहार के चुनाव नतीजों को उन्होंने एसआईआर का टेस्ट बताया और कहा कि यही टेस्ट अब वेस्ट बंगाल और फिर यूपी में होगा। हालांकि समाज वादी पार्टी के कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। डटकर साजिश का मुकाबला करेंगे और पीडीए को उनका सम्मान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में पीडीए के लोगो को 90 प्रतिशत वोट डालना होगा, तभी समाजवाद की जीत होगी। जिलाध्यक्ष अरुण यादव उर्फ बबलू राजा, विधायक अमिताभ बाजपेई, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरसेन यादव, पूर्व एमएलसी दिलीप सिंह उर्फ कल्लू यादव, पूर्व विधायक सतीश निगम आदि रहे।

सरांय के कॉलेज में कक्ष का लोकार्पण करते पूर्व सीएम अखिलेश यादव। अमृत विचार

### सराय में प्रतिमाओं का किया अनावरण

पूर्व मुख्यमंत्री ने सरांय गांव में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लाखन सिंह यादव के पिता बड़ेलाल यादव, माता रामदुलारी और पत्नी जयरानी की मूर्तियों का अनावरण किया। विधायक निधि से निर्मित कक्ष का उद्घाटन भी किया। संबोधन में सीमित नेताओं के नाम पुकारे।

### अदनान ने अखिलेश को पहनाई पगड़ी

युवा नेता मो. अदनान ने भीड़ के साथ हिस्सेदारी दर्ज कराई। अदनान ने वाहनों के काफिले के साथ अकबरपुर से जुलूस निकाला। सरांय पहुंचने से पहले ही हाईवे पर अदनान को देखकर पूर्व सीएम रुके। उनका हाल जाना। इसके बाद अदनान ने उन्हें पगड़ी पहनाई।

# रैनबसेरा परिसर में लगा एसआईआर का कैंप

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार। नगर पंचायत के रैनबसेरा परिसर में एसआईआर के विशेष कैंप में क्षेत्रीय विधायक पूनम संखवार पहुंची। उन्होंने पात्र मतदाताओं के नाम शत-प्रतिशत सही भरवाए जाने की बात समस्त कर्मचारियों से कही। जिससे कोई भी मतदान करने से वंचित न रहे।

कैंप में बीएलओ टीम के साथ पार्टी के पदाधिकारी भी काम में लगे। मंडल अध्यक्ष ओमशंकर सिंह, उपाध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई, पूर्व सभासद मयंक त्रिपाठी आदि ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य में सहयोग दिया। विधायक पूनम संखवार ने कई बूथों का निरीक्षण किया। लोगों से अपील की कि वे बीएलओ का पूरा सहयोग करें।

रसूलाबाद के एसआईआर कैंप में पहुंचीं विधायक पूनम संखवार। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 29 नवंबर 2025 उन्नाव

## न्यूज ब्रीफ

### दिव्यांगों को तीन को दिए जाएंगे उपकरण

**उन्नाव, अमृत विचार :** विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के दिव्यांगजन के जीवन को सुगम्य बनाने के उद्देश्य से कृत्रिम अंग व सहायक उपकरणों का वितरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 3 दिसंबर को प्रकाश गेस्ट हाउस सिविल लाइन में 11 बजे से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सीडीओ कृतिराज ने कहा कि चिन्हित पात्र दिव्यांगजनों को शिविर स्थल पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। जिससे पात्र दिव्यांगजनों को जनप्रतिनिधियों द्वारा सहायक उपकरणों का वितरण कर लाभान्वित किया जा सके।

### नगर के कई वार्डों में कराई गई फागिंग

**शुक्लागंज, उन्नाव :** मौसम में बढ़ी नमी से मच्छरों के प्रकोप से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसे लेकर सीएमओ ने नगर पालिका परिषद को क्षेत्र में फागिंग कराने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ के आदेश पर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे व ईओ मुकेश मिश्रा के निर्देशन में वार्ड 4 कंचन नगर व वार्ड 7 ऋषि नगर में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। पालिका कर्मियों द्वारा दिनभर गलियों व नालियों की सफाई कर कूड़ा निस्तारित कराया। सफाई के बाद शाम को कॉलोनी की गलियों में फागिंग कर मच्छरों के प्रभाव को कम करने का प्रयास किया गया।

### गृह कलह से क्षुब्ध युवक ने लगाई फांसी

**शुक्लागंज, उन्नाव :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गंगा नगर मोहल्ला निवासी इरफान (29) पुत्र नसरत ने मध्यरात्रि पारिवारिक विवाद से क्षुब्ध होकर कमरे में पंखे के सहारे रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सुबह छह बजे उसकी पत्नी शबीना जब कमरे में गई तो पति को फंदे पर लटकता देख वह बदहवास होकर चीखने लगी। पत्नी की आवाज सुन आसपास के लोग पहुंचे और देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस पहुंची और शव नीचे उतरवाकर जांच के बाद पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। भाई इशरार ने बताया कि परिवार में तीन बहनें व पांच भाई थे। जिनमें इरफान सबसे छोटे थे। उसके एक दो साल का बेटा फारूख भी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

### सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल

**उन्नाव, अमृत विचार :** फतेहपुर चौरासी थाना व कस्बा क्षेत्र के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी रामखेलावन (40) पुत्र ढलीचंद्र शुक्रवार को पत्नी प्रीती (38) व बहन संगीता (22) के साथ बाइक से उन्नाव रिश्तेदारी में जा रहे थे। तभी सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के हुलासी कुआं चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। इसी बीच विधायक बम्बालाल दिवाकर का काफिला वहां से गुजर रहा था। घायलों को सड़क पर पड़ा देख विधायक ने एंबुलेंस बुलाई और उन्हें सीएचसी भिजवाया। जहां डाक्टर ने गंभीर घायल रामखेलावन व उसकी पत्नी प्रीती को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

### छत से गिरी महिला की हालत गंभीर

**नवाबगंज, उन्नाव :** सोहरामऊ थानाक्षेत्र के बड़ौर गांव निवासी जगदीश के घर की छत की मरम्मत का काम चल है। शुक्रवार को जगदीश की पत्नी आरती (30) भी काम में मदद कर रही थी। तभी शाम को अचानक बैलेंस बिगड़ने से आरती छत से नीचे गिर गई। जिससे वह गंभीर घायल हो गई। उसे परिजन नवाबगंज सीएचसी ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

### जोन ट्रायल के लिए 20 खिलाड़ियों का चयन

**उन्नाव, अमृत विचार :** जिला क्रिकेट एसो. के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि उप्र क्रिकेट एसो. के सत्र 2025-26 हेतु लखनऊ जोन ट्रायल के लिए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के 20 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में प्रिंस यादव, आदित्य प्रकाश, शौर्य प्रताप सिंह, नितिन यादव, हर्ष तिवारी, अरनेश कार्तिक, कृष्णा यादव, विराट गुप्ता, मो. अली जैदी, शिवा निषाद, यश सिंह, शाश्वत जायसवाल, मो. अल्तमश, ओम शर्मा, फ्रेंड्स हुसैन, समीर श्रीवास्तव, वैभव त्रिवेदी, शौर्य मुक्तेश, सौरभ व अर्जुन का नाम है। इसके अलावा आजाद रावत, मेधांश मिश्रा, अविराट त्रिवेदी, अक्षत हंस और अनिरुद्ध का नाम स्टैंड बाई में शामिल किया गया है। जोन ट्रायल लखनऊ के बाबू बनारसी दास स्टेडियम फैजाबाद रोड लखनऊ में आयोजित किए जाएंगे।

# नाराज लेखपालों ने काम बंद कर घेरी बांगरमऊ तहसील

## अफसरों की प्रताड़ना से क्षुब्ध लेखपाल की आत्महत्या का मामला

संवाददाता बांगरमऊ, उन्नाव

धरने पर बैठे लेखपाल। अमृत विचार

**अमृत विचार:** फतेहपुर जिले में अफसरों की प्रताड़ना से क्षुब्ध लेखपाल के आत्महत्या करने से नाराज लेखपाल संघ ने बांगरमऊ तहसील कार्यालय में धरना दिया और काम बंद कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उप्र लेखपाल संघ की बांगरमऊ तहसील इकाई द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रेषित ज्ञापन में कहा कि जिला फतेहपुर के अधिकारियों ने 22 नवंबर को एसआईआर से संबंधित बैठक बुलाई गई थी।

फतेहपुर के 2024 बैच के लेखपाल सुधीर कुमार की 26 नवंबर को शादी होनी थी। इसीलिए वह बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे अधिकारियों ने उन्हें निलंबित कर दिया। साथ ही लेखपाल को अपमानित कर उसे बर्खास्त करने की धमकी भी दी। इसी तनाव व अपमान के कारण सुधीर अवसाद में चला गया और उसने आत्महत्या कर ली। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि प्रदेश के सभी तहसीलों में अफसरों के बदलते व्यवहार, संवेदनहीनता व संवादहीनता से लेखपाल त्रस्त हैं। लेखपाल संघ ने मुख्यमंत्री से फतेहपुर के दोषी अधिकारियों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर घटना की जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन देने से पहले अधिवक्ताओं ने काम बंद कर तहसील परिसर में धरना भी दिया।

### सफीपुर तहसील में लेखपालों ने दिया धरना

**सफीपुर, अमृत विचार :** फतेहपुर में बीएलओ ड्यूटी में लगे लेखपाल सुधीर की आत्महत्या करने मामले को लेकर सफीपुर क्षेत्र के लेखपालों में भी नाराजगी रही। शुक्रवार को लेखपालों ने कार्य बहिष्कार कर तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। सुधीर के आश्रितों को 50 लाख की आर्थिक सहायता व संबंधित अफसरों पर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग करते हुए मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। तहसील लेखपाल संघ अध्यक्ष आलोक बाजपेई के नेतृत्व में धरने पर बैठे लेखपालों ने कहा कि सुधीर को बीएलओ ड्यूटी के लिए अधिकारियों द्वारा परेशान किया जा रहा था। इस प्रताड़ना से उसने अपनी जान दी। मांग की कि एसआईआर कार्य में लगे सभी लेखपालों के मानसिक व शारीरिक शोषण को तत्काल रोका जाए। एक माह के वेतन के बराबर प्रोत्साहन राशि देने व एसआईआर की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई। धरने को लेखपाल संघ जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव, जिला मंत्री ब्रजेश पाल, संदीप पाल, आस्था दीक्षित, आयुष्मान मिश्रा, सुमित अवस्थी, दयाराम पाल आदि ने सम्बोधित किया।

### कांग्रेस ने किया लेखपाल संघ के धरने का समर्थन

**उन्नाव, अमृत विचार :** एसआईआर में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों के चलते फतेहपुर के लेखपाल सुधीर कुमार ने आत्महत्या कर ली। इसके विरोध में पूरे प्रदेश में लेखपालों द्वारा एकदिवसीय धरने का आयोजन किया गया है। लेखपालों के आंदोलन को नैतिक समर्थन देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि यह सरकार की हठधर्मिता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, उपाध्यक्ष संगठन चंद्र प्रकाश शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष जंग बहादुर सिंह, महामंत्री अजय गौतम, जावेद कमाल, विनयदीप श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी, सैय्यद सागर हुसैन, प्रदीप शर्मा आदि ने आंदोलन को बल देने के लिए लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष व जिलामंत्री से मुलाकात कर उन्हें अपना समर्थन व्यक्त किया।

# हादसों को रोकें, लगाए जाएं साइन बोर्ड

बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। अमृत विचार

**उन्नाव, अमृत विचार:** जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में पन्नालाल सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए साइन बोर्ड लगाने व स्टेडियम के पास सर्विस रोड बनाने के लिए एनएचएआई अधिकारियों से कहा। वहीं, कहा कि ओवर स्पीड व बिना सीटबेल्ट और बिना हेलमेट वाले वाहन चालकों पर अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। लोगों को जागरूक करने के लिए जरूरी स्थान पर साइनेज लगाए जाएं। राष्ट्रीय राजमार्ग में जहां पर ब्लाक स्पॉट हैं निरीक्षण कर जरूरी कार्यवाही की जाए। सड़क हादसों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से स्कूल कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। विद्यालय में जो अनफिट वाहन लगे हैं और मानक पूरे नहीं कर रहे हैं उनके संचालन पर रोक लगाई जाय। वाहनों पर रेट्रो रिफेक्टिव टेप लगाए जाएं। कहा कि जो व्यावसायिक वाहन चल रहे हैं उनमें स्पीड लिमिट डिवाइस लगाने के बाद ही उन्हें क्रियाशील किया जाए। बैठक में एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी सहित अन्य अधिकारी आदि मौजूद रहे।

# करंट से युवक की गई जान

**सफीपुर, उन्नाव:** सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के पीखी गांव के बीएससी के छात्र अमन की बुधवार को हरियाणा के गुरुग्राम में मामा के घर पर करंट की चपेट में आने से मौत हुई थी। पोस्टमार्टम के बाद देररात उसका शव घर पहुंचते ही परिजन बेहाल हो गए। शुक्रवार दोपहर बाद पास के कब्रिस्तान में परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। पीखी गांव निवासी अमन (19) पुत्र सैय्यद बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था। बीती 15 नवम्बर को गुरुग्राम निवासी अपने मामा मुन्ना के घर गया था। जहां बीते बुधवार मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर लगाते समय वह बोर्ड में आए विद्युत तार के कटे होने से करंट की चपेट में आकर झुलस गया। मामा ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को हरियाणा पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। देररात शव लेकर परिवार के सदस्य घर पहुंचे तो परिजनों में चीखपुकार मच गई। पिता सैय्यद ने बताया कि अमन पढ़ाई को लेकर गंभीर था। वह उच्च शिक्षा हासिल कर अफसर बनना चाहता था।

### सीओ ने गश्त कर वाहनों की कराई चेकिंग

फोरलेन पर गश्त करते सीओ सिटी। अमृत विचार

**शुक्लागंज, उन्नाव :** सुरक्षा व शांति व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार शाम सीओ सिटी दीपक यादव गंगाघाट कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने कोतवाली प्रभारी अजय सिंह व गंगाघाट पुलिस के साथ मुख्य बाजार, भीड़-भाड़ वाले संवेदनशील स्थानों और फोरलेन मार्ग पर पैदल गश्त की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की और सतर्कता के साथ जांच-पड़ताल की। गश्त के दौरान सीओ ने सड़क पर यातायात व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। वहीं पुलिस द्वारा वाहनों की सघन चेकिंग कराई गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान भी किए गए। सीओ ने पुलिस को निरंतर निगरानी, अनुशासित यातायात संचालन और नियमित चेकिंग जारी रखने के निर्देश दिए, जिससे जनता में सुरक्षा का भाव बना रहे।

### साइबर ठगों ने उड़ाए 13 लाख रुपये

**उन्नाव, अमृत विचार :** साइबर क्राइम सेल प्रभारी निरीक्षक राजेश पाठक ने बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हिरन नगर निवासी रिटायर्ड कर्मी मदन मोहन से बीती 25 नवंबर को 13 लाख की ठगी साइबर अपराधियों ने की थी। बताया कि पीड़ित के मोबाइल नंबर पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा 25 नवंबर को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का फर्जी एपीके फाइल भेजकर उनसे ओटीपी मांगी। इसके बाद ठगो ने उनके खाते से आनलाइन 13 लाख रुपये पार कर दिए। बैंक से मोबाइल में संदेश आने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई। इसकी पीड़ित ने शिकायत की थी। साइबर सेल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की और बैंक खाता फ्रीज कर पत्राचार कर पीड़ित के खाते में शुक्रवार को 5 लाख रुपए रिफंड कराए। इंस्पेक्टर ने बताया कि शेष रकम की वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं।

शिशु मंदिर में कार्यक्रम के दौरान मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

### सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम: नारी परिवार की धुरी और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

**शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार :** गोपीनाथपुरम स्थित सरोज सरस्वती शिशु मंदिर के यायावर कक्ष में शुक्रवार को प्रधानाचार्य दुर्गेश सिंह के मार्गदर्शन में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम संपन्न हुआ। संयोजिका शिशु वाटिका प्रमुख आशा शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता रेनू शुक्ला ने कहा कि नारी परिवार की धुरी और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। आचार्या गीता ने धर्म-संस्कृति आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित की, जिसमें सही उत्तर देने वाली माताओं को सम्मानित किया गया। मातृशक्ति की झांकी प्रस्तुति के लिए रूपा त्रिवेदी, अनीता श्रीवास्तव, पूनम कश्यप, गुंजन कश्यप, दिव्या मिश्रा और चांदनी देवी को पुरस्कृत किया गया। विशिष्ट कार्यों के लिए अभिभावक रचना, रेखा सिंह, संध्या द्विवेदी, अंजू शर्मा व रागिनी तिवारी भी सम्मानित हुईं। संचालन नैना शर्मा ने किया।

# संदेश फाउंडेशन के प्रयास के बाद भरा गया नवीन गंगापुल पर बना गड्ढा

नवीन पुल के गड्ढे पर कराया गया पैचवर्क। अमृत विचार

**शुक्लागंज उन्नाव:** नवीन गंगा पुल से रात में भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण पुल के बीच में बना गड्ढा दिनों-दिन बड़ा होता जा रहा है। वर्तमान में स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि गड्ढे से सरिया तक दिखने लगी हैं। जो मार्ग से गुजरने वाले वाहनों व आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इस खतरे को देखते हुए पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे के पति व संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप पांडे ने इसे गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन एचडी अहिरवार से मुलाकात की और उनको पुल की स्थिति से अवगत कराते हुए एक लिखित पत्र सौंपा। पत्र में बताया कि गंगा नदी पर बने नवीन गंगा पुल के स्लैब में लंबे समय से गड्ढा बना है जिसकी कई बार मरम्मत की कोशिश की गई लेकिन हर बार अस्थायी सुधार होने के बाद स्थिति और खराब होती जा रही है। अब सरिया तक दिखाई दे रही हैं। जिसे संज्ञान में लेते हुये एक्सईएन ने शाम को एक टीम भेजी और टीम ने गड्ढे की मरम्मत कराई। बताया कि स्लैब के पुनर्निर्माण की जरूरत है। इसके लिये स्टीमेट बनाकर भेजा जा रहा है। स्लैब पर कार्य होगा तो कुछ दिनों के लिये यातायात प्रभावित हो सकता है। वहीं पुल पर बड़े वाहन न प्रवेश करें इसके लिये लो हेड बैरियर लगाने की भी मांग की है।

### यातायात दरोगा का घूस लेते वीडियो वायरल, निलंबित

**उन्नाव, अमृत विचार:** यातायात व्यवस्था संभालने में लगे दरोगा का रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। इसका संज्ञान लेकर एसपी ने कार्रवाई करते हुए दरोगा को निलंबित कर मामले की जांच सीओ ट्रैफिक को सौंपी है। बता दें कि शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हुआ। जिसमें एक दरोगा मुट्ठी में पैदल चल रहे युवक से रुपए लेते देखा गया। जिसका किसी ने वीडियो बना लिया। मामला लखनऊ-कानपुर हाईवे के बदरका चौराहा के पास का बताया जा रहा है। रुपये लेने वाले दरोगा की पहचान यातायात विभाग में तैनात मो. शहीम खान में रूप में हुई। कुछ लोगों ने वायरल वीडियो यूपी पुलिस के एक्स प्लेटफार्म पर भी शेयर किए। हालांकि, अमृत विचार ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इधर मामले का संज्ञान लेकर एसपी जयप्रकाश सिंह ने दरोगा मो. शहीम खान को निलंबित कर दिया। साथ ही उस पर विभागीय जांच बैठा दी। पूरे मामले की जांच कर सीओ ट्रैफिक अजय सिंह को रिपोर्ट देने को कहा गया है। वहीं लोगों में चर्चा है कि वीडियो अयोध्या में हुए कार्यक्रम के दौरान रूट डायवर्जन के समय का है। बता दें कि यातायात पुलिस कर्मी पर अक्सर उगाही के आरोप लगते रहे हैं।

### टोल पर मारपीट का वीडियो वायरल, कर्मियों पर आरोप

**उन्नाव, अमृत विचार:** उन्नाव-लालगंज हाईवे पर लोडर चालक व टोलकर्मियों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद एक युवक से कई लोग मारपीट करते दिख रहे जिन्हें टोल कर्मी बताया जा रहा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ। हालांकि अमृत विचार ऐसे किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर बीघापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित अकवाबाद गांव के बाहर बने टोल प्लाजा पर लोडर चालक व टोल कर्मियों का विवाद हो गया। इसके बाद कई टोल कर्मियों ने युवक पर गाली देने का आरोप लगा उसे घेर लिया और उससे मारपीट भी की। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वहीं क्षेत्रीय नागरिकों ने भी टोल मैनेजर व कर्मियों पर अक्सर वाहन चालकों से अभद्रता करने के आरोप लगाए। बताते हैं कि कई मामलों की शिकायत भी पुलिस तक पहुंची लेकिन कार्रवाई न होने से इनके हौसले बढ़ गए। एक सप्ताह पूर्व बैसवारा किसान यूनियन ने भी शिकायती पत्र देकर टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे।

विजेताओं को पुरस्कृत करते विधायक व अन्य। अमृत विचार

### खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए किया प्रेरित

**बांगरमऊ, उन्नाव :** युवा कल्याण विभाग द्वारा गांव रूरी सादिकपुर स्थित स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत विधायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विधायक श्रीकांत कटियार ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। विधायक ने खिलाड़ियों को खेलभावना, अनुशासन व मैदान पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सब-जूनियर कबड्डी (बालिका वर्ग) विजेता गांव परशुरामपुर टीम, बैडमिंटन (जूनियर वर्ग) की विजई उमा सिंह, वॉलीबॉल (सब-जूनियर वर्ग) की विजेता बांगरमऊ टीम, 800 मीटर दौड़ (सब-जूनियर वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त अभिषेक, द्वितीय स्थान पर रामजी व तृतीय स्थान के विजेता अमित, 100 मीटर दौड़ (जूनियर वर्ग) प्रथम स्थान प्राप्त सुमित, द्वितीय स्थान कौशल, तृतीय स्थान लक्ष्य पटेल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी सचिन सिंह, विकास रावत ने किया। संयोजन ललित द्विवेदी व अशुतोष सिंह (आशू) ने किया। व्यवस्था में पीआरडी जवान रामाकांत त्रिपाठी, हिमांशु सिंह, सुसेंद्र कुमार, मदन आदि ने संभाली।

### पूर्व सांसद ने अग्नि पीड़ित को भेजी राहत सामग्री

राहत सामग्री देते विवेक शुक्ला व अन्य। अमृत विचार

**उन्नाव, अमृत विचार :** फतेहपुर चौरासी ब्लॉक के गांव महाभाइन खेड़ा में राम सजीवन रावत के घर चूल्हे में खाना बनाते समय भीषण आग लग गई। इससे पूरा घर जलकर नष्ट हो गया। खाने-पीने का सारा सामान स्वाहा हो गया। इसकी जानकारी होने पर सपा राष्ट्रीय सचिव व पूर्व सांसद अन्नू टंडन को मिली तो उन्होंने तत्काल परिवार को राहत पहुंचाने का निर्णय लिया। सपा नेता विवेक शुक्ला मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को राशन सामग्री, दैनिक उपयोग की वस्तुएं व जरूरी सहायता सामग्री सौंपकर बताया कि अन्नू टंडन ने राहत सामग्री भेजी है। राम सजीवन रावत के परिजनों ने बताया कि उन्होंने कई जन प्रतिनिधियों से संपर्क किया मगर कोई राहत सामग्री नहीं मिली। उन्होंने अन्नू टंडन का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विजय द्विवेदी एडवोकेट, उमाशंकर मिश्रा, अजय लोधी, अशोक रावत, विजय गौतम, सुनील प्रजापति, रमेश त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

### बच्चों ने खेल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

**उन्नाव, अमृत विचार :** पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन वामा सारथी द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में पुलिस कर्मियों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वामा सारथी की अध्यक्ष नीतू सिंह के नेतृत्व में पुलिस लाइन मैदान में शुक्रवार को हुई खेलकूद प्रतियोगिता में लाइन में रहने वाले पुलिस कर्मियों के बच्चों ने दौड़, म्यूजिकल चेयर, फैंसी ड्रेस आदि प्रतिस्पर्धा में बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसकी लोगों ने सराहना की। वामा सारथी की अध्यक्ष ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं से बच्चों को खेलकूद के माध्यम से स्वस्थ व सक्रिय रखने के साथ उनमें छिपी प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलेगा। अंत में प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान आरआई अब्दुल रशीद, सचिन राय, महिला आरक्षी संयोगिता शुक्ला और कोमल शर्मा आदि मौजूद रहे।

### धूमधाम से मनाई विद्यालय की सिल्वर जुबली

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते बच्चे। अमृत विचार

**बांगरमऊ, उन्नाव :** उन्नाव मार्ग स्थित सेंट एलोशियस स्कूल में गुरुवार शाम विद्यालय की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सिल्वर जुबली समारोह आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार ने कहा कि विद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व संस्कारों का अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। विधायक ने विद्यालय की शैक्षिक व सांस्कृतिक उपलब्धियों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अनुशासन, नैतिकता और सेवाभाव अपनाने की अपील की। विद्यालय प्रबंधक एल्विन मॉरेस ने प्रधानाचार्य विपिन बिलंग व हेड सिस्टर सीमा लोबो की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानाचार्य का संतुलित नेतृत्व, अनुशासन प्रियता, दूरदर्शिता व प्रशासनिक क्षमता ने छात्र-छात्राओं के नैतिक और आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके पूर्व अंशिका गुप्ता, प्रियांशी मिश्रा, आरती देवी, ओम दीक्षित, अद्यांशी, पियूष शुक्ला, नव्या गुप्ता, अरहम उल्ला, अक्षरा बाजपेई, अपेक्षा, वर्तिका, अथर्व व वंश जायसवाल आदि छात्र-छात्राओं द्वारा सिल्वर स्टेप्स आफ सेलिब्रेशन, ग्रेस इन एवरी स्टेप्स, छोटे दिल बड़े सपने, वन नेशन वन मेनी कल्चर्स व योग दर्शन सहित एक दर्जन प्रस्तुतियों में यादगार भूमिका निभाई। अंत में विद्यालय प्रशासन द्वारा पूर्व प्रधानाचार्य फादर ग्रेगरी परेरा व प्रवीण क्वाड्रस व विजय क्रास्टा को स्मृतिचिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया किया।

**सांस लेना मुश्किल** | **जिम्मेदार कर रहे नियमों का उल्लंघन**

# नपा के सफाईकर्मी धड़ल्ले से जला रहे कूड़ा

- मॉर्निंग वॉकर्स, बच्चों और दफ्तर जाने वालों को हो रही परेशानी

शुभम निगम, उन्नाव

कूड़ा जलाता सफाई कर्मी। अमृत विचार

**अमृत विचार:** नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही व सफाई कर्मियों की मनमानी शहर की हवा में ज़हर घोल रही है। जहां एक ओर देश भर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण की बात हो रही है वहीं नगर पालिका उन्नाव के सफाई कर्मी शहर की सड़कों पर झाड़ लगाने के बाद एकत्र कूड़े को सड़क पर ही खुलेआम आग लगा रहे हैं। यह नियमों का उल्लंघन के साथ शहरियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी है।

बता दें कि प्रतिदिन सुबह जब बड़ी संख्या में लोग मॉर्निंग वॉक पर निकलते हैं व स्कूली बच्चे बस या वैन का इंतज़ार करते हैं और दफ्तर जाने वाले लोग गंतव्य की ओर बढ़ते हैं तब उन्हें इस जहरीले धुएं का सामना करना पड़ता है।

नगर पालिका कर्मियों द्वारा कूड़ा जलाने से निकलने वाला जहरीला धुआं हवा में फैल जाता है जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आखों में जलन व फेफड़ों से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि कूड़ा जलाने की यह प्रक्रिया हर दिन सुबह 6 से 8 बजे के बीच होती है। जिससे सुबह की ताज़ी हवा पूरी तरह प्रदूषित हो जाती है। मॉर्निंग वॉक पर निकले अतुल गुप्ता ने बताया कि सुबह की सैर स्वास्थ्य के लिए होती है लेकिन यहां धुआं इतना अधिक होता है कि मास्क लगाने के बावजूद घुटन होती है। बच्चों को स्कूल भेजना भी मुश्किल हो गया है।

लोगों का कहना है कि न केवल सड़क पर कूड़ा जलाने वाले कर्मियों पर जुर्माना लगाया जाए बल्कि नगर पालिका को कूड़े के संग्रह व निस्तारण के लिए डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया जाए। ताकि लोगों को प्रदूषण मुक्त हवा में सांस लेने का अधिकार मिल सके।

### डंपर में पीछे से टकराई बाइक, युवक की मौत

**हसनगंज, उन्नाव :** लखनऊ से काम से वापस आते समय खड़े डंपर में पीछे से तेज रफ्तार बाइक भिड़ने से युवक गंभीर घायल हो गया। जिसे सीएससी हसनगंज लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के निंदेमऊ गांव निवासी नीरज कनौजिया पुत्र राजेपाल लखनऊ में आसरा स्टेट में प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। जिसका घर से रोज लखनऊ आना जाना था। शुक्रवार देरशाम वह लखनऊ से वापस घर आ रहा था। तभी नेवलगंज के पास सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से उसकी बाइक भिड़ गई। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनगंज पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होने पर माता उर्मिला सहित छोटे भाई राहुल व दो बहनों का हाल बेहाल है।

# अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शनिवार, 29 नवंबर 2025


## सुविचार

सारा जगत स्वतंत्रता के लिए लालायित रहता है फिर भी प्रत्येक जीव अपने बंधन को प्यार करता है। यही हमारी प्रकृति की पहली दुरूह ग्रंथि और विरोधाभास है। - श्री अरविंद

### कानपुर के प्रमुख समाचार


- 42.50 लाख खातों में भेजे, मिले सिर्फ 2200 रुपये-II
- विकास का प्रकाश फैलाकर गए श्रीप्रकाश-III
- तकनीकी नवाचार और शोध समय की जरूरत-IV


**आज का मौसम**

आसमान साफ रहने के साथ धूप खिली रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में गिरावट के आसार हैं।

| अधिकतम तापमान | न्यूनतम तापमान |
|---|---|
| 26.2⁰ | 07.4⁰ |

| सूर्योदय | सूर्यास्त |
|---|---|
| 06:38 | 05:16 |


**अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.**

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999


# रामादेवी हाईवे पर स्लीपर बस में आग, 45 यात्री बचे

## दिल्ली से बाईपास होते हुए वाराणसी जा रही थी प्राइवेट बस, छत पर रखे सामान से शुरू हुई आग पूरी बस में फैल गई, हाहाकार

**हादसा**

कार्यालय संवादाता, कानपुर

**अमृत विचार।** दिल्ली से वाराणसी जा रही एक प्राइवेट स्लीपर बस में रामादेवी हाईवे पर भीषण आग लग गई। घटना के समय बस में 45 यात्री सवार थे जिनमें चीख-पुकार मच गई। उन्होंने किसी तरह बस से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। सिपाहियों ने यात्रियों को बचाने में मदद की और एक बड़ा हादसा बचा लिया।

शुक्रवार सुबह लगभग 10.45 बजे रामादेवी में हाईवे पर स्लीपर बस आग का गोला बन गई। आग लगते ही बस का चालक चिल्लाया, जल्दी उतरो, बस में आग लग गई है तो पुरुष यात्री बस से नीचे कूद गये लेकिन कई महिलाएं बस के अंदर फंस गयीं जिनका बुरा हाल हो गया। बस के अंदर चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। बस में आग की लपटें देखकर रामादेवी चौराहे पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक सिपाही बस की ओर दौड़े और जान पर खेलकर यात्रियों की जान बचाई। ऐसा समझा जाता है कि बस के ऊपरी भाग में काफी संख्या में पार्सल रखा हुआ था जिसमें आग लगी। घटना की जानकारी होते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा की अगुवाई में आधा दर्जन दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया लेकिन पूरी बस खास हो गई।

रामादेवी हाईवे पर स्लीपर बस में भड़क रहे शोले। अमृत विचार

बस में आग लगने के बाद परेशान यात्रियों की भीड़। अमृत विचार

### बस के ऊपर रखा था काफी सामान, वहीं लगी आग

गोरखपुर के रहने वाले यात्री सुरेंद्र कुमार ने बताया कि यात्रियों का सारा सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली के वाराणसी जा रहे थे। बस में काफी भीड़ थी। बस के ऊपर काफी सामान रखा था, उसी में आग लगी और फैल गई।

- एक शादी समारोह में दिल्ली से मिर्जापुर जा रही पुष्पा देवी ने बताया कि बस चालक चिल्लाया कि बस में आग लग गई है तो सभी लोग बसे नीचे उतरने लगे लेकिन बस का गेट भी आग की गिरफ्त में था जिससे शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया।
- दिल्ली से प्रयागराज इसी में सफर कर रहे मंजीत ने बताया कि अचानक से बस का चालक चिल्लाने लगा कि सब लोग जल्दी बाहर निकलो। कुछ यात्री चिल्लाये कि क्या हुआ तो चालक बोला कि बस में आग लग गई है। उन्होंने बताया कि उनका सामान और 20 हजार रुपये भी जल गए।

### सिपाहियों ने बचाई जान, आपातकाल द्वार नहीं खुला

- रामादेवी चेकपोस्ट पर ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही पुष्पेंद्र कुमार और साहिल कुमार ने बताया कि बस में आग की लपटें निकलते देखीं तो वे बस की ओर दौड़े। उन्होंने बताया कि पूरी बस आग की गिरफ्त में थी और आपातकाल द्वार नहीं खुल रहा था, शीशे भी नहीं टूट रहे थे और एक बच्चा बस के अंदर फंसा था जिसे बचाने के लिए दोनों सिपाहियों ने जान पर खेलकर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला।

- बस के अंदर मची चीख-पुकार यात्रियों ने किसी तरह कूदकर बचाई जान
- कई यात्रियों का कीमती सामान और रुपये तक जल गए, मुश्किल से बच सकी जान

बस में यात्रियों की जान बचाने के वाले ट्रैफिक सिपाही पुष्पेंद्र कुमार और साहिल कुमार।

### उत्तर प्रदेश में स्लीपर बसों में कुछ बड़े हादसे

- **26 अक्टूबर 2025 :** दिल्ली से गोंडा जा रही डबल डेकर बस में भीषण आग लगी। ग्रामीणों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया।
- **15 मई 2025 :** किसान पथ के फ्लाईओवर लखनऊ से रायबरेली जा रही प्राइवेट बस में आग लगी। इस बस में 80 से यात्री मौजूद थे, हादसे के चलते दो बच्चों समेत 5 यात्रियों की मौत हो गयी।
- **11 मार्च 2024 :** गाजीपुर में 38 बारातियों को लेकर जा रही बस 11 केवी हाईटेंशन बिजली के तार से टकरा गई जिससे बस में आग लग गई। 5 यात्रियों की जलकर मौत हो गयी।
- **14 फरवरी 2022 :** मथुरा बस अड्डे पर 50 से अधिक यात्रियों से भरी परिवहन बस खड़ी थी जिसमें अचानक आग लगी जिससे 1 यात्री की जलने से मौत हो गई।
- **10 जनवरी 2020 :** कन्नौज में जीटी रोड पर एक बस शोलों में तब्दील हो गयी जिसमें 20 यात्रियों की जलकर मौत हो गयी जबकि 25 से अधिक यात्री बुरी तरह झुलस गये।
- **25 मार्च 2019 :** आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग लगी जिससे 4 लोगों की मौत हो गयी।
- **9 दिसंबर 2008 :** मथुरा से सुल्तापुर जा रही एक बस में फिरोजाबाद के पास आग लगी। ये आग इतनी भयानक थी कि 63 यात्रियों की मौत हो गयी थी।

## सिटी ब्रीफ

### बांदा स्टेशन के पास दोहरीकरण के चलते कई ट्रेनें रद्द

**कानपुर।** झांसी –मानिकपुर रेलखंड पर खुरहंड-डिंगवाही-बांदा स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के चलते नॉन-इंटरलॉकिंग किया जा रहा है, जिसके चलते कई गाड़ियों को निरस्त रहेंगी। गाड़ी संख्या 11801 ग्वालियर से प्रयागराज 11 दिसंबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 11802 प्रयागराज से ग्वालियर 11 दिसंबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 14109/14110 चित्रकूट कर्वी से कानपुर सेंट्रल स्टेशन के मध्य संचालित होने वाली गाड़ी 11 दिसंबर 2025 को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 64601/64602 मानिकपुर से कानपुर के मध्य मेमू ट्रेन है जो 11 दिसंबर को रद्द रहेगी।

### ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस 3 से 28 दिसंबर तक रद्द

**कानपुर।** तकनीकी कारणों से गाड़ी संख्या 04137 ग्वालियर से बरौनी (प्रत्येक बुधवार एवं रविवार) तक चलने वाली एक्सप्रेस 3 दिसंबर से 28 दिसंबर तक निरस्त रहेगी। इसी प्रकार बरौनी से ग्वालियर तक चलने वाली गाड़ी संख्या 04138 (प्रत्येक गुरूवार एवं सोमवार) 4 दिसंबर 2025 से 29 दिसंबर 20-25 से रद्द रहेगी।

### सांची स्टेशन पर ट्रेनों को ठहराव

**कानपुर।** सांची स्टेशन के निकट सांची स्तूप पर चेतीयागिरी विहार महोत्सव का आयोजन होगा जिसमें भक्तों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने 29 व 30 नवंबर को सांची रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों को 2 मिनट का ठहराव दिया है। गाड़ी संख्या 12615 मद्रास-नई दिल्ली को 29 नवंबर को सांची स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव मिलेगा। गाड़ी संख्या 12616 नई दिल्ली-मद्रास को 29 नवंबर को सांची स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव मिलेगा।

स्लीपर बसों में ट्रकों की तर्ज पर लदा माल अमृत विचार

मनमानी से माल लादते हैं बस वाले। अमृत विचार

# रामादेवी का जाम पहुंचा सचेंडी तक 20 किमी तक वाहनों की कतार लगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दिल्ली हाईवे, प्रयागराज, सागर हाईवे, लखनऊ हाईवे पर यातायात ध्वस्त
- भौंती, चकेरी, नौबस्ता, बर्रा समेत कई क्षेत्रों में फंसे हजारों छोटे बड़े वाहन

**अमृत विचार।** शुक्रवार की सुबह रामादेवी में स्लीपर बस में आग लगने के बाद प्रयागराज, दिल्ली और लखनऊ हाईवे पर भीषण जाम लग गया। घटना के चलते दोपहर तक 20 किमी से भी अधिक लंबे जाम में छोटे बड़े वाहन उलझे रहे। इस जाम में कई एंबुलेंस भी फंसी रहीं।

बस हादसे के बाद ट्रैफिक पुलिस को दिल्ली हाईवे, लखनऊ हाईवे, प्रयागराज और सागर हाईवे का यातायात रोकना पड़ा। दिल्ली हाईवे का जाम भौंती के भी आगे सचेंडी तक पहुंच गया जिससे इटावा की ओर से आ रहे हजारों वाहन दोपहर तक फंसे रहे। इस दौरान हमीरपुर की ओर से आ रहे हजारों की संख्या में गिट्टी, मौरंग लदे ट्रकों का भी सागर हाईवे पर जाम लग गया जिससे ये जाम माधवबाग तक पहुंच गया। इसी प्रकार लखनऊ हाईवे पर भी गंगापुल पर भीषण जाम लगा। लखनऊ हाईवे पर हजारों की संख्या में वाहन फंसे रहे। सैकड़ों वाहनों ने उन्नाव से मरहला चौराहा, सरैया क्रासिंग, गंगा बैराज होते हुए आगे का सफर तय किया। इसी प्रकार महाराजपुर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। दोपहर में क्रेन से जली बस को हाईवे से हटाकर किनारे की ओर किया गया, तब जाकर हाईवे का जाम खुला।

क्रेन से जली बस को हटाया गया। अमृत विचार

# मिलीभगत से मौत बनकर दौड़ रहीं स्लीपर बसें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ज्यादातर चालकों को हाईटेक बसों के उपकरणों की जानकारी तक नहीं
- कानपुर से 2-2 हजार किमी दूर तक का सफर तय कर रहीं हैं स्लीपर बसें

**अमृत विचार।** रसूख, जुगाड़ और विभागों की मिलीभगत से पूरे देश में प्राइवेट स्लीपर बसें मौत का सफर तय करा रही हैं। आंकड़े उठाकर देखे जाएं तो हर साल दर्जनों यात्रियों की जान ये बसें ले रही हैं लेकिन उसके बाद भी इन बसों पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय हल्की कार्रवाई करके वरदान दे दिया जाता है।

कानपुर में फजलगंज, झकरकटी बस अड्डा, टाटमिल, रामादेवी, पनकी, झककरटी बस अड्डा, अफीम कोठी, नौबस्ता समेत दर्जनों प्वाइंट इन प्राइवेट स्लीपर बस वालों ने बना रखे हैं जहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्रियों को कैच करके उन्हें कई प्रांतों तक पहुंचाने का काम होता है। कानपुर से दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर, बालाजी, भीलवाड़ा, सूरत, पटना, गोरखपुर, सोनौली समेत विभिन्न प्रांतों के सैकड़ों जिलों तक ये स्लीपर बसें दौड़ रही हैं। कानपुर से 2000-2000 किमी का सफर स्लीपर बसें तय करती हैं।

**स्लीपर बसों में टैक्स से बचाने को करोड़ों का खेल :** प्राइवेट स्लीपर बसों को यात्रियों की जरूरत नहीं होती है। यही कारण है कि ये बसें अपने निर्धारित समय पर चल देती हैं। इन स्लीपर बसों में नीचे की ओर लगभग एक ट्रक वाला बाक्स बना रहता है। ये पूरा बाक्स माल से फुल रहता है और फिर बस के ऊपरी भाग में भी करोड़ों का माल रहता है। बसों को इन माल से प्रतिदिन करोड़ों की कमाई है क्योंकि इनकी सेटिंग ऐसी होती है कि कोई टैक्स नहीं देना पड़ता है। इसलिए ये यात्रियों की आड़ में गैरकानूनी तरीके से माल ढोती हैं।

# यूपीसीडा में औद्योगिक व कामर्शियल भूखंड

**जरा ध्यान दें** | कानपुर और आसपास के शेयर धारकों के पास क़रीब 50 हजार फिजिकल फोलियो होने का अनुमान

# डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट के नियमों में बदलाव का रखा प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) की ओर से औद्योगिक व कामर्शियल भूखंड खरीदने का मौका है। यह भूखंड अमेठी, बुलंदशहर, हरदोई, लखनऊ, मथुरा और सहारनपुर सहित कई प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में हैं। व्यावसायिक भूखंड भी नीलामी के लिए भी मौजूद हैं, जिनमें वेयरहाउसिंग (औरैया), नर्सरी स्कूल (अमेठी) और डिस्पेंसरी (अमेठी) शामिल हैं।

यूपीसीडा की ओर से बताया गया कि भूखंडों के लिए मेगा ई-नीलामी आयोजित की जा रही है। यह ई-नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, ऑनलाइन और निवेशकों के लिए सरल एवं सुगम बनाई गई है। इस मेगा ई नीलामी के लिए पंजीकरण एवं दस्तावेज़ डाउनलोड 24 नवंबर 2025 से शुरू हो चुका है। कैटलॉग, प्रोसेसिंग फीस एवं ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर निर्धारित की गई है। ऑनलाइन दस्तावेज़ अपलोड करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर है, जबकि ऑनलाइन ई-बिडिंग 15 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। निवेशक ई-नीलामी की जानकारी के लिए यूपीसीडा का नीलामी पोर्टल https://upsida.project247.in/—पर विजिट कर सकते हैं। इसके अलावा औद्योगिक भूखंडों के आवंटन के लिए 'निवेश मित्र पोर्टल' पर भी आवेदन उपलब्ध है। इस ई-नीलामी के माध्यम से निवेशकों को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के द्वारा औद्योगिक भूखंड प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

# डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट के नियमों में बदलाव का रखा प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** निवेशकों के लिए प्रक्रिया आसान बनाने और कागजी झंझटों को खत्म करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है।

इसके लिए सेबी ने एक विस्तृत कंसल्टेशन पेपर जारी किया है, जिसमें दस्तावेज़ों को सरल, एकरूप और निवेशक हितैषी बनाने पर फोकस किया गया है। इस मामले में सेबी ने सार्वजनिक सुझाव 16 दिसंबर तक आमंत्रित किए हैं।

शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सेबी ने जून 2025 की मास्टर सर्कुलर में डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया तय की थी। इसके बावजूद निवेशकों से लगातार यह शिकायत मिल रही थी कि अलग-अलग कंपनियां और आरटीए (रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट) दस्तावेजों के अलग-अलग फॉर्मेट मांगते हैं। इसके अलावा एफआईआर, हलफनामा, इंडेम्निटी बॉन्ड और विज्ञापन जैसी प्रक्रियाएं बेहद जटिल हैं। इसके अलावा एक और दिक्कत यह है कि छोटे निवेशकों के लिए स्टांप पेपर और अलग-अलग फॉर्मेट का झंझट बेवजह बोझ बन जाते हैं। सेबी को लगातार सुझाव मिल रहे थे कि दस्तावेज़ मानकीकरण की अत्यधिक जरूरत है। सेबी ने निवेशकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन बड़े सुधार सुझाए हैं।

राजीव सिंह।

**पहला सुझाव: 5 लाख की सीमा 10 लाख करना**

- अबतक, यदि शेयरों का मूल्य 5 लाख से कम है, तो निवेशकों को एफआईआर कॉपी और अखबार में विज्ञापन नहीं देने पड़ते थे। सेबी का प्रस्ताव है कि यह सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख की जाए क्योंकि मार्केट कैप और निवेशकों की औसत होल्डिंग तेजी से बढ़ी है साथ ही यह नियम मौजूदा बाजार के अनुरूप नहीं है। छोटी होल्डिंग वाले निवेशकों को इससे राहत मिलेगी।

**तीसरा सुझाव: अब कंपनी जारी करेगी, निवेशक नहीं**

- वर्तमान प्रैक्टिस में कई कंपनियां निवेशकों की ओर से विज्ञापन प्रकाशित करती हैं जबकि कई कम्पनियां निवेशकों को विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए बोलती हैं। प्रस्तावित बदलाव में सेबी ने यह सुझाव दिया है कि अखबार में विज्ञापन अब कंपनी ही देगी। इससे निवेशकों पर अतिरिक्त खर्च और समन्वय का बोझ कम होगा।

**दूसरा सुझाव: एक ही कॉमन फॉर्म**

- मौजूदा समय में निवेशक को हलफनामा और इन्डेम्निटी बांड दोनों अलग-अलग स्टांप पेपर पर देने पड़ते हैं। सेबी का प्रस्ताव है कि एक ही मानकीकृत फॉर्म पूरे देश में लागू किया जाए साथ ही जिस राज्य में निवेशक रहता है, उसी राज्य के स्टाम्प एक्ट के अनुसार स्टांप ड्यूटी लगे।

### 10 लाख के शेयर पर क्या होगा

यदि शेयर का मूल्य 10 लाख से अधिक है, तो निवेशक को कॉमन हलफनामा और इन्डेम्निटी बांड के साथ एफआईआर की कॉपी देना होगा जबकि कंपनी को 'लॉस ऑफ सिक्योरिटीज़' का विज्ञापन एक व्यापक प्रसार वाले अखबार में प्रकाशित करना होगा। सेबी ने स्पष्ट किया है कि डुप्लीकेट सर्टिफिकेट अब अनिवार्य रूप से डीमैट में ही जारी होंगे। सेबी के अनुसार, सर्कुलर जारी होते ही नियम तुरंत प्रभावी होंगे।

### निवेशकों को होगा लाभ

इनसे निवेशकों को कई लाभ हासिल हो सकेंगे। इनमें प्रक्रिया का तेज और सरल होना, दस्तावेज़ों की संख्या का घटना, अनावश्यक खर्च (स्टांप, विज्ञापन) कम होगा और डिमैट मोड के कारण सुरक्षा बढ़ेगी।

## सिटी ब्रीफ

### 960 परीक्षार्थी अनुपस्थित

**कानपुर।** सीएसजेएम विश्वविद्यालय की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में शुक्रवार को 30,189 परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिसमें 13,358 छात्र एवं 16831 छात्रायें थी। 960 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जिसमें 558 छात्र एवं 402 छात्रायें थी। विश्वविद्यालय परीक्षा सातों जनपदों में सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं को संचालित कराने के लिए पर्यवेक्षक की भी नियुक्ति की गई थी। जिनके द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित रहकर परीक्षायें सम्पन्न कराई गई।

### बागवानी से बढ़ाएं आय

**कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान इस दौरान बागवानी फसलों द्वारा फसल विविधिकरण व आय वृद्धि विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में बागवानी संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार शुक्ला ने कृषकों को बागवानी पौधों के रोपण की विधि के बारे में जानकारी दी। कहा कि फलों, सब्जियों और अन्य फसलों को उगने हेतु विशिष्ट वातावरण की आवश्यकता होती है।

### शहर में बढ़ी ठंड

**कानपुर।** शुक्रवार को कानपुर प्रदेश में दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। सीएसए के मौसम विशेषज्ञों ने शहर का न्यूनतम पारा 7 .4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया। अधिकतम पारा 26 .2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

### पूर्व प्राचार्य को कोर्ट ने किया तलब

**कानपुर।** चरित्र-प्रतिष्ठा पर झूठे बयानों से जानकर नुकसान पहुंचाने के मामले में कोर्ट ने जीएसवीएम की पूर्व प्राचार्य डॉ. आरती लाल चंदानी को तलब किया है। डॉ. परवेज खान ने पांच साल पहले क्रिमिनल डेफेमेशन दाखिल किया था। मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई 15 दिसंबर तय की है। जीएसवीएम की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. परवेज खान ने अगस्त 2020 में क्रिमिनल डेफेमेशन दाखिल किया था। मामला डॉ. आरती लाल चंदानी के कार्यकाल का है, जब वह जीएसवीएम की प्राचार्य थीं। उसी दौरान कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर एक वैकेंसी निकली। आरोप है कि प्राचार्य ने सभी आवेदकों को फेल कर एक सीनियर रेजीडेंट को नियुक्त करने की बात कही। डॉ. परवेज के अनुसार उन्होंने मना कर दिया। जिसके बाद उनके खिलाफ साजिश हुई। आरोप लगा कि वह छात्रों को उत्तीर्ण व अनुत्तीर्ण करने का पैसा मांगते हैं।

# 42.50 लाख खातों में भेजे, मिले सिर्फ 2200 रुपये

## पॉवर ग्रिड कारपोरेशन से सेवानिवृत्त इंजीनियर को डिजिटल अरेस्ट किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- साइबर सेल ने शुरू की जांच खातों के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश

**अमृत विचार।** पॉवर ग्रिड कारपोरेशन से सेवानिवृत्त बर्रा के इंजीनियर राजेंद्र प्रसाद सिंह से जिन पांच खातों से साइबर शातिरों ने 42.50 लाख रुपये ट्रांसफर कराए। जांच में साइबर सेल टीम को उन खातों में सिर्फ 2200 रुपये ही मिले हैं। पुलिस उन खाताधारकों का ब्यौरा जुटाकर साइबर ठगों की तलाश में जुटी है।

जूही कला के डब्ल्यू टू स्थित शिवम इन्क्लेव अपार्टमेंट में रहने वाले पॉवर ग्रिड कारपोरेशन से सेवानिवृत्त इंजीनियर राजेंद्र प्रसाद सिंह को साइबर ठगों ने बीती सात से 26 अगस्त तक डिजिटल अरेस्ट रखकर अलग-अलग पांच खातों में रुपये आरटीजीएस कराए थे। शातिर ने खुद को सीबीआई में तैनात आईपीएस अधिकारी बताया था। व्हाट्सएप वीडियो कॉल करके पहले जेट एयरलाइंस के संस्थापक नरेश गोयल के मनी लान्ड्रिंग मामले में उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल होना बताया गया, फिर इंजीनियर को डराया-धमकाया। कहा कि आधार कार्ड का प्रयोग करे खाते खुलवाए गए हैं, जिस मनी लान्ड्रिंग में इस्तेमाल किया गया है। इसके बाद 19 दिन डिजिटल अरेस्ट के दौरान जेल जाने का डर दिखाया गया। फिर 11 से 21 अगस्त के बीच पांच खातों से कुल 42.50 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए गए। जिसमें 24 लाख रुपये मुंबई की एक कंपनी के चालू खाते में ट्रांसफर हुए। बाकी रकम बचत खातों में आरटीजीएस हुई। एडीसीपी दक्षिण योगेश कुमार ने बताया कि जिन पांच खातों में रुपये ट्रांसफर हुए। साइबर सेल को जांच में उन खातों में केवल 2200 रुपये ही मिले हैं। फिलहाल खातों को होल्ड करवा दिया गया है। खाताधारकों के बारे में बैंक से जानकारी जुटाई जा रही है, जिससे साइबर ठगों की तलाश हो सके।

## शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर कारोबारी से 11.50 लाख रुपये ठगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कारोबारी से 10 बार में पांच खातों में ट्रांसफर कराई गई पूरी रकम
- वाट्सएप ग्रुप से जोड़कर न्यूवाप्रो एप मोबाइल पर डाउनलोड कराया

**अमृत विचार।** शातिर साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के साथ एपीके फाइल, व्हाट्सएप ग्रुप और निवेश में अच्छे मुनाफे का झांसा देकर खातों से मोटी रकम पार कर रहे हैं। गुरुवार को सेवानिवृत्त इंजीनियर 42.50 लाख का फ्राड के बाद शुक्रवार को शेयर मार्केट में निवेश और अच्छे लाभ का झांसा देकर हनुमंत विहार में कारोबारी से 11.50 लाख ठगने का मामला सामने आया है। कारोबारी से 10 बार में पांच खातों में रकम ट्रांसफर कराई गई।

हनुमंत विहार के केशवनगर निवासी पुष्पेंद्र प्रकाश इलेक्ट्रानिक उत्पाद के कारोबारी हैं। पुष्पेंद्र ने बताया कि बीती छह जुलाई को इंटरनेट पर एक विज्ञापन के माध्यम से उन्हें वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में उन्हें शेयर मार्केट में निवेश के लिए कहा गया। मैसेज से ही निवेश कर ठीक मुनाफे का लालच दिया। इसके बाद भरोसा दिलाने पर वह ठगों के झांसे में आ गए। इसके बाद उन्हें न्यूवाप्रो एप मोबाइल पर डाउनलोड कराया।

इसके बाद पांच से 11 अगस्त के बीच अलग-अलग पांच खातों में उन्होंने 11.50 लाख रुपये निवेश किए। इतना ही नहीं व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से रोजाना बताया जाता था कि किस शेयर को कब खरीदना और बेचना है। ऐसे चलता रहा। फिर अच्छे मुनाफा मिलने का अवसर देखकर उन्होंने रुपये निकालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। ठगों ने 17 लाख रुपये और निवेश करने को कहा। बताया कि रुपये निवेश करने पर उन्हें और ज्यादा रिटर्न मिलेगा। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ। जब निवेश नहीं किया तो उन्हें ग्रुप से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद उन्होंने तत्काल साइबर सेल और पुलिस को सूचना दी। हनुमंत थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित कारोबारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ठगी से साइबर सेल को अवगत कराया गया है। साइबर सेल की मदद से रुपये वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं। जिन खातों में रकम भेजी गई उनके बारे में पता किया जा रहा है।

## ट्रेन के आगे कूदकर महिला ने दी जान

**कानपुर।** गोविंदनगर में झांसी लाइन पर महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। लापता महिला की तलाश में जुटे परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव की शिनाख्त की। परिजनों ने घरेलू कलह और दिमागी उलझनों के चलते यह कदम उठाने की बात कही है। पति का आरोप है कि महिला ने चार दिन पहले पुलिस चौकी में पारिवारिक कलह की तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

दादानगर निवासी वीरेंद्र कुमार की 45 वर्षीय पत्नी दुर्गारानी कई माह से अस्वस्थ थी। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार सुबह पांच बजे वह घर से लापता हो गई थी। सुबह सात बजे दबौली वेस्ट और दुर्गा मंदिर के बीच झांसी रेलवे लाइन पर ट्रेन के आगे कूदकर उन्होंने जान दे दी। पति का आरोप है कि अस्वस्थ होने के कारण पत्नी घर का काम नहीं कर पा रही थी, इस पर उसके घरवाले उसे परेशान कर रहे थे। कलह से परेशान होकर पत्नी ने चौकी में शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई न होने पर जान दे दी।

# इंडियन ऑयल डिपो के गेट पर युवक को टैंकर ने रौंद दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** अलग-अलग सड़क हादसों में आर्डिनेंस कर्मी समेत तीन लोगों की जान चली गई। पनकी में इंडियन ऑयल डिपो के गेट पर खड़े युवक को टैंकर ने रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने टैंकर कब्जे में लिया है। इसी तरह किदवईनगर में आर्डिनेंस कर्मी और महाराजपुर में टॉवर टेक्निशियन की हादसे में जान चली गई।

पनकी के शाहपुर निवासी नंद किशोर का 32 वर्षीय छोटा बेटा सुनील कुमार इंडियन ऑयल डिपो में टैंकरों की अनलोडिंग कराने का काम करता था। परिवार में पत्नी शीला देवी और बड़ा बेटा अनिल हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह बेटा पर था, करीब सात बजे वह ऑडल डिपो के गेट के बाहर खड़ा था। तभी डिपो के अंदर जा रहे तेज रफ्तार टैंकर ने सुनील को सीधी टक्कर मारकर रौंद दिया। टैंकर की गति भी तेज थी और चालक बड़ी लापरवाही से चला रहा था। रफ्तार देखकर गेट के सामने खड़े अन्य लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन बेटा चेहरा दूसरी तरफ किए था, इसलिए देख नहीं पाया। उन्होंने बताया कि चार दिन पहले उसकी मौसेरी बहन अर्चना देवी की बर्रा में शादी हुई थी, आज उसे चौथी लेने जाना था।

### मंदिर से लौटते स्कूटी ने टक्कर मारी, मौत

- गोविंदनगर के जेपी कालोनी निवासी 51 वर्षीय राजेश आर्डिनेंस इक्यूपमेंट फैक्ट्री में इलेक्ट्रीशियन थे। परिवार में पत्नी सुनीता, दो बेटी नीशू और पीहू व एक बेटा बउआ है। परिजनों ने बताया कि बीती 23 नवंबर की सुबह वह बाइक से बारादेवी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। मंदिर के पास ही सामने से आ रहे स्कूटी से जोरदार भिड़ंत हो गई थी। हादसे में वह गंभीर रूप राजेश को परिजनों ने हैलट में भर्ती कराया था, जहां शुक्रवार भोर पहर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

### टॉवर टेक्निशियन की हादसे में गई जान

- महाराजपुर में मूलरूप से अयोध्या के रदौली निवासी कृष्ण मदन सिंह का 33 वर्षीय बेटा चंदन सिंह मोबाइल टॉवर में टेक्निशियन का काम करता था। परिवार में उसकी पत्नी शीलू और तीन बच्चे है, दो बेटियां व एक बेटा। साले अमरदीप के अनुसार चंदन काम के सिलसिले में कई जिलो में जाते थे। बुधवार को स्कूटी से जालौन से अयोध्या जा रहे थे। महाराजपुर के पास सामने से आ रहे तेज गति पिकअप ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पहचान पत्र के आधार पर परिजनों को खबर दी।

## प्रेमिका से मिलकर खाया जहर, मौत

**कानपुर।** प्रेमिका की दूसरी जगह शादी तय होने पर उससे मिलने प्रेमी कल्याणपुर गया और वहीं पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी मौत हो गई।

सचेंडी के चंदनामऊ गांव निवासी 21 वर्षीय संदीप राजपूत प्राइवेट नौकरी करता था। पिता राम बहादुर खेती-किसानी के साथ मजदूरी करते हैं। पिता ने बताया कि संदीप तीन भाइयों में बड़ा था। उसका इलाके की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बेटा उसी से शादी करना चाहता था, लेकिन लड़की के घरवाले रिश्ते के विरोध में थे। लड़की के परिजनों ने उसकी शादी कहीं और पक्की कर दी थी। 30 नवंबर को शादी होनी है। इसी बीच बेटे को इसकी जानकारी हो गई और वह 12 नवंबर को युवती से मिलने कल्याणपुर गया, वहीं उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे गंभीर हालत में हैलट ले गए। जहां इलाज के दौरान 15 दिन बाद उसकी मौत हो गई। परिवार का सहारा बने बड़े बेटे की मौत से परिजनों को कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

# व्यापारियों ने बताईं अपनी समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जीएसटी कमिश्नर को ज्ञापन देते व्यापारी। अमृत विचार

**अमृत विचार।** व्यापारियों ने शुक्रवार को व्यापार संबंधी समस्याएं जीएसटी कमिश्नर को बताईं। इस दौरान व्यापारियों ने कमिश्नर को ज्ञापन भी दिया। सात सूत्रीय ज्ञापन में व्यापारियों ने खासतौर पर एक्स पार्टी केस में समय निकलने पर दोबारा सुनवाई करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई।

स्टेट जीएसटी कमिश्नर डॉ नितिन बंसल शुक्रवार को शहर पहुंचे। इस दौरान व्यापारियों ने एक्स पार्टी केस में समय निकलने पर दोबारा सुनवाई करने ,सीधे कुर्की व सीजर मामलो में व्यापारी उद्यमी को समय देने, धारा 129 मे बदलाव होने के प्रस्ताव के साथ अन्य मामलो को भी उठाया। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिला अध्यक्ष गुरुज़िन्दर सिंह व जिला वरिष्ठ महामंत्री मनीष गुप्ता सलोने शामिल रहे। इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि प्रदेश के कई व्यापारी ई-मेल नोटिस न देख पाने या तकनीकी कारणों से नोटिस न मिल पाने के कारण निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो सके। उनके विरुद्ध एक्स पार्टी आदेश पारित हो गए। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप ऐसे सभी मामलों में व्यापारियों को नए सिरे से सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए ताकि वास्तविक पक्ष सुना जा सके। इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिला अध्यक्ष गुरुजिंदर सिंह ने कहा कि कानपुर में जीएसटी ट्रिब्यूनल की स्थापना हो।

### आर्थिक विशेषज्ञ सिमरनजीत ने की मांग

- कानपुर। जीएसटी कमिश्नर के शहर आगमन पर आर्थिक विशेषज्ञों ने भी उनसे कई मामलों पर चर्चा की। इस दौरान 2017 में जीएसटी की एमएससी स्कीम का दायरा दो साल और अधिक बढ़ाए जाने पर फोकस किया गया। कहा गया कि इस स्कीम के तहत ब्याज और जुर्माने की माफी व्यापारियों को मिलती थी। स्कीम की मियाद न बढ़ाने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। सीए सिमरनजीत सिंह ने एसजीएसटी कमिश्नर डॉ. नितिन बंसल से कहा कि इससे विभाग में बढ़े हुए केस में कमी आएगी। केस के कम होने से व्यापारी और विभाग दोनो को राहत मिलेगी। सिमरनजीत सिंह ने जीएसटी अधिकारियों को पहली अपील में रिमांड पावर छोड़ने की मांग भी की। उधर वैट का मामला भी आर्थिक विशेषज्ञों की ओर से उठाया गया। कहा गया कि वैट के दो हजार रुपये या उससे कम का जुर्माना पूरी तरह से माफ किया जाए।

# भाई हमें ले जाओ, दूसरी के चक्कर में मार डालेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

किरन।

**अमृत विचार।** बिठूर में बहन के बुलाने पर जब भाई उसकी ससुराल पहुंचे तो उसका शव फंदे पर लटका मिला और ससुराल के सभी लोग फरार थे। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा। भाइयों के अनुसार दो घंटे पहले ही बहन ने फोन किया था कि हमें आकर ले जाओ, दूसरी औरत के चक्कर में ये हमें मार डालेगा। अवैध संबंध का विरोध करने पर बहुत पीटा है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया।

भवानीपुर गांव निवासी दिनेश राजपूत राजमिस्त्री के साथ टेंट का भी काम करता है। 2014 में उसकी शादी 28 वर्षीय किरन उर्फ मुन्नी से हुई थी। उनके दो बच्चे श्रवण और गोलू हैं। भाई शिवराम और विजय ने बताया कि दोनों बच्चों को पढ़ाने ट्यूशन टीचर आती थी। जिससे दिनेश के संबंध हो गए। एक दिन किरन ने उसे देख लिया तो उसने हंगामा किया। इस पर कई माह पहले ट्यूशन टीचर का घर आना-जाना बंद हो गया था। बच्चे दूसरे से पढ़ने लगे, लेकिन दिनेश उससे बाहर मिलने लगा। टीचर उससे शादी करने को भी तैयार थी, इसलिए दिनेश जरा-जरा सी बात पर आएदिन किरन से मारपीट करने लगा। भाइयों ने बताया कि गुरुवार दोपहर में भी दिनेश ने उसे पीटा था। इसके बाद बहन ने फोन करके बताया, जिसकी रिकार्डिंग उनके पास है। उसने कहा कि भाई आकर हमें ले जाओ, नहीं तो ये दूसरी औरत के चक्कर में हमें मार डालेगा। कह रहा है कि उसी के साथ रहेगा। उसके दो घंटे बाद ही पड़ोसियों ने फोन करके बताया कि किरन की मौत हो गई, उसका शव फंदे से लटका है। जब वह लोग पहुंचे तो पुलिस मौजूद थी। फॉरेंसिक ने जांच की। परिजनों ने हंगामा कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया।

### दोनों बच्चों को लेकर फरार हुए परिजन

- विजय के अनुसार दिनेश का भाई मुकेश, मां सरला दोनों बच्चों को लेकर फरार है। उनका पता नहीं है। परिजनों पुलिस से बच्चों की तलाश की मांग की। पोस्टमार्टम हाउस पर भी किरन के ससुराल पक्ष से कोई नहीं आया तो मायके वाले शव लेकर गए।

## रोहिंग्या व बांग्लादेशियों का बस्ती में सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** कल्याणपुर में इंद्रानगर के झुग्गी-झोपड़ी और आसपास की झोपड़ियों में शुक्रवार को पुलिस ने रोहिंग्या व बांग्लादेशियों को चिह्नित करने का अभियान चलाया। पुलिस ने करीब 50 से अधिक झोपड़ियों में पहुंचकर आधार समेत अन्य कागजातों का सत्यापन किया। आधा दर्जन से अधिक कबाड़ की दुकानों में जांच-पड़ताल के बाद समीप की बस्तियों में भी पूछताछ की। दिल्ली धमाके की आरोपी डॉ. शाहीन का कानपुर से काटेक्ट-कनेक्शन जड़ने के बाद जिले में रोहिंग्या व बांग्लादेशियों का सत्यापन अभियान चालू है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेश के सभी जिलों में चिह्नित करने के आदेश दिए हैं।

इसी क्रम में शुक्रवार को एसीपी कल्याणपुर के नेतृत्व में पुलिस बल ने इंद्रानगर के जुग्गी-झोपड़ी और आसपास की झोपड़ियों में पहुंचकर सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस ने चार दर्जन से अधिक झोपड़ियों में आधार कार्ड चेक किए।


## अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**

मेरे पुत्र मोहम्मद कमाल के पासपोर्ट सं0-V0489973 में त्रुटिवश मेरा नाम FATIMA KHATOON अंकित हो गया है। इसे संशोधित कर मेरा सही नाम FATIMA लिखा व पढ़ा जाये। FATIMA w/o RAHMAT ALI नि0- नदवा कालोनी, महिपत मऊ, लखनऊ

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**

सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट सं0 - L3723952 में मेरे पति का नाम त्रुटिवश ATIQUR RAHMAN अंकित हो गया है। इसे सही कर उनका सही नाम ATEEQUR RAHMAN लिखा व पढ़ा जाये। SUBEENA KHATOON नि0- नदवा कालोनी महिपत मऊ, लखनऊ।

**सूचना**

मैने अपना नाम ATIQUR RAHMAN से बदलकर ATEEQUR RAHMAN रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। पुत्र श्री रहमत अली नि0- नदवा कालोनी, महिपतमऊ, काकोरी, लखनऊ।

**सूचना**

पहले मेरा नाम ABDUL RASHEED था अब मैने बदल कर अपना नाम ABDUR RASHID रख लिया है भविष्य में मुझे ABDUR RASHID के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABDUL GANI R/O -POST MIJHAURA MIJGHAODA MIJHAURA AMBEDKAR NAGAR 224152

**सूचना**

सूचित हो मैं **रामू पुत्र राम सिंह वर्मा व विन्धेश्वरी (पत्नी) निवासी- संत रविदासनगर नगर** 10 नं0 **गली, हजरतगंज लखनऊ,** अपने पुत्र गौरव व पुत्र वधू सुलेखा (दीपिका) के अनैतिक कृत्य से क्षुब्द हूँ, इनके द्वारा किये गये कृत्यों एंव संव्यवहारो से हमारा कोई वास्ता सरोकार नहीं है, इन दोनों का हमारी चल व अचल सम्पत्ती से कोई हिस्सा व वास्ता नही है।

**सूचना**

मैने अपना नाम MOHAMMAD EHTISHAM से बदलकर EHAT RAM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-FARAHAD ADD-GRAM TIRGAWAN, POST-RAHIMABAD, DIST-LUCKNOW-227117 (U.P.)

**सूचना**

मैं **प्रीती देवी पुत्री भौना निवासी लमियारी थाना सरधुवा जिला चित्रकूट** की निवासी हूं। मेरा यू0पी0बोर्ड हाईस्कूल वर्ष 2021 जिसका रोल नं0 2115118 38 की मूल मार्कसीट वास्तव में खो गयी है। मो0 नं0 7228002160 पर सम्पर्क करें, या नजदीकी पुलिस स्टेशन में जमा करे।

**सूचना**

मेरे पुत्र अविरल दिवाकर मिश्र पुत्र अनिल कुमार मिश्र जन्मतिथि 2 जुलाई 2008 निवासी मोहल्ला काशीपुर कस्बा,पोस्ट व कोतवाली रुदौली जनपद अयोध्या का आधार कार्ड नंबर 8147 52 364116 में गलत नाम सबल अंकित है। सही नाम अविरल दिवाकर मिश्रा है। **अनिल कुमार मिश्रा पुत्र श्री दिवाकर मिश्रा मोहल्ला काशीपुर कस्बा पोस्ट रुदौली अयोध्या।**

**सूचना**

सूचित हो कि, मैं Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin पुत्र मोहम्मद इस्लाम, निवासी:- ककरा पोखर, पथरा बाजार, कहारपुरवा, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश-272153 का हूँ, मेरा पूरा सही नाम Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin हैं, त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट में Rafiquddin अंकित हो गया हैं, जो कि यह मेरा नाम घर में पुकारने वाला हैं, मेरे सारे दस्तावेजों पासपोर्ट, पैन कार्ड में मेरा नाम Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin हैं, अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Rafiq Ahmad Urf Rafiquddin अंकित किया जाये।


**क्राइम** | वादी ने कहा, रैकेट में उसकी पत्नी संग पूर्व पुलिस अधिकारी की साली भी शामिल

# हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट के खिलाफ एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- साक्ष्य के तौर पर 17 पन्नों में डिटेल और 55 सेक्स वीडियो क्लिप भी मेंशन किया

**अमृत विचार।** कोहना में उन्नाव के एक व्यक्ति ने हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसका कहना है कि रैकेट में एक पुलिस अधिकारी की साली व उसकी पत्नी भी शामिल है। साक्ष्य के तौर पर उसने 55 वीडियो क्लिप भी दिया। पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच का दावा भी किया है। वादी का कहना है कि दिसंबर 2020 का इस संबंध में प्रार्थना पत्र सूबे के पुलिस मुखिया को भी भेज चुका है। 15 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर में उसने जांच और कार्रवाई कर लड़कियों को रैकेट से बचाने की मांग की है। पुलिस ने अनैतिक व्यापारी (निवारण) अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

उन्नाव के इस व्यक्ति का दावा है कि उसने खुद साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिसकी जांच कराई जा सकती है और कार्रवाई जरूरी है।

दी तहरीर के अनुसार वादी का कहना है कि कानपुर, लखनऊ, आगरा व दिल्ली से लड़कियों को सेक्स रैकेट के माध्यम से भेजा जाता है। इंटरनेट से नाबालिग लड़कियों की डिटेल लेकर दबाल उन्हें बहला-फुसलाकर गर्त में धकेल रहे हैं। ग्राहकों को बुलाने के लिए बेवसाइट का इस्तेमाल होता है, जिस पर अश्लील फिल्म भी रैकेट की लड़कियों की डाली जाती है। यह समाज के घातक है। कई वेबसाइट से कुछ महिलाएं भी लड़कियों को गलत रास्ते पर डाल रही हैं। एक महिला का तो पूरा परिवार इस गलत धंधे में लिप्त है। वादी ने एक अपनी पत्नी व एक पूर्व पुलिस अधिकारी की साली के संलिप्त होने की भी बात कही है।

### मैं खुद एक महिला को जानता

- वादी का कहना है कि वह खुद एक महिला को जानता है। जो कोहना की ही रहने वाली है और उसका नाम भी पता है। उसके अनुसार वह कई साल से इस गर्त में है। उसकी अश्लील फिल्म भी इंटरनेट के माध्यम से देखी जा सकती है। महिला व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ग्राहकों को बुलाती है। लड़कियों को भेजती है। उसका बेटा दिल्ली में रहकर रैकेट का संचालन कर रहा है।

### सभी के अश्लील वीडियो भी सुरक्षित

- 15 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराने वादी का कहना है कि पूर्व पुलिस अधिकारी की साली ने भी एक बड़ा सेक्स नेटवर्क खड़ा कर रखा है। उसके पास चौबेपुर का एक दलाला जुड़ा है। इसके अलावा कानपुर के और लोग भी शामिल हैं। जो कपिल, राम सनेही, गुड्डी, रिंकी, संजय मिश्रा आदि हैं। जो नाम बताए हैं उनके सेक्स वीडियो हमारे भी सुरक्षित हैं। कई को वह शक्ल से जानता है। यह धंधे कोरियर, कपड़ा और बस सेवा की आड़ में चल रहे हैं।

### 17 पन्नों में दी रैकेट की जानकारी

- वादी के अनुसार उसने पुलिस को 17 पन्नों में मोबाइल नंबर, वेबसाइट सहित सेक्स रैकेट से संबंधित सभी जानकारी दी है। जिसे जांचा जा सकता है। अपना नाम भी गोपनीय रखने की बात प्रार्थना पत्र में ही कही है, क्योंकि उसकी पत्नी भी इस रैकेट में शामिल है। रैकेट से खुद की जान का खतरा भी बताया है।

## हादसे रोकने को बेरीकेडिंग लगाएं

**कानपुर।** नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने बगिया क्रॉसिंग से बनाई जा रही सीएम ग्रिड योजना की सड़क का निरक्षण किया। जल निगम द्वारा बिछाई जा रही पाइप लाइन के कार्य को देखा। बेरीकेडिंग लगाए जाने के आदेश दिए। जल निगम के कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की। यह पाया कि जल निगम के अधिकारियों द्वारा स्थल पर अपेक्षित एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिसके कारण कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी है। उन्होंने कार्य के दौरान सभी श्रमिकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु हेलमेट, सेफ्टी जैकेट, ग्लव्स, चेतावनी पट्टिकां आदि सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किए जाने हेतु मुख्य अभियंता सिविल को निर्देशित किया गया।

अमृत विचार
www.amritvichar.com



25 सितंबर 1944 को जन्मे श्रीप्रकाश जायसवाल ने डीएवी कालेज से पढ़ाई की। उन्होंने कानपुर को श्रम शक्ति, उद्योग नगरी जैसी ट्रेनें दीं। इसके साथ ही सीओडी पुल भी उन्हीं की देन है।

# विकास का प्रकाश फैला चले गए श्रीप्रकाश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** श्रीप्रकाश जायसवाल ने कानपुर में विकास के मुद्दे पर सदैव चुनाव लड़ा। शहर के विकास की गाथा उन्होंने बड़ी ही शिद्दत से लिखी। शहर में जाम की समस्या के समाधान, कानपुर से दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के लिए ट्रेनों की सौगात कानपुर शहर को दिलाई। उनका निधन कानपुर के लोगों के लिए बड़ी क्षति है। भले ही कोरोना काल के बाद वे सक्रिय राजनीति से दूर हो गए थे लेकिन शहर के विकास की चिंता उन्हें सदैव रही।

शहर के औद्योगिक विकास, शहरवासियों के आवागमन की सुविधा के लिए श्रीप्रकाश सदैव झूझते रहे। कानपुर से अलीगढ़ तक जीटी रोड को फोर लेन कराने के प्रोजेक्ट को उन्होंने केंद्रीय मंत्री रहते मंजूरी दिलाई। साथ ही चकेरी से प्रयागराज तक और कानपुर से इटावा हाईवे को छह लेने कराने में उनका अहम योगदान रहा। कोयला मंत्री रहते हुए उन्होंने घाटमपुर में 1980 मेगावॉट के पावर प्लांट की स्थापना का प्रोजेक्ट मंजूर कराया और बिल्हौर के डोड़वा जमौली में सोलर पावर प्लांट की परियोजना को स्वीकृति दिलाई। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से श्रमशक्ति एक्सप्रेस को दिल्ली के लिए शुरू कराकर शहर को शानदार सौगात दी थी। तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव को कानपुर लाकर कानपुर से मुंबई के लिए उद्योग नगरी एक्सप्रेस चलवायी। वर्ष 2006 में श्री जायसवाल ने सीओडी पुल का निर्माण कराने की शुरुआत की थी। चकेरी एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए भी उड़ान भी शुरू उन्होंने ही कराई। शिव नारायन टंडन सेतु के निर्माण का श्रेय श्रीप्रकाश जायसवाल को ही जाता है। पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री, गृह राज्यमंत्री व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे श्रीप्रकाश जायसवाल पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व राजीव गांधी के करीबी रहे। श्रीप्रकाश को 2014 में भाजपा के डा. मुरली मनोहर जोशी के सामने हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद फिर वह 2019 में भी कांग्रेस के टिकट पर कानपुर से चुनाव लड़े, लेकिन जीत नहीं सके थे। 2020 में कोरोना काल के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। वर्तमान में लोगों को पहचानने में भी उन्हें दिक्कत होने लगी थी। कोरोना काल के बाद से ही वे सक्रिय राजनीति से दूर हो गए थे।

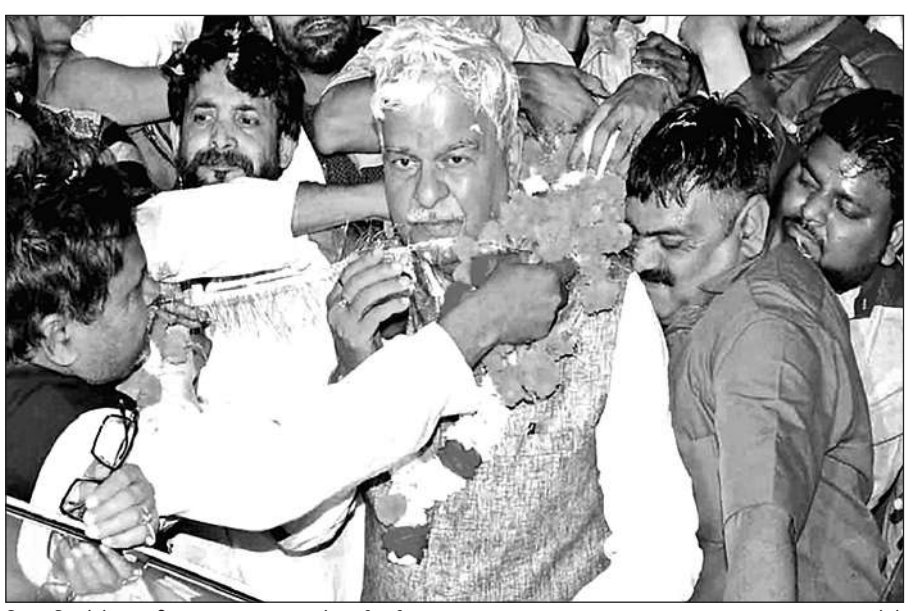

टिकट मिलने के बाद श्रीप्रकाश का स्वागत करते कार्यकर्ता। फाइल फोटो

### राजनीतिक सफर

- **1989** में महापौर बने
- **1999** से लगातार तीन बार सांसद बने
- **04** दिसंबर 2000 कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बने
- **03** जुलाई 2002 तक प्रदेश अध्यक्ष रहे।
- **23** मई 2004 को केंद्रीय गृह राज्मंत्री बनाए गए
- **2009** में कोयला राज्यमंत्री पद की शपथ ली
- **2014** में भाजपा के डा. मुरली मनोहर जोशी से सांसदी हारे
- **2019** में भाजपा के सत्यदेव पचौरी से सांसदी में पराजित हुए

श्रद्धांजलि

जन्म:25 सितंबर 1944 निधन: 28 नवंबर 2025

## राजीव गांधी ने पहना श्रीप्रकाश का कुर्ता, रातभर रोड शो

शैलेश अवस्थी, कानपुर

**अमृत विचार।** श्रीप्रकाश जायसवाल कानपुर के ऐसे नेता थे, जिन्होंने विवाद में पड़े बगैर राजनीतिक ऊंचाइयां हासिल कीं और अपने विरोधियों को ख़ामोशी से किनारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। वह पार्टी हाईकमान के हमेशा करीबी रहे। बात 1990 के आसपास की रही होगी, जब राजीव गांधी कानपुर आए थे और बिधनू से नौबस्ता होते हुए पूरे शहर में रोड शो किया था। वह खुली जीप में श्रीप्रकाश जायसवाल और अन्य स्थानीय नेताओं के साथ जनता का अभिवादन करते चल रहे थे। भीड़ इस कदर थी कि उनका काफिला रेंग कर चल रहा था। उन्हें तीन घंटे ही रोड शो करना था, पर भीड़ ऐसी कि 10 घंटे बीत गए और आधी रात हो गई। सुबह 4 बजे राजीव सर्किट हाउस पहुंचे और तब तक उनके कपड़े अस्तव्यस्त और मैले हो चुके थे। कोई दुकान भी नहीं खुली थी कि कपड़े खरीदे जा सकें। श्रीप्रकाश ने फटाफट अपने घर से कुर्ता-पाजामा मंगवाया जो राजीव गांधी के एकदम फिट हो गया और वह बेहद खुश हुए। रोड शो में श्रीप्रकाश ने पूरी ताकत झोंक दी थी, भीड़ और जनता का समर्थन देख राजीव गांधी ने श्रीप्रकाश की पीठ ठोंकी और फिर इसके बाद उनकी सीधे पहुंच दिल्ली दरबार तक हो गई। इसके बाद श्रीप्रकाश ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और राजनीति की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष, मेयर, प्रदेश अध्यक्ष, तीन बार सांसद, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और कोयला मंत्री बने। इस दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता भी उनके दरबार में हाजिरी देते थे। वह राजीव गांधी के बाद सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी के निकट रहे और फिर 2019 का चुनाव हारने के बाद बीमारी के कारण राजनीति से लगभग अलग हो गए।

- इसके बाद वह कांग्रेस हाईकमान के अति निकट आ गए और फिर ओहदे पे ओहदे मिलते गए, कई और नेताओं की नजर में आए, नजदीकियां बढ़ी और बन गया भौकाल
- इस शहर के पहले ऐसे नेता थे, जो मेयर, तीन बार सांसद, दो बार केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस के शहर और फिर प्रदेश अध्यक्ष भी रहे, राजनीति की हवा भांपने में माहिर थे

### ओहदों से कई बार इस्तीफा दिया, पर बड़े पद मिले

- राजनीतिक हवा भांपने में माहिर श्रीप्रकाश जायसवाल ने शहर अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया तो मेयर का टिकट मिला और जीते, मेयर पद से इस्तीफ़ा दिया तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बन गए। इस पद से इस्तीफ़ा दिया तो सांसद और मंत्री बन गए। इस तरह वह अपने राजनीतिक विरोधियों को चौंकाते रहते थे। यही उनकी राजनीतिक यूएसपी मनी जाती थी।

### कोई नहीं भांप पाता था, उनका मन

- श्रीप्रकाश जायसवाल के बेहद करीबी रहे शैलेन्द्र दीक्षित बताते हैं कि राजनीति में उनके बाएं हांथ को नहीं पता होता था, कि दायां क्या करेगा। जहां से उनके विरोधी सोचना बंद करते थे, वहां से वह अपने राजनीति कदम लेना शुरू करते थे और सबके आगे निकल जाते थे। हकीकत तो यह है कि अक्सर उनके परिवार को ही उनके कदम की भनक नहीं होती थी, वह भौकाल दिखाते नहीं थे, उनके काम और ओहदे उनकी हैसियत की कहानी कहते थे।

### मदनमोहन का टिकट कटा और श्रीप्रकाश की किस्मत चमकी

- 1999 में कांग्रेस ने उस वक्त के दिग्गज स्थानीय नेता मदन मोहन शुक्ला को लोकसभा चुनाव का कानपुर सीट से टिकट फाइनल किया था। स्टेशन पर उनके स्वागत में कार्यकर्त्ता ढोल लेकर पहुंच गए, ट्रेन रुकते ही उन्हें मालाओं से लाद दिया गया था। तभी अचानक खबर आई कि मदन मोहन को नहीं, श्रीप्रकाश को उम्मीदवार बनाया गया है। अगर तब उन्हें टिकट न मिलता तो वह शायद इतने बड़े नेता न होते।

## गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित करवाने का श्रेय भी

विशेष संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** श्रीप्रकाश जायसवाल ने अपने सांसदी कार्यकाल में गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित करवाया था और मॉल रोड की नहर पटवा कर वहां एक्सप्रेस रोड बनवाया था। सांसद बनने के बाद श्रीप्रकाश जायसवाल की प्राथमिकता में गंगा नदी हमेशा रही। भाजपा नेता डॉ. शैलेन्द्र दीक्षित ने बताया कि श्रीप्रकाश ने सोनिया गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह को कई बार गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित करने के लिए प्रस्ताव दिया और आखिरकार उनकी बात मानी गई। गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित करने के बाद उसे स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने के लिए खूब प्रयास किए। जब श्रीप्रकाश जायसवाल मेयर थे, तब सभासद मदन लाल भाटिया, राधेश्याम और अरुण द्विवेदी को उनके तीन बंदर कहा जाता था, क्यूंकि ये उनके कट्टर समर्थक थे और हमेशा ढाल बनकर आगे आ जाते थे। श्रीप्रकाश जायसवाल कानपुर के विकास की इतनी ज्यादा घोषणाएं करते थे कि विपक्षी उन्हें मुंगेरीलाल कहते थे। कहते थे कि ये मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने दिखाते हैं।

### परिवार को राजनीति से दूर रखा

श्रीप्रकाश जायसवाल ने कभी अपने बेटे-बेटियों को राजनीति में नहीं आने दिया। यह अलग बात है कि उनके चुनाव का प्रबंधन उनके बेटे सिद्धार्थ करते थे। उनके भाई प्रमोद जायसवाल जरूर राजनीति में आए, लेकिन शायद उन्होंने उन्हें कभी प्रमोट नहीं किया।

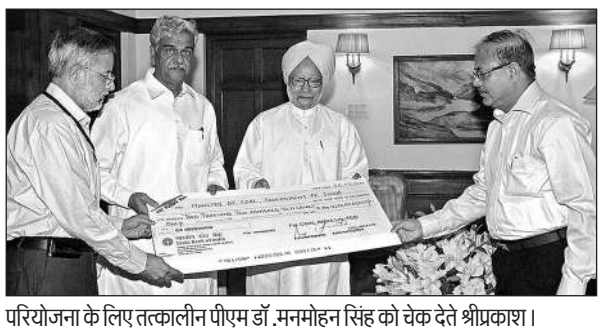

परियोजना के लिए तत्कालीन पीएम डॉ .मनमोहन सिंह को चेक देते श्रीप्रकाश।

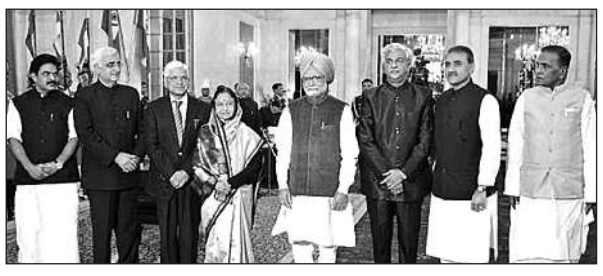

तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल और पीएम मनमोहन सिंह के साथ श्रीप्रकाश जायसवाल। फाइल फोटो

### विकास करने वाला शहर का लाल चला गया

संप्रग सरकार में मेरे सहयोगी रहे श्रीप्रकाश जायसवाल जी के निधन की खबर अत्यंत हृदय विदारक है। उनका जाना कांग्रेस पार्टी के लिए भी एक बड़ी क्षति है।

– मल्लिकार्जुन खरगे, राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस

वह जमीन से जुड़े नेता थे। उनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। उन्होंने कानपुर के विकास में अहम भूमिका अदा की।

रमेश अवस्थी सांसद



कानपुर के विकास में श्रीप्रकाश जायसवाल का अहम योगदान था। उनके निधन से व्यक्तिगत मुझे बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने कभी भेदभाव की राजनीति नहीं की।

– सत्यदेव पचौरी पूर्व सांसद

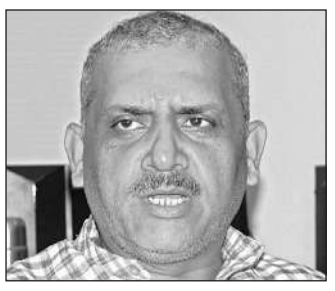

सर्वसमाज को साथ लेकर चलने की शैली श्री प्रकाश जायसवाल के पास थी, उनके निधन से शहर के विकास, आपसी सौहार्द को भारी नुकसान हुआ है।

अमिताभ वाजपेयी, सपा विधायक आर्य नगर

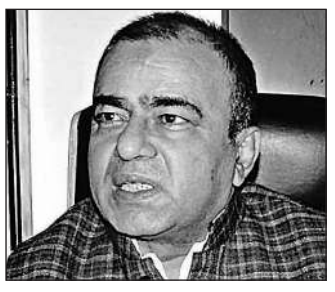

शहर में पुल निर्माण की शुरुआत श्री जायसवाल ने की। उन्होंने शहर के कई ट्रेनें भी चलवाईं। शहर के विकास में हमेशा आगे रहे और सबके लोकप्रिय नेता थे।

मोहम्मद हसन रुमी, विधायक, कानपुर कैंट

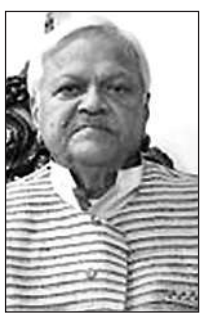

मेरे छात्र समय से अच्छे दोस्त थे। मुझसे एक साल छोटे थे लेकिन राजनीति में उनका कद बहुत बड़ा था। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

भूधर नारायण मिश्रा, पूर्व विधायक

राजनीति में सभी से मधुर संबंध बनाकर रखते थे, राजनीति में उनकी विचारधारा हमारी विचारधार से अलग रही है लेकिन वे बहुत की शांत स्वभाव के थे। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

सलिल विश्नोई, सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश

वह जन- जन के नेता थे। वे हर किसी के सुख- दुख के साथ जुड़कर राजनीति करते थे। जमीन से जुड़े हुए नेता थे। उन्होंने कभी सतही राजनीति नहीं की।-

नीलिमा कटियार, विधायक कल्याणपुर

शहर की शान चली गई। जनता से जुड़ाव हमेशा बनाकर रखते थे, वे आपने मंत्रित्वकाल में भी प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को कानपुर में जनता से जुड़े रहते थे।

आलोक मिश्रा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कांग्रेस

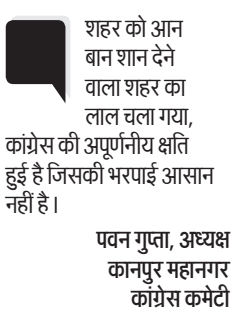

शहर को आन बान शान देने वाला शहर का लाल चला गया, कांग्रेस की अपूर्णनीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई आसान नहीं है।

पवन गुप्ता, अध्यक्ष कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी

# सोनिया गांधी को बताया था महात्मा गांधी जैसा त्यागी...

विशेष संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** 2004 में श्रीप्रकाश जायसवाल ने सोनिया गांधी की तुलना महात्मा गांधी के त्याग से कर दी थी, फिर वह कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बेहद विश्वासपात्र बन गए और तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते चले गए।

2004 में जब कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिला और सोनिया गांधी का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा था। सोनिया ने भाषण दिया और इस ओहदे से इंकार कर दिया। इस अचानक एलान से वहां सन्नाटा छा गया। सबने सोनिया को मनाने की कोशिश की। श्रीप्रकाश ने माइक पकड़ा और चीख कर उदास लहजे में कहा कि यह त्याग महात्मा गांधी जैसा ही है।

उन्होंने कभी कोई पद नहीं लिया और हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता दी थी। हालांकि इसके बाद विपक्षी नेताओं ने उन पर तंज कसे, कांग्रेस के भीतर भी खुसुर-फुसुर हुई, लेकिन श्रीप्रकाश के राजनीतिक जीवन के लिए यह बड़ा अवसर साबित हुआ और फिर वह गृहराज्य मंत्री जैसे ओहदे पर जा बैठे। ऐसा भी नहीं कि यह पद केवल इसलिए इन्हें मिला, इसके पीछे पिछले 30 साल की पार्टी की सेवा भी थी। वह फुल टाइम पॉलिटीशियन थे और इसी को जीते थे।

- **नारायणदत्त और माधवराव सिंधिया के करीबी रहे :** वह कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व मुख्यमंत्री नारायणदत्त तिवारी के करीबी रहे। श्रीप्रकाश और तिवारी प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त मंत्री रहते नैनीताल के प्रभारी थे। उसी दौरान नारायणदत्त तिवारी के करीब पहुंचे और उन्हीं की कृपा से मेयर का टिकट मिला और जीते। इसके बाद माधवराव सिंधिया को के साथ उनके रिश्ते बने। उन्होंने 2004 में उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिलाने में मदद की थी।
- **मेयर बनाने के लिए पूरी सरकार उतर पड़ी थी :** 1989 में श्रीप्रकाश जायसवाल को मेयर का टिकट मिला और तब उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री थे नारायणदत्त तिवारी। उन्होंने इस चुनाव में मंत्री सुशीला रोहतगी, गोपीनाथ दीक्षित, बलराम सिंह यादव, नरेंद्र सिंह, अपने सूचना सलाहकार राधाकृष्ण अवस्थी सहित कई मंत्रियों को कानपुर भेजा। तब सभासद के वोटों से मेयर का चुनाव होता था। सभासदों को बुला कर एक जगह इकट्ठा किया गया और फिर श्रीप्रकाश के पक्ष में एकसाथ सबने वोट डाले। श्रीप्रकाश जीत गए।

**खासियत** दलित-अल्पसंख्यकों को अपनी ओर आकर्षित करने का भी हुनर आता था

# रोड शो के माहिर श्रीप्रकाश बदल देते थे चुनावी रुझान

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

**अमृत विचार।** कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल रोड शो के माहिर माने जाते थे। भाजपा प्रत्याशी भी उनके रोड शो को एक बार देखने के बाद ही जोश भरते थे। दो बार राहुल गांधी और एक बार प्रियंका गांधी से भी रोड शो कराया और चुनाव की रुझान बदल दिया।

श्रीप्रकाश जायसवाल मुस्लिम इलाकों में अपनी उर्दू जुबान में भाषण करने के लिए माहिर माने जाते थे। इन्होंने राहुल गांधी को 2004 में दो दिन के लिए अपने चुनाव में बुलाया और आईआईटी से लैंड मार्क तक रोड शो किया। दूसरा रोड शो कैंट बड़ा चौराहा से कैंट तक किया था।

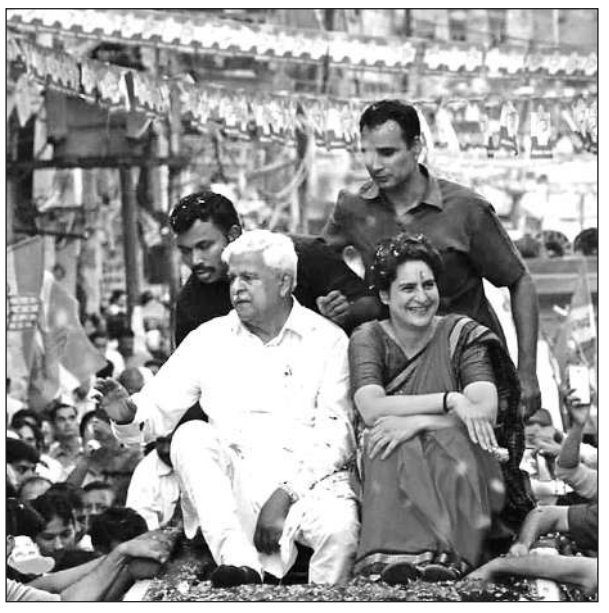

प्रियंका गांधी के साथ रोड शो करते श्रीप्रकाश जायसवाल। फाइल फोटो

### पीरोड पर श्रीप्रकाश ने कान में कुछ कहा, वनखंडेश्वर में राहुल गांधी ने पूजा की

- वर्ष 2004 में चुनाव के दौरान राहुल गांधी को श्री जायसवाल ने बुलाया और रोड के दौरान पी रोड पर श्री जायसवाल ने राहुल गांधी के कान में कुछ कहा और राहुल गांधी वनखंडेश्वर मंदिर में पूजा करने चले गये। मंदिर से निकलने के दौरान राहुल गांधी एक जूता बनाने वाले जमीन पर बैठे मोची के पास चले गये और जूता बनाने के काम की जानकारी ली।

### प्रियंका ने भी 2019 में रोड शो किया

- कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बन चुकी प्रियंका गांधी ने भी 2019 में श्रीप्रकाश जायसवाल के लिए घंटाघर से फूलबाग तक रोड शो किया लेकिन माल रोड पर समय समाप्त होने पर उनका रोड शो खत्म करना पड़ा।

### राहुल ने रीता बहुगुणा के बजाय श्रीप्रकाश को साथ लिया

- 2004 में चुनावी रोड शो के दौरान तत्कालीन कांग्रेस की यूपी की प्रदेश अध्यक्ष रीता बहुगुणा जोशी, श्री प्रकाश जायसवाल साथ थे, उसी समय कैंट में एक मुस्लिम बक्कल कारीगर की झोपड़ी में चले गये और अपने साथ रीता बहुगुणा के बजाए श्रीप्रकाश जायसवाल को अपने साथ झोपड़ी में ले गये।

## सिटी ब्रीफ

### सरकार बना रही बीएलओ पर मानसिक दबाव : अखिलेश यादव

**कानपुर।** सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को भोगनीपुर जाते समय शहर में रुके। इस दौरान सपा के नेताओं ने उनका गंगापुल जाजमऊ में स्वागत किया। गंगापुल पर ही सपा मुखिया ने कहा कि सरकार बीएलओ पर मानसिक दबाव बना रही है। बीएलओ के पास फार्म जमा कराने में पूरा सहयोग करे। आरोप लगाया कि सरकार बीएलओ पर मानसिक दबाव डालकर उत्पीड़न कर रही है। जाजमऊ गंगापुल पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के नेतृत्व मे महानगर के पदाधिकारीओ, कार्यकताओ, बीएलए, बूथ प्रभारियो की ओर से स्वागत किया गया। नेताओं से संवाद कर वे भोगनीपुर रवाना हो गए। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह, नंदलाल जयसवाल, आंनद शुक्ला, शबाब अबरार, इशरत इराकी सहित अन्य मौजूद रहे।

### आईआईटी में संविधान दिवस मनाया

**कानपुर।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान भारत के संविधान की प्रस्तावना का औपचारिक वाचन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान की लीगल सेल द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संचालित करने वाले संवैधानिक मूल्यों को याद करना और सम्मान देना था। कार्यक्रम का संचालन उप कुलसचिव (विधि) प्रकल्प शर्मा ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि उपनिदेशक प्रो. ब्रज भूषण और विश्व रंजन, कुलसचिव, आईआईटी कानपुर भी मौजद रहे। समारोह के दौरान प्रो. ब्रज भूषण ने प्रस्तावना का हिंदी में वाचन करवाया, जबकि विश्व रंजन ने अंग्रेजी में वाचन का नेतृत्व किया। यह सामूहिक वाचन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों के प्रति संकल्प का प्रतीक था।

### हाईवे के नीचे नाले में मिला युवक का शव

**बिठूर।** बिठूर थाना क्षेत्र के नानकारी न्यू रेलवे क्रासिंग के पास हाईवे के नीचे से गुजरे गहरे नाले में एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। युवक के शरीर पर सफेद लोअर, पीली टी शर्ट और हरा जैकेट था। हाथ की उंगली में अंगूठी व कड़ा था। सूचना पर पहुची बिठूर पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच करवाई। बिठूर पुलिस युवक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

### लेखपालों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**घाटमपुर।** घाटमपुर तहसील में लेखपाल संघ के द्वारा एक ज्ञापन एसडीएम घाटमपुर को सौंपा और जमकर नारेबाजी की। लेखपालों ने ज्ञापन में फतेहपुर के लेखपाल को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले दोषियों को सजा दिलाए जाने की मांग की है। घाटमपुर में शुक्रवार को लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष व मंत्री सहित समस्त लेखपालों ने एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा। लेखपालों ने बताया कि फतेहपुर के एक लेखपाल की एसआईआर में जबरन ड्यूटी लगाई गई और उसे प्रताड़ित करके आत्महत्या के लिये प्रेरित करने का मामला दर्ज हुआ है। इसमें कुछ आरोपियों को बचाया जा रहा है। इसी मामले को लेकर घाटमपुर के समस्त लेखपालों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। साथ ही आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान लेखपाल संघ के अध्यक्ष आदेश कुमार यादव व मंत्री नवनीत कुमार सहित समस्त लेखपाल मौजूद रहे।

### बीआरसी में तीसरे पैरेंट्स काउंसलिंग का हुआ आयोजन

**घाटमपुर।** विकासखंड घाटमपुर में तीसरी पैरेंट्स काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस काउंसलिंग में 50 अभिभावकों ने प्रतिभाग किया खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार कुशवाहा ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में अध्यनरत दिव्यांग बच्चों की देखभाल उनसे जुड़ी सुविधाओं के बारे में जागरूक करने हेतु अभिभावक परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें पूर्ण दृष्टि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा में आने वाली चुनौतियां एवं उनके समाधान तथा अल्प दृष्टि पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में स्पेशल एजुकेटर संजय कुमार पांडे शिवराजपुर, अंजनी पांडे स्पेशल एजुकेटर घाटमपुर और उस्मान समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

# तकनीकी नवाचार और शोध समय की जरूरत

## पीएसआईटी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन की शुरुआत, देश-विदेश के एक्सपर्ट्स ने रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** पीएसआईटी कानपुर में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने तकनीकी नवाचार और शोध को आज की सबसे बड़ी जरूरत बताया। विशेषज्ञों ने शोध और नवाचार पर गहन मंथन किया। सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने भी विचार रखे।

कार्यक्रम की शुरुआत पीएसआईटी समूह निदेशक प्रो. डॉ. मनमोहन शुक्ला और मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के निदेशक अनिल श्रीवास्तव ने की। इस दौरान डीआरडीओ मुख्यालय नई दिल्ली के डायरेक्टरेट ऑफ एक्स्ट्रा म्यूरल रिसर्च एंड आईपीआर के निदेशक डॉ. केपी. सिंह भी मौजूद रहे। सम्मेलन में देश-विदेश से आए शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। मुख्य अतिथि अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि आज का समय तकनीकी बदलाव का युग है, जहां आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर और एजेंटिक एआई जैसी तकनीकें भविष्य की दिशा तय कर रही हैं। डीआरडीओ मुख्यालय नई दिल्ली के डायरेक्टरेट ऑफ एक्स्ट्रा म्यूरल रिसर्च एंड आइ्रपीआर के निदेशक डॉ. केपी सिंह ने कहा कि शोध तभी सार्थक है जब उसका प्रभाव समाज में दिखाई दे। उन्होंने बताया कि रक्षा क्षेत्र, चिकित्सा अनुसंधान और राष्ट्रीय सुरक्षा में युवा वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भूमिका आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण होगी। विशेष अतिथि एआरएमआरईबी, डीआरडीओ के उप निदेशक आदित्य पटेल ने कहा कि उच्च तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करते समय अनुशासन, धैर्य और राष्ट्रहित की भावना महत्वपूर्ण है। उन्होंने शोध के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी के महत्व पर भी प्रकाश डाला। आईआईटी कानपुर के प्रो. वाईएन सिंह ने कहा कि विश्व में तकनीकी परिवर्तन का केंद्र अब डेटा नहीं बल्कि डेटा का 'विनियोग' बन चुका है।

सोनी आरएंडडी बेंगलुरु के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बृजराज सिंह ने औद्योगिक स्वचालन, मशीन इंटेलिजेंस और वास्तविक अनुप्रयोग आधारित एआई पर अपने विचार साझा किए। आईआईटी कानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शुभम सहाय ने छात्रों को ऊर्जा प्रबंधन, स्मार्ट डिवाइसेज़ और नवीन इंजीनियरिंग समाधानों पर आधारित शोध के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन में पीएसआईटी कानपुर के निदेशक प्रो मनमोहन शुक्ला, प्रो राघवेंद्र सिंह व अनिल श्रीवास्तव आदि। अमृत विचार

### 35 तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुत किए

- सम्मेलन के पहले दिन 35 तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। इन शोध-पत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, एजेंटिक एआई, साइबर सुरक्षा, स्पेस टेक्नोलॉजी, डेटा साइंस, स्मार्ट ग्रिड मैनेजमेंट, रोबोटिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित विविध शोध शामिल रहे। सम्मेलन में आए कई युवा वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अपने शोध प्रस्तुतियों से सबका ध्यान आकर्षित किया। एआई, मशीन लर्निंग और एजेंटिक एआई पर आधारित नवाचारी कार्यों ने प्रतिभागियों को चकित किया, वहीं एजेंटिक एआई आधारित क्वांटम एल्गोरिद्म द्वारा रोग पूर्वानुमान जैसे विषय चर्चा का केंद्र रहे।

### 140 वैज्ञानिक हुए शामिल

- पीएसआईटी समूह निदेशक प्रो. डॉ. मनमोहन शुक्ला ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य केवल शोध-पत्र प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक सोच और नवाचार की ओर प्रेरित करना है। 140 से अधिक वैज्ञानिकों ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी रुचि दिखाई है। यह हमारे संस्थान के सुनहरे भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शोध और नवाचार को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। कार्यक्रम में पीएसआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. डॉ. राघवेंद्र सिंह, निदेशक अकादमिक्स प्रो. डॉ. विशाल नागर, एडिशनल डायरेक्टर प्रो. डॉ. रघुराज सिंह सूर्यवंशी के साथ डीन प्रो. डॉ. आरती सक्सेना भी मौजूद रहीं।

एडीएम वित्त को ज्ञापन देते अधिवक्ता।

# पेंशन, मुफ्त इलाज के साथ प्रोत्साहन योजना लागू करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समिति ने की मांगें

**अमृत विचार।** आजादी से लेकर आज तक अदालत के अधिकारी अधिवक्ताओं की राष्ट्रीय स्तर पर कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं बनाई गई जिससे अतिवृद्ध अधिवक्ताओं को जीविकोपार्जन के लिए जूझना पड़ा रहा है। ऐसे अधिवक्ताओं को पेंशन दी जाए, उनके निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की जाए और युवा अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित योजना से जोड़ा जाए।

शुक्रवार को अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समिति के नेतृत्व में अधिवक्ता सामाजिक सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और विवेक चतुर्वेदी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पं. रवींद्र शर्मा ने कहा कि बुजुर्ग अधिवक्ताओं को 15000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दें। अधिवक्ता स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अधिवक्ता परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ा जाए या पांच लाख का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा लागू किया जाए। युवा अधिवक्ता प्रोत्साहन योजना के तहत नवागंतुक युवा अधिवक्ताओं को प्रथम 5 वर्ष तक 5000 रुपये प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि दी जाए। इस अवसर पर राकेश कुशवाहा, राजेश तिवारी, बलराम यादव, ओपी दुबे, रिजवान अली, संजीव कपूर, चंद्र शेखर यादव, आयुष शुक्ला थे।

# तोप की मारक क्षमता परखी गई

**कानपुर।** ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की प्रूफ फायरिंग रेंज में डीजीक्यूए ने 105 एमएमलाइट फील्डगन (एलएफजी) तोप से तीन राउंड फायरिंग करवाकर गुणवत्ता परखी। गुणताआश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) के महानिदेशक एन मनोहरन ने गोलों और बैरलों की मारक क्षमता और गुणवत्ता देखी। ओएफसी में बने गोलों की शेल, फील्डगन फैक्ट्री में बन रहीं बैरलों और स्मॉल आर्म्स फैक्ट्री में बन रहे हथियारों की गुणवत्ता परखी। ओएफसी स्थित वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना-आयुध (एसक्यूएई-अर्मामेंट) में कर्नल गिरीश चौधरी से डीजी मनोहरन का स्वागत किया। डीजीक्यूएके महानिदेशक ने ओएफसी स्थित डीजीक्यूए के सम्मेलन कक्ष में डीपीएसयू एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडियालिमिटेड (अवेल) के सीएमडी उमेश सिंह और अर्मापुर की तीनों फैक्ट्रियों के कार्यकारी निदेशक, जीएम और वरिष्ठ प्रबंधकों संग बैठक की।

बैरल देखते अधिकारी।

# एक दिसंबर को बनेगी मानव श्रृंखला, गीता का पाठ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- श्रीमद्भगवतगीता वैदिक न्यास शहर में करेगा भव्य आयोजन
- गीता को राजकीय या राष्ट्रीय ग्रन्थ घोषित करने की मांग

**अमृत विचार।** श्रीमद्भगवतगीता वैदिक न्यास की ओर से शहर में एक दिसंबर को भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में गीता का सामूहिक पाठ भी किया जाएगा। गीता पर चर्चा के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनवरी में न्यास के विद्वानों से वार्ता करेंगे।

यह जानकारी श्रीमद्भगवतगीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष डॉ उमेश पालीवाल ने दी। बताया कि गीता जयंती 1 दिसंबर, सोमवार को है। इस दिन सैकड़ों किलोमीटर की गीता संदेश मानव श्रृंखला बनाई जाएगी। इस दिन मोक्षदा एकादशी का शुभ संयोग भी बन रहा है, जिससे इस पर्व का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में अर्जुन को दिए गए श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेश की 5162वीं जयंती होगी। डॉ पालीवाल ने बताया कि इस दिन गीता सामूहिक पाठ भी होगा। गीता को राजकीय या राष्ट्रीय ग्रन्थ घोषित करने की मांग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनवरी में वार्ता के लिए गीता मनीषियों को आमंत्रित किया है। इसी 23 नवम्बर को न्यास की ओर से 6 सूत्रीय मांगपत्र पत्र सौंपा गया था। ज्ञापन गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी श्रीज्ञानानन्द जी महाराज ने मुख्यमंत्री को सौंप था। इस मौके पर न्यास के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ उमेश पालीवाल ने बताया कि अन्य मांगों में हर वर्ष मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी के दिन को कैलेंडरों में गीता जयंती के रूप में दर्शाया जाय तथा स्कूल कालेजों विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायें। नैतिक शिक्षा में गीता का समावेश, टेलीविज़न में गीता सम्बंधित शो आयोजित हों। यह भी बताया कि विश्व के 51 से अधिक देशों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बार गीता जयंती खास इसलिए है कि इसमें सामूहिक गीता जाप, महाआरती, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इसका धार्मिक महत्व यह है कि इस दिन गीता के शाश्वत संदेशों (ज्ञानयोग, कर्मयोग और भक्तियोग) को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का होता है। भक्त इस दिन मोक्षदा एकादशी का व्रत रखते हैं और कृष्ण की विशेष पूजा करते हैं, जिसमें गीता का पाठ (विशेषकर 12वां, 15वां और 18वां अध्याय) किया जाता है।

जानकारी देते डॉ. उमेश पालीवाल, परमानंद शुक्ला आदि। अमृत विचार

# लापता हिस्ट्रीशीटरों का पता लगायें, रखें नजर

संवाददाता, बिल्हौर

**अमृत विचार।** शुक्रवार को कानपुर के एडिशनल पुलिस कमिश्नर (एडीसीपी) कपिल देव सिंह ने थाना ककवन का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों को लापता हिस्ट्रीशीटरों का सख्ती से पता लगाने और उन पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। एडीसीपी ने साफ निर्देश दिया कि सभी हिस्ट्रीशीटरों की वर्तमान स्थिति पर नियमित रूप से नजर रखी जाए।

निरीक्षण के दौरान, एडीसीपी कपिल देव सिंह ने थाने के तमाम दस्तावेजों और आधिकारिक अभिलेखों का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने विशेष रूप से केस फाइल, जीडी (जनरल डायरी) एंट्री, और पुराने मामलों के निस्तारण से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की। उन्होंने पुलिसकर्मियों से दस्तावेजों के उचित रखरखाव और अपडेट सुनिश्चित करने को ।

थाना निरीक्षण के दौरान अभिलेखों की जांच-पड़ताल करते एडीसीपी कपिल देव सिंह।

**सीसीटीएनएस, शस्त्रागार और आवासों का लिया जायजा :** एडीसीपी ने पुलिस स्टेशन के सीसीटीएनएस रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने डेटा एंट्री की सटीकता और तकनीक के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शस्त्रागार के रखरखाव, हथियारों की गिनती और उनके सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था का निरीक्षण किया और संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आवास और परिसरः उन्होंने पुलिसकर्मियों के लिए बने आवासों और थाने के समग्र परिसर का जायजा लिया। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई, व्यवस्था, और आवासीय सुविधाओं में सुधार के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि पुलिसकर्मियों को बेहतर माहौल मिल सके। एडीसीपी ने यह भी निर्देश दिया कि आम जनता से जुड़े मामलों के त्वरित और प्रभावी समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए और थाने में आने वाले हर फरियादी के साथ शिष्टतापूर्ण व्यवहार किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह भी मौजूद रहे।

### किसी भी समस्या को मामूली न समझें

- **चौबेपुर।** संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) आशुतोष कुमार ने शुक्रवार को चौबेपुर थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभिलेखों की जांच करने के साथ-साथ अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शुक्रवार को औचक निरीक्षण के लिए चौबेपुर थाने पहुंचे संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार ने परिसर का निरीक्षण किया। तत्पश्चात महिला हेल्प डेस्क, साइबर क्राइम ऑफिस, अपराध रजिस्टर तथा थाने के अन्य अभिलेखों का विधिवत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में आने वाले पीड़ितों की समस्याओं को अनदेखा न कर उसे गंभीरता से देखे जाने की बात कही। कहा कि किसी भी समस्या को मामूली न समझें और तत्काल उसका समाधान कराएं।

# मनरेगा घोटाले में छह लोगों पर एफआईआर

संवाददाता, बिल्हौर

- बिल्हौर ब्लॉक की सैंबसू ग्राम पंचायत का मामला
- 20 लाख रुपये गबन किये जाने का है आरोप

**अमृत विचार।** मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) योजना के तहत हुए बड़े घोटाले में कार्रवाई करते हुए कानपुर के बिल्हौर ब्लॉक की सैंबसू ग्राम पंचायत में छह लोगों के खिलाफ शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यह मामला लगभग बीस लाख रुपये के वित्तीय अनियमितता से जुड़ा हुआ है। खंड विकास अधिकारी नेमचन्द्र की तहरीर पर बिल्हौर थाने में यह एफआईआर दर्ज की गई है।

**लोकपाल की जांच में हुआ था खुलासा :** बताया गया है कि इस घोटाले की शिकायत लोकपाल से की गई थी। लोकपाल द्वारा की गई विस्तृत जांच में पाया गया कि मनरेगा के कार्यों को कागजों पर दिखाकर लाखों रुपये की हेराफेरी की गई है। इस मामले में कुल पंद्रह लोगों पर रिकवरी (वसूली) लगाए जाने की संस्तुति की गई थी।

प्रारंभिक कार्रवाई में छह प्रमुख लोगों बिमलेश मिश्रा (ग्राम प्रधान), ज्ञानवीर (सचिव), संदीप कुमार (सचिव), शिवपाल (सचिव), इन्द्र कुमार (तकनीकी सहायक), प्रमोद कुमार (तकनीकी सहायक) पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

वहीं सूत्रों के अनुसार जानकारी मिली है कि शेष नौ लोगों पर भी जल्द ही विभागीय और कानूनी कार्रवाई होने की संभावना है, साथ ही सभी आरोपियों से घोटाले की राशि भी वसूली जाएगी।

# एक सप्ताह बाद भी नहीं पकड़ा गया टप्पेबाज

**घाटमपुर।** घाटमपुर के पतारा में बीते शनिवार को किराना स्टोर से टप्पेबाज पंद्रह हजार रुपये की टप्पेबाजी करके भाग गया था। लगभग एक सप्ताह बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक टप्पेबाज को पकड़ नहीं पाई है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा निवासी अवधेश ने बताया कि उनकी पतारा चौराहे पर परचून की दुकान है। बीते शनिवार की शाम एक युवक आया उसने खुद को परचून का दुकानदार बताते हुए परचून का सामान निकालने को कहा। इस दौरान दुकान में मौजूद उनकी पत्नी शशि ने सामान निकाल कर दे दिया और वह पर्चे को जोड़ रहे थे। तभी युवक भाग निकला। उन्होंने पतारा चौकी पहुंचकर टप्पेबाजी की शिकायत की थी। चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल शुरू की थी। लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी पुलिस ने हाथ खाली है।

**बैठक** | सर्वाधिक शिकायतें जल जीवन मिशन योजना के तहत हो रहे कार्यों को लेकर रहीं

# बिजली-पानी की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया

संवाददाता, चौबेपुर

**अमृत विचार।** ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा बिजली, पानी सड़क, राशन आदि के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। सबसे ज्यादा शिकायतें जल जीवन मिशन योजना के तहत कराये गए कार्यों को लेकर रहीं। बैठक में बिजली विभाग का कोई अधिकारी मौजूद न होने से लोगों में भारी नाराजगी रही।

ब्लॉक सभागार में आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के बाबत लोगों को जानकारियां दीं। तत्पश्चात खण्ड विकास अधिकारी यशवीर सिंह ने पिछली कार्ययोजना में कराए गए कार्यों के बाबत बताया। समस्याओं के बाबत पूछे जाने पर ग्राम प्रधान उदेतपुर विद्यासागर यादव समेत ज्यादातर जनप्रतिनिधियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत कराये गए कार्यों में कार्रदाई संस्था द्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों को जस का तस छोड़ दिए जाने से आवागन में समस्या उत्पन्न है। इसी तरह ग्राम प्रधान उमा शुक्ला व प्रमोद सिंह ने बताया कि रजबहों की साफ सफाई न कराये जाने से पानी टेल तक नहीं पहुंच पा रहा। जिससे किसानों के समक्ष फसल सिंचाई की समस्या उत्पन्न है। कई जनप्रतिनिधियों ने अघोषित बिजली कटौती को लेकर भी शिकायत की। लेकिन बैठक में बिजली विभाग से कोई सक्षम अधिकारी के मौजूद न होने से किसी तरह का आश्वासन नहीं मिल सका। बिजली विभाग के अधिकारियों के इस गैर जिम्मेदाराना रवैये को लेकर इनके खिलाफ सदन में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। अंत में ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला ने पिछली कार्य योजना में कराए गए विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए जानकारी दी कि उनके द्वारा गांव-गांव लगवाई गई हाईमास्ट लाइटों से आज हर गांव रोशन है। समस्याओं को देखते हुए कई स्थानों पर इंटरलॉकिंग का कार्य भी कराया गया। जानकारी दी कि आगे भी नए प्रस्तावों के लिए 4 करोड़ की लागत से जल्द कार्य शुरू कराए जाएंगे। इस मौके पर समाज कल्याण विकास अधिकारी दीपचंद दीक्षित, बीडीओ कुंवर आनंद पटेल, सीएचसी अधीक्षक डॉ यशोवर्धन सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश कुमार समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला। अमृत विचार

### महिला जनप्रतिनिधियों के पति, ससुर रहे मौजूद

- **चौबेपुर।** ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को संपन्न हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक में महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या न के बराबर रही। पूर्व में इस बाबत दिए गए तमाम निर्देशों के बावजूद बैठक में 52 महिला जनप्रतिनिधियों के सापेक्ष मात्र सात महिलाएं ही मौजूद थीं। गौरतलब है कि ब्लॉक क्षेत्र में 22 महिला ग्राम प्रधान 30 महिला क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। बैठक में महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पति अथवा ससुर ही मौजूद रहे।

# नाबालिग के अपहरण का आरोपी दबोचा

**घाटमपुर।** घाटमपुर के रेउना पुलिस ने 13 साल की नाबालिग का अपरहण कर ले जाने वाले आरोपी युवक को 48 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने नाबालिग को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। रेउना थाना प्रभारी अनुज राजपूत ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने बीते मंगलवार की शाम थाने पहुंचकर उन्हें तहरीर देकर बताया था, कि उनकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी को घाटमपुर थाना क्षेत्र के बरनाव गांव निवासी 20 वर्षीय सुमित अपहरण कर ले गया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अपरहण समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस को सूचना मिली कि, युवक नाबालिग को लेकर थाना क्षेत्र में स्थित श्री नगर चौराहे के पास खड़ा है। इसपर रेउना थाना प्रभारी अनुज राजपूत फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने नाबालिग को उसके परिजनो को सुपुर्द करने के साथ आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

# गौशालाओं की कैमरों से की जाएगी निगरानी

संवाददाता, बिल्हौर

- गोवंशों को सर्दी से बचाने के दिये दिशा- निर्देश

**अमृत विचार।** शुक्रवार को ककवन विकासखंड क्षेत्र में स्थित अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल (गौशाला) की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से जिला परियोजना निदेशक एवं जिला विकास अधिकारी, आलोक कुमार सिंह ने निरीक्षण किया।

**गौशाला परिसर के प्रमुख स्थानों पर लगेंगे कैमरे :** निरीक्षण के दौरान, अधिकारी आलोक कुमार सिंह ने गौशाला के सुचारु संचालन और सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गौशाला परिसर के प्रमुख स्थानों पर वाई-फाई आधारित कैमरे लगाए जाएं। इन कैमरों के माध्यम से गौशाला की गतिविधियों पर 24 घंटे निगरानी रखी जा सकेगी, जिससे कर्मचारियों की उपस्थिति, गोवंश की देखभाल और किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल ध्यान दिया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में जूट के बोरे उपलब्ध कराये जायें, ताकि उन्हें फर्श पर बिछाया जा सके, जिससे वे ठंड से बच सकें। साथ ही उन्होंने गौशाला के खुले हिस्सों या बाड़ों को ठंडी हवा और पाले से सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

गौशाला निरीक्षण के बाद, आलोक कुमार सिंह ने ककवन विकासखंड कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, पत्रावलियों के रखरखाव और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली जबरदस्त तरीके से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उड़ान भर रहा है। कभी सिर्फ फर्नीचर, सुरमा, पतंग और जरी-जरदोजी के लिए पहचाने जाने वाला जिला अब खाद्य पदार्थ, तेल, मेंथा, प्लाईवुड, रसायन समेत तमाम उद्योगों का केंद्र बनता जा रहा है। सरकारी योजनाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण बरेली का औद्योगिक चेहरा लगातार बदल रहा है। 20वीं सदी के शुरुआत में कुछ एक इंडस्ट्री से शुरू हुआ सफर आज 250 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों तक आ पहुंचा है। इस संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बरेली की औद्योगिक यात्रा उसकी सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रगति की कहानी भी है। हुनर, संसाधन और नवाचार तीनों मिलकर शहर को देष के औद्योगिक नक्शे पर स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

### बरेली बन रहा औद्योगिक हबः फर्नीचर, जरी-जरदोजी और कृषि उद्योग से लेकर पेपर, खाद्य पदार्थ, रसायन उद्योग तक की दौड़

# बरेलीः परंपरागत उद्यमों से माडर्न उद्योगों तक की उड़ान

बरेली में 1956 में सीबीगंज, 1960 में परसाखेड़ा के अलावा 1964 में भोजीपुरा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए। फरीदुपर रोड पर रजऊ के आसपास निजी रूप से इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया गया। यहां पेपर मिल, खाद्य तेल, प्लास्टिक, प्लॉईवुड समेत कई इकाइयां स्थापित हैं। परसाखेड़ा सबसे बड़ा और व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र है यहां ब्रेड-बिस्कुट, खाद्य तेल, डिस्टिलरी, कन्फेक्शनरी, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, रासायनिक पदार्थ, समेत कई अन्य उद्योग हैं। सीबीगंज और भोजीपुरा में भी छोटे-बड़े कई उद्योग हैं। बरेली में कई रासायनिक और औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हुई हैं। यहाँ बनने वाले साबुन, डिटर्जेंट, दवाइयां और खाद उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

## निजी इंडस्ट्रियल एरिया को बढ़ावा

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी इंडस्ट्रियल एरिया को प्रोत्साहन दे रही है। प्लेज योजना (प्रमोटिंग लीडरशिप एंड एंटरप्राइज फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ इंजंस) के तहत निजी जमीन पर औद्योगिक पार्क बनाया जा सकता है। इसमें कई तरह की छूट और सुविधाएं मिलेगी। 10 से 50 एकड़ तक जमीन वाले लोग औद्योगिक प्लेज पार्क बना सकेंगे। इसके लिए प्रति एकड़ 50 लाख का लोन एक प्रतिशत की ब्याज दर पर सरकार जमीन के मालिक को देगी। वह प्लाट बेचकर या किराए पर देकर कमाई कर सकता है। निजी पार्क में उद्योग लगाने के लिए सरकार उद्यमी को भी छूट पर लोन देती है। उद्योगपति विमल रेवाड़ी कहतें है कि रजऊ के आसपास समेत फरीदपुर रोड पर फूड प्रोसेसिंग, पेपर मिल, मोल्डेड फर्नीचर, प्लाईवुड, खाद्य तेल समेत दर्जनों उद्योग निजी जमीनों पर ही लगाए गए हैं। हालांकि यह प्लेज योजना के अंतर्गत इसलिए नहीं क्योंकि उद्योगपतियों ने खुद ही किसानों से जमीन खरीदकर अपनी फैक्ट्रियां लगाई हैं। वह कहते हैं कि यहां बिजली, सड़कों समेत कुछ बुनियादी समस्याएं हैं जिनका निदान जरूरी है। वह कहते है कि सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए करीब 35 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन देती है।

## बड़ी फैक्ट्रियों का दौर

एक समय बरेली देश के बड़े उद्योगपतियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। यहां की कत्था फैक्ट्रियां पंजाब, दिल्ली, बंगाल समते अन्य राज्यों तक सप्लाई भेजती थीं। कत्था उद्योग ने बरेली को कृषि-आधारित औद्योगिक केंद्र के रूप में पहचान दी। विमको ने बरेली के औद्योगिक इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ा। विमको ने आधुनिक मशीनरी, पैकेजिंग और श्रमिक प्रशिक्षण की शुरुआत की। विमको की सफलता ने यह साबित कर दिया कि बरेली में पारंपरिक कारीगरी ही नहीं मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लिए भी बड़ी संभावनाएं हैं। इसी समय बरेली का औद्योगिक चरित्र बदलने लगा। बरेली की औद्योगिक पहचान में एक और बड़ा नाम है इफको (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड)। 1988 में आंवला में स्थापित इफको न केवल उर्वरक उत्पादन में क्रांति लाई, बल्कि कृषि के क्षेत्र में जागरूकता, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा दिया।

## एमएसएमई और आधुनिक औद्योगिक दौर

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन के चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी ने कहा कि आज बरेली सिर्फ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है। यहां एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। फर्नीचर, प्लास्टिक, पैकेजिंग, कनफैक्शनरी, बेकरी, हैंडक्राफ्ट, फार्मा से जुड़े सैकड़ों उद्यम चल रहे हैं। "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत ज़री-ज़रदोजी उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। युवाओं में स्टार्टअप और डिजिटल कारोबार की संस्कृति विकसित हो रही है।

## परंपरागत उद्योग

परंपरागत रूप से बरेली का फर्नीचर, सुरमा और जरी जरदोजी पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। सिकलापुर फर्नीचर की बड़ी मंडी है। फर्नीचर के काम में हजारों कारीगर कार्यरत हैं। बरेली की जरी-जरदोजी ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। यहाँ के उत्पाद दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे फैशन केंद्रों तक पहुँचते हैं। यहां से इसे अरब देशों समेत पश्चिम के दशों में निर्यात किया जाता है। सुरमा ने भी बरेली को बड़ी पहचान दिलाई है। एम हसीन हाशमी का सुरमा दृष्टि की बेहतरी के लिए रामबाण माना जाता रहा है। पतंग और मांझा के बिना बरेली की पहचान अधूरी है। बरेली की पतंग आसपास के जिलों के आसमान को भी रंगबिरंगा कर देती है। बरेली का मांझा भरोसे की गारंटी माना जाता है हालांकि चायनीज मांझा ने न सिर्फ यहां के मांझा का रास्ता रोक दिया है बल्कि कामगारों की भी कमर तोड़ दी।

## भविष्य की संभावनाएं

भविष्य में बरेली को "रोहिलखंड का औद्योगिक हब" बनाने की दिशा में कार्य चल रहा है। यहाँ फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। सरकार की यह योजनाएं सफल रहीं, तो बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में शामिल हो जाएगा। दिसंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के संबंध में बरेली को करीब 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य मिला है। वे आ जाते हैं तो शहर का औद्योगिक नक्शा ही बदल जाएगा।

## औद्योगिक टाउनशिप से मिलेगी रफ्तार

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) बोर्ड ने शहर के विकास को नई दिशा देने के लिए दिल्ली हाईवे पर औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी की अध्यक्षता में 93वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक विकास के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके लिए सदर तहसील के रसूला चौधरी और मीरगंज तहसील के भिटौरा नौगवां, फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली और रहपुरा जागीर गांवों की लगभग 125 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। टाउनशिप में ट्रांसपोर्ट नगर, लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस, इंडस्ट्रियल यूनिट्स, डॉरमेट्री, हॉस्पिटल फैसिलिटी, बैंक, कैफेटेरिया, फायर स्टेशन, सीयूजीएल गैस लाइन, पेट्रोल व सीएनजी पंप, ई-चार्जिंग स्टेशन समेत अनेक सुविधाएं होंगी। योजना में 18, 30 और 45 मीटर चौड़ी सड़कें भी बनाई जाएंगी।

सरकार का सहयोग बना रहा और इसी गति से निवेश जारी रहा तो बरेली अगले कुछ वर्षों में उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। हालांकि उद्योगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कुशल श्रमिकों की कमी समेत कई समस्याएं चिंता की बात हैं लेकिन समस्याओं से पार पाकर ही उद्योग खड़े किए जाते हैं। सरकार इसी तरह निवेश को बढ़ावा देती रही, तो बरेली को उत्तर प्रदेश का मिनी-इंडस्ट्रियल कैपिटल बनने से कोई नहीं रोक सकता। - **विमल रेवाड़ी**, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केन्द्रीय समिति के सदस्य

1950 के बाद से बरेली के उद्योग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर एमएसएमई की स्थापना हुइ जिसने समय के साथ-साथ अनुधिकता को अपनाया और यूपी के तीन बड़े शहरों में खुद को स्थापित किया। प्रदेश की जीडीपी में बरेली भी बड़ा योगदान दे रहा है। बरेली में बड़ी संख्या में लघु उद्योग लग रहे हैं। राज्य सरकार ने बरेली में फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हालात इसी तरह सही रहे तो बरेली उत्तर भारत का अगला इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर बन सकता है। - **मयूर धीरवानी**, चैप्टर चेयरमैन, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन

25 साल पहले इंडस्ट्री एक बुरे दौर गुजरीए उस दौरान कई बड़ी इंडस्ट्री बंद हुई तो कई बंद होने के कगार पर पहुंची। वर्तमान में भोजीपुरा और परसाखेडा जैसे औद्योगिक क्षेत्र का विकास होने के बाद उद्योग तेजी से संभले। बरेली उत्तर भारत का इंडीस्ट्रियल हब बनने के लिए तैयार है। बरेली के उद्योगों का तेजी से विकास होए इसके लिए आवश्यक है कि बरेली के लिए दूसरे बडे शहरों से उड़ानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। चैंबर आफ कामर्स उद्यमियों का समस्या के समाधान के लिए हर समय तैयार है।
- **राजीव सिंघलए अध्यक्ष**, चैंबर आफ कामर्स

## निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां

परसाखेड़ा में स्थापित खाद्य तेल निर्माता बीएल एग्रो भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में है। यह बैल कोल्हू ब्रांड से खाद्य तेल और रिफाइंड ऑयल बनाती है। नरिश ब्रांड के तहत, कंपनी आटा, चावल, दालें और घी जैसे उत्पाद बनाती है। मेवे, पापड़, अचार, मुरब्बा, मसाले और रेडी-टू-ईट उत्पाद भी इसकी सूची में शामिल हैं। रामा श्यामा पेपर मिल भी बड़ी कंपनी है जो 25 वर्षों से क्राफ्ट पेपर बनाती है जिसका उपयोग पैकेजिंग उद्योग, विशेष रूप से कोरोगेटेड बाक्सों और अन्य पैकेजिंग आवश्यकताओं के लिए किया जाता है। खंडेलवाल इडेबल आयल, अशोका फोम, जल-आकाश समेत कई बड़े उद्योग बरेली की औद्योगिक पहचान में चार चांद लगा रहे हैं।

## ऐसे बना उद्योगों के लिए माहौल

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंन्द्रीय समिति के सदस्य विमल रेवाड़ी बताते हैं कि सबसे बड़े क्षेत्र परसाखेड़ा में करीब 1997 तक हालात बहुत अच्छे नहीं थे। उद्योग थे लेकिन उद्यम जैसा माहौल नहीं था। जड़ता थी, उड़ान भरने का उत्साह नहीं था। तब परसाखेड़ा नगर निगम के पास था। सड़कें, नालियों समेत इंफ्रास्टक्चर बेहद खराब था। बरसात का पानी फैक्ट्रियों में घुस जाता था। माल खराब हो जाता था। हमारे संगठन के बहुत प्रयासों बाद परसाखेड़ा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम यूपीसीडा ने ले लिया। इसके बाद बदलाव आया। माहौल बना तो नए उद्यम आए। वह भाजपा सरकार को उद्योगों के लिए संजीवनी मानते हैं। कहते हैं कि अब उद्यमियों से पूछा जाता है कि आपको क्या चाहिए। वह कहते है कि हम चाहते है कि उद्योगों में 35-40 प्रतिषत की ग्रोथ हो। इसके लिए सरकार से कुछ और भी अपेक्षाएं हैं जिसके बारे में संगठन ने बात की है।

## यूं हुआ औद्योगिक विकास

1900 से 1960 तक बरेली में कई बड़े उद्योग लग चुके थे। 1919 में इज्जतनगर में इंडियन वुड प्रोडक्ट्स लिमिटेड की स्थापना हुई। यहां बड़े पैमाने पर कत्था निकाला जाता था। 1924 में सीबीगंज में इंडियन टरपेंटाइन एंड रोजिन (आईटीआर) की स्थापना हुई। 1938 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (विमको) लगाई गई। इस कंपनी में बनी माचिस पूरे देश में पसंद की जाती थी। नेकपुर में 1932 में एचआर शुगर फैक्ट्री की स्थापना हुई। 1940 तक बरेली ने अपनी औद्योगिक पहचान मजबूत कर ली थी। 1960 में फतेहगंज पश्चिमी में एशिया की सबसे बड़ी रबर फैक्टरी लगी। इसके बाद समय का ऐसा पहिया घूमा कि उक्त पुराने उद्योग अलग-अलग कारणों से बंद होते रहे। सबसे बड़ा झटका रबर फैक्ट्री बंद होने से लगा। हालांकि तब तक परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया विकसित हो चुका था और नए उद्योग पंख फैलाने लगे थे।

### आंखों के रोगों में रामबाण माना जाता है बरेली का सुरमा

# सुरमा बरेली वाला

**बरेली।** बरेली का सुरमा किसी पहचान का मोहताज नहीं। आंखें सुर्ख हो गई हों, पानी आ रहा हो, दर्द कर रही हों या अन्य परेशानी हो... सभी बीमारियों के उपचार में रामबाण माना जाने वाला बरेली का सुरमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। भले ही अब इसे आंख संबंधी ड्रॉप और दवाइयों समेत नए-नए सौंदर्य प्रसाधनों से भारी चुनौती मिल रही हो। परंपरागत रूप से अभी भी लोगों का भरोसा सुरमा पर कायम है। बरेली में हाशम परिवार ने 1794 में सुरमा बनाना शुरू किया। 1971 में कारोबार संभालने वाले चौथी पीढ़ी के सदस्य एम हसीन हाशमी ने इसे देश-विदेश में मशहूर किया। अक्टूबर 2021 में उनकी मृत्यु के बाद सुरमा बनाने का कारोबार पांचवी पीढ़ी संभाल रही है।

**इन रोगों में लाभकारी :** यह आँखों को स्वस्थ रखता है। दृष्टि में सुधार करता है। आँखों को ठंडक और राहत देता है। इसका उपयोग दवा के रूप में भी किया जाता है। मोतियाबिंद, नाखूना, आंखों में जलन, आंख का जाला, पानी आना, लालिमा, पीलापन, कालेपानी जैसी समस्याओं में इसका उपयोग करते हैं। अलग-अलग रोग के लिए अलग-अलग सुरमा इस्तेमाल करते हैं। सुरमा ममीरा नंबर 777, सुरमा ममीरा 500, सुरमा ममीरा 555, सुरमा मोती, सुरमा गुलाब खास, सुरमी के अलावा कई अन्य तरह का सुरमा तैयार किया जाता है।

**उर्स के समय बढ़ जाती है मांग :** बरेली में सुरमा रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।

**गुणवत्ता ही पहचान :** शावेज हाशमी कहते हैं कि सुरमा बनाने का सबसे बेहतरीन तरीका अपनाते हैं जिससे सुरमा बहुत असरदार हो जाता है। सुरमा बनाते वक्त उसकी सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं करते। इसीलिए बरेली का सुरमा पूरी दुनिया में पहचान बनाए हुए है। बरेली से करीब 10 किलो सुरमा प्रतिदिन सप्लाई हो रहा है। वह बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत कई राज्यों में बरेली के सुरमा के कद्रदान हैं। पश्चिम बंगाल में इसकी मांग न के बराबर हैं क्योंकि वहां सुरमा का चलन नही है।

## ऐसे बनता है सुरमा

करीब 230 सालों से चले आ रहे कारोबार को संभाल रहे पांचवीं पीढ़ी के शावेज हाशमी बताते हैं कि सुरमा बनाने के लिए सऊदी अरब, मिस्र से एक खास पत्थर कोहिनूर मंगाया जाता है। पत्थर को छह महीने गुलाब जल और सौंफ के पानी में डुबोकर रखा जाता है। पत्थर को सुखाकर पीसा जाता है। इसकी 11-12 लेयर उतारी जाती हैं। आखिर में ऐसा हो जाता है कि उंगलियों के पोरों पर भी महसूस न हों। अंतिम चरण में, इसमें सोने, चांदी और बादाम का अर्क मिलाया जाता है। इसमें गुलाबजल, कपूर, ममीरा, पीपल, सौंफ आदि यूनानी एवं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां भी शामिल की जाती हैं। आखों की अलग अलग बीमारियों के हिसाब से सुरमा तैयार किया जाता है। बताया कि दिन भर में एक आदमी एक-सवा किलो पत्थर पीस पाता है। बाकरगंज में 25 परिवार वर्षों से सुरमा पीसने के काम में लगे हैं। वह बताते हैं कि सुरमा को ड्रॉप में भी लाने का प्रयास कर रहे हैं।

### बरेली में जरी जरदोजी के काम में लाखों लोगों को मिला है रोजगार

# जरी-जरदोजी... सलमा-सितारों की झिलमिल चुनरिया

**बरेली।** बरेली परंपरागत रूप से जरी-जरदोजी का गढ़ रहा है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर जरी का काम होता रहा है। यह उद्योग शहर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें तीन से चार लाख लोग काम करते हैं। रेशम, कटदाना मोती, कोरा कसाब, तार, नक्शी, नग, मोती, ट्यूब, चनाला, जरकन नोरी, पत्तियां, दर्पण जब किसी कपड़े पर टांके जाते हैं तो मुंह से वाह-वाह निकलता है। जरी जरदोजी के कपड़ों में लहंगे, सूट, साड़ी और गाउन के अलावा सोफों के कवर, कुशन, फ्रिज कवर, जूतियां शामिल हैं, जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बेचे जाते हैं। जरी की कढ़ाई वाले सूट, साड़ियों की मांग दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद और पंजाब में सर्वाधिक हैं। अमेरिका, अरब देशों समेत यूरोप के भी कुछ देशों में भी इसकी मांग है।

**घर-घर हो रहा काम :** जरी-जरदोजी का काम बरेली शहर के साथ आसपास के गांवों और कस्बों में बड़ी संख्या में होता है। बरेली में खासकर पुराना शहर इसका केंद्र है। मोहनपुर ठिरिया, फतेहगंज पश्चिमी, फरीदपुर, बहेड़ी, नवाबगंज में भी बड़ी संख्या में लोग इस काम से जुड़े हैं। पुराना शहर में हजारों घरों में पूरा परिवार अड्डे पर कारचोबी करता दिखाई देता है। घर के कामों से निपटने के बाद महिलाएं-युवतियां इस काम में जुट जाती हैं और परिवार को आर्थिक संबल देती हैं। जरी-जरदोजी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है।

**यूं होता है जरी का काम :** कपड़े को कढ़ाई के लिए लकड़ी के एक फ्रेम में फिट करते हैं। इसे अड्डा कहा जाता है। कढ़ाई हुक जैसी नोक वाले सुआ या आरी से होती है। दाना, मोती, कटदाना, सलमा, सितारा, दबका, बड़े ध्यान से लगाने पड़ते हैं। कारीगर इतने हुनरमंद हो जाते हैं कि उनकी उंगलियां रेशम, सलमा-सितारों से खेलती लगती हैं। इसके बावजूद नजर हटी और दुर्घटना घटी वाली स्थिति होती है। इतना बारीक काम है कि कारीगरों की आंखों पर समय से पहले चश्मा लग जाता है।

## मशीनों ने बढ़ाई मुश्किल

कलीम खां कहते हैं कि पैटर्न बदल रहा है जिसका असर कारोबार पर पड़ा है। कंप्यूटर से डिजाइन और मशीनों से कढ़ाई ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इससे अड्डों में बहुत कमी आई है जिससे रोजी-रोटी प्रभावित हुई है। वह कहते हैं कि पशमीना शॉल पर जरी की कढ़ाई होती है। एक शॉल की कीमत 30 हजार रुपये तक है। कारीगर को भी अच्छा पैसा मिलता है लेकिन ये शाल आम चलन में नही है इसलिए बहुत लाभ नहीं। ऐसे ही कुछ अन्य कपड़े भी हैं जिनसे हमें अच्छा लाभ हो सकता है लेकिन आम लोगों की पहुंच से बाहर होने के कारण हमें आर्डर नहीं मिलते। वह कहते हैं कि जरदोजी के काम में आने वालें कच्चे माल की बढ़ रही कीमतों से भी परेशान हैं। इसके मुकाबले तैयार माल की कीमत में कोई खास बढ़त नहीं हुई।

## दूसरे काम तलाश रहे कारीगर

जरी के काम में उस्ताद यूसुफ कारीगर निराशा जाहिर करते हैं। वह कहते हैं कि पहले जरी का काम घर-घर होता था। कोई चार से पांच लाख लोग इस काम में लगे थे। पूरा परिवार अड्डे पर बैठा दिखाई देता था। लेकिन अब वैसे हालात नहीं। अब साड़ियों की मांग कम हुई है। महिलाएं सूट या गाउन पहनती हैं। वैवाहिक आयोजन में लहंगा का चलन है। वे भी मशीनों से तैयार होने लगे हैं। लिहाजा कारोबार पर असर पड़ा है। दिन भर में 300 से 400 रुपये तक अड्डा उतार पाते हैं। इससे घर कैसे चलेगा। बड़ी संख्या में कारीगर ऑटो चलाने लगे या दूसरे काम कर रहे हैं। घरों में महिलाओं के जिम्मे ये काम हो गया है, ज्यादातर पुरुष दूसरे काम करने लगे। यहां के कारीगर अब पंजाब, दिल्ली समेत दूसरे शहरों में काम कर रहे हैं।

## जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण खाका

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण होता है खाका। बटर पेपर पर डिजाइन तैयार कर कपड़े पर छापा जाता है इसके बाद कढ़ाई शुरू की जाती है। खाका कारीगर राजू भाई कहते हैं कि बटर पेपर पर पेंसिल से डिजाइन बनाते हैं। इस डिजाइन को पिन या सुई से छेद कर लेते हैं। इसके बाद खाका को अड्डे पर लगे कपड़े पर छाप लेते हैं। छापने के लिए खड़िया, मिट्टी के तेल का घोल बनाते हैं। वह कहते हैं कि कंप्यूटर डिजाइन ने मुश्किलें बढ़ाई है। लोग कंप्यूटर से ही डिजाइन का प्रिंट निकलवा लेते हैं। हालांकि बरेली में अभी कंप्यूटर से प्रिंट निकलवाने का काम उतना ज्यादा नहीं है। फिर भी असर पड़ा है।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

# अमृत विचार

शनिवार, 29 नवंबर 2025

अगर आप केवल भविष्य के विषय में ही सोचते रहेंगे,
तो वर्तमान को भी खो देंगे।
–गुरु गोबिंद सिंह



## अंतरिक्षीय अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री द्वारा विक्रम–1 ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक निर्णायक मोड़ है। यह पहला अवसर है, जब किसी भारतीय निजी स्टार्टअप द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित ऑर्बिटल रॉकेट को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। साफ है कि देश अपने को सरकारी एजेंसी आधारित अंतरिक्ष शक्ति के रूप में सुस्थापित करने के बाद एक बहु-आयामी, नवोन्मेष–संचालित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के रूप में भी उभर रहा है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाने से वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में छोटे, सूक्ष्म और नैनो उपग्रहों की मांग और उनकी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दशक में, हजारों नए उपग्रह लॉन्च होंगे।

छोटे और मध्यम श्रेणी के उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए निजी कंपनियों के ऑर्बिटल लॉन्चर इसरो का भार काफी कम कर सकते हैं। यह क्षमता न केवल मिशनों की गति बढ़ाती है, बल्कि इसरो को वैज्ञानिक अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने का अवसर भी प्रदान करती है। देश में निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष गतिविधियों में प्रवेश देने का निर्णय इसरो के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद सरकार ने इन स्पेस की स्थापना की, निजी कंपनियों के लिए परीक्षण सुविधाएं खोलीं और स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। इसके परिणामस्वरूप आज सैकड़ों छोटी-बड़ी भारतीय निजी कंपनियां, उपग्रह निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, ग्राउंड–स्टेशन नेटवर्किंग, मिशन प्लानिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा लॉन्च सेवाओं तक के अनेक चरणों पर इसरो के साथ मिल कर कार्य कर रही हैं। इसी नयी खुली व्यवस्था का प्रभाव यह है कि आज भारतीय निजी रॉकेट कंपनियां विदेशी उपग्रहों को भी प्रक्षेपित कर रही हैं, विदेशी विश्वविद्यालयों तथा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के तकनीकी परीक्षण कर रही हैं और वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बना रही हैं। इससे भारत विश्व निवेशकों के लिए एक आकर्षक अंतरिक्ष-गंतव्य बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप में निवेश कई गुना बढ़ा है और यह क्षेत्र अब देश की उभरती 'न्यू स्पेस इकॉनमी' का नया केंद्र बनने लगा है।

सरकार की अंतरिक्षीय अपेक्षा है कि जैसे नासा और स्पेसएक्स जैसी निजी कंपनियां साझेदारी में काम करती हैं, वैसा मॉडल विकसित करे। देश में इस तरह की साझेदारी संरचना संभव है, बशर्ते विनियामक ढांचा अधिक आधुनिक एवं तेजी से निर्णय लेने वाला और प्रतियोगी हो। हमें इस दिशा में कुछ अतिरिक्त कदम भी उठाने होंगे। अंतरिक्ष बीमा को विकसित करना, टेक–टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना, निजी खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक नीति–स्थिरता सुनिश्चित करना और छोटे–मध्यम उपग्रह बाजार के लिए प्रोत्साहन योजना लागू करना, इस पूरे ईकोसिस्टम को और मजबूत कर सकता है। फिलहाल विक्रम–1 का अनावरण केवल एक रॉकेट की 'मुंह दिखाई' नहीं बल्कि यह भारत के 'नए अंतरिक्ष युग' का उद्घोष है। एक ऐसा युग, जिसमें सरकारी अनुसंधान और निजी नवाचार मिलकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

### प्रसंगवश

## भारत में जेआरडी टाटा ने शुरू की आठ घंटे की शिफ्ट

29 नवंबर वह दिन है, जब आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि, महान उद्योगपति जेआरडी टाटा (जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा) का निधन हो गया था। वे हमारे देश की उन महान शख्सियतों में से एक थे, जिन्होंने उद्योग, विमानन, विज्ञान और सामाजिक कल्याण हर क्षेत्र में देश को एक नई दिशा दी। उनको भारतीय उद्योग जगत में आधुनिकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। भारत की पहली वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एयरलाइंस (आज की एयर इंडिया) की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की, बल्कि कर्मचारियों के हित और सामाजिक विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जेआरडी टाटा को वर्ष 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। भारत रत्न पाने वाले वह पहले उद्योगपति थे। उन्हें 1955 में पद्म भूषण भी प्रदान किया गया। उन्हें एफएआई गोल्ड एअर मेडल, यूएनओ के एविएशन सम्मान और फ्रांस का लीजन डी'होनूर भी मिला।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

बहुत कम लोग जानते हैं कि वे भारतीय वायुसेना में 'ऑनरेरी एयर कमोडोर' के पद से सम्मानित किए गए थे, क्योंकि भारत की नागरिक उड्डयन नीति के निर्माण में उनका योगदान असाधारण था। जेआरडी टाटा का एक अनोखा शौक था- पत्र पढ़ना और लिखना। वे हर साल अपने कर्मचारियों के कुछ पत्र खुद पढ़ते और कई का जवाब हाथ से लिखकर देते थे। यह उनकी 'पीपल-फर्स्ट' सोच का आधार था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश, कर्मियों के लिए मेडिकल सुविधाएं, कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड, लाभांश का वितरण, वर्कर्स वेलफेयर स्कीम, वर्कर्स इंश्योरेंस, टाटा स्टील में आठ घंटे की शिफ्ट (भारत में पहली बार), उद्योग में जन-कल्याण मॉडल का नया खाका जैसी व्यवस्थाएं उस समय शुरू कर दी थीं, जब भारत में इनकी कोई कानूनी बाध्यता भी नहीं थी।

वे भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त पायलट थे। 1930 में भारत सरकार ने पायलट लाइसेंस जारी करने शुरू किए थे और जेआरडी टाटा लाइसेंस संख्या '1' के साथ भारत के पहले पायलट बने। 1932 में उन्होंने भारत की पहली निजी और वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एअर मेल शुरू की। इसकी पहली उड़ान कराची से मुंबई तक थी, जो स्वयं जेआरडी टाटा ने उड़ाई थी। बाद में यही एयरलाइन 1946 में एअर इंडिया बनी और 1948 में सरकार ने इसे राष्ट्रीय एयरलाइन का दर्जा दिया। सरकारीकरण के बाद भी जेआरडी टाटा लंबे समय तक एयर इंडिया के चेयरमैन रहे।

1938 में मात्र 34 वर्ष की आयु में वे टाटा सन्स के चेयरमैन बने। उनके नेतृत्व में टाटा समूह 13 कंपनियों से बढ़कर 70 से अधिक कंपनियों का विशाल औद्योगिक परिवार बना। उनकी सोच केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं थी, नेशन फर्स्ट (देश पहले) सिद्धांत उनकी हर नीति का आधार था।

वे उद्योग को केवल आर्थिक मशीन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था मानते थे। उनका विचार था कि जब आप कोई उद्योग चलाते हैं, तो आप केवल एक कंपनी नहीं चलाते, बल्कि समाज के जीवन स्तर को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने टाटा समूह को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) का अग्रदूत बनाया। वास्तव में वे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के पैरोकार थे तथा वे भारत में विज्ञान और शोध के बड़े समर्थक थे।

# नई श्रम संहिताएं सुधारों की ऐतिहासिक पहल

त्रिवेंद्र सिंह रावत
सांसद, हरिद्वार

भारत के श्रम कानूनों को काफी पुराना माना जाता है। आजादी के बाद से कामगार वर्ग की स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, फैक्ट्री अधिनियम 1881 का अपडेट 1948 प्रभावी रूप से लागू हुए, उस समय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न थी। उस समय देश में असंगठित क्षेत्र का विस्तार काफी बड़ा था, मजदूरों का कानूनी संरक्षण कमजोर था और वेतन निर्धारण के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय ढांचा मौजूद नहीं था उस दौर में इन अधिनियमों ने मजदूरों को कानूनी शक्ति दी।

समय के साथ अर्थव्यवस्था के बदलते ढांचे, लगातार बढ़ता औद्योगिकरण, सेवा क्षेत्र का विस्तार, अनौपचारिक श्रम की बढ़ती संख्या, आधुनिक कार्य स्थलों की ज़रूरतें यह स्पष्ट कर रही थी कि 1948 के कानून आज की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सीमित हैं। इस दिशा में वर्ष 1999 और 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने श्रम कानूनों के सलीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की, जिसका काफी लाभ श्रमिकों को मिला।

इस वर्ष 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताएं संसद द्वारा पांच-छः वर्ष पूर्व पारित की गई थीं, जिसमें वेज कोड-2019, औद्योगिक संबंध संहिता-2020, सामाजिक सुरक्षा संगीता-2020, व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्य स्थल स्थित संहिता- 2020 दशकों पुराने बिखरे हुए और जटिल श्रम कानून में बदलाव कर उन्हें आज के परिदृश्य के अनुरूप तैयार किया गया था। संसद से पारित होने के उपरांत पिछले पांच वर्षों से लगातार श्रमिक संगठनों और विभिन्न स्टेट होल्डर्स के साथ संवाद एवं चर्चा करने के बाद अब लागू किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। ये चार श्रम संहिताएं स्वतंत्रता के बाद अलग-अलग कालखंड में लगभग 40 से 77 वर्ष पुराने समय में बने 29 कानूनों को आज की तकनीक चलित, सेवा क्षेत्र प्रधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाली अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार किया गया है।

यह मुख्यतः वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता हैं, इन संहिताओं से श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य स्थल और समय पर भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गारंटी सुनिश्चित होगी। इन संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सरलता और एकरूपता है, जिससे नियमों का अनुपालन अधिक पारदर्शी होगा। इससे कर्मचारियों को अपने अधिकार समझने में आसानी होगी और नियोक्ताओं को कानून की अस्पष्टताओं से मुक्ति मिलेगी। नए श्रम सुधार केवल कानूनों में परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि देश के श्रम बाज़ार, औद्योगिक संरचना और सामाजिक सुरक्षा के भविष्य को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास हैं।

इन श्रम सुधारो का प्रभाव संक्षेप में निम्नवत समझा जा सकता है-

1. श्रम कानूनों का सरलीकरण- श्रमिकों के अधिकारों का सुदृढ़ीकरण न्यूनतम वेतन, समान वेतन, समय पर भुगतान जैसे अधिकार अधिक स्पष्ट और लागू करने योग्य बने हैं। ई-पंजीकरण और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण पारदर्शिता बढ़ेगी तथा श्रमिकों का शोषण कम होगा। ठेका श्रमिकों, प्लेटफॉर्म व गिग वर्करों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में प्रावधान किए गए हैं।

2. वेज कोड (वेतन कोड) सामाजिक सुरक्षा संहिता- ईएसआई, ईपीएफओ, मातृत्व लाभ, ग्रेच्युटी जैसी योजनाओं में अधिक श्रमिकों को शामिल करने की व्यवस्था असंगठित क्षेत्र को इसमें शामिल करना, जो भारत के कुल श्रमिकों का लगभग 90% से अधिक है, वे अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

3. उद्योगों के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' अनुपालन की प्रक्रियाएं डिजिटल होने से उद्योगों पर प्रशासनिक बोझ घटेगा। निरीक्षण का जोखिम और पारदर्शी सिस्टम भ्रष्टाचार को रोकेगा। इससे निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

4. औद्योगिक संबंधों में स्थिरता विवाद समाधान, पुनर्गठन, छंटनी और पुनर्नियोजन से जुड़े प्रावधानों को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। स्थायी उद्योगों में स्ट्राइक/लॉकआउट से संबंधित नियमों को संतुलित रूप से व्यवस्थित किया गया है, जिससे उत्पादन बाधित होने की संभावना कम होगी। इससे उद्योग और श्रमिक—दोनों के लिए स्थिर और सुरक्षित वातावरण बनाना आसान होगा।

5. व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस, हर प्रकार के खतरनाक, निर्माण संबंधी, फैक्ट्री और बहु-प्रतिष्ठान कार्यों में सुरक्षा मानकों पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश और आधुनिक तकनीक को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षा नियमों को समाहित किया गया है, इससे मजदूरों के हित सुरक्षित होंगे।

6. असंगठित और नई अर्थव्यवस्था के श्रमिकों को पहचान, गिग वर्कर, प्लेटफॉर्म वर्कर, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार- इन सबके लिए डेटाबेस, पोर्टल और सुरक्षा योजनाएं सुनिश्चित करने का रास्ता खुलेगा जो भविष्य में काम की बदलती प्रकृति (Digital Economy, App-based Work) के लिए कानूनों के ढांचे से सुरक्षित करेगा।

7. आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में सरल कानून और सुरक्षित श्रमिक से दोगुना लाभ होगा यह रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। यह सुधार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होंगे।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं। इनका लक्ष्य उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है और दूसरी ओर श्रमिकों को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।

### आमने

किसी परिवार में आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण पिता अपनी बेटी का दान न कर दे और वह उनके साथ रिश्ता न जोड़े। रोटी-बेटी का रिश्ता होने तक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण जारी रखा जाना चाहिए।
–संतोष वर्मा
आईएएस, मध्य प्रदेश

### सामने

एक आईएएस अधिकारी द्वारा 'बहन एवं बेटियों' को लेकर की गई टिप्पणी अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करने वाली है। किसी भी समाज के बहन एवं बेटियों के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता का परिलक्षण है।
–राजेंद्र शुक्ल
डिप्टी सीएम, मध्य प्रदेश

# खतरनाक होगा मेहमान पंछियों का फिर न आना

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इस साल प्रवासी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत में जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है। 2019 में तो यहां हजारों पक्षी मारे गए थे। पिछले साल यहां कोई 200 पक्षियों के मरने का आंकड़ा दर्ज है। इस साल मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सैंपल सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए, तो आशंका पुष्ट हो गई कि पक्षियों की मौत का कारण वही एवियन बोटुलिज्म है, जिसके कारण बीते कई सालों से मेहमान परिंदों के लिए सांभर झील कब्रगाह बनती जा रही है।

इस बात की परवाह किसी को नहीं है कि भारत में विदेशी पक्षियों के सबसे बड़े ठिकाने में से एक सांभर झील आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही हैं। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजाति के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही है। शायद कुदरत ने इन बेजुबान जानवरों को संभावित खतरे को भांपने की क्षमता भी दी है, तभी वे झील के नैसर्गिक स्वरूप में हो रही छेड़छाड़ से शायद सशंकित हो रहे हैं। यह सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिगरी तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़ कर आते हैं, किस तरह ठीक उसी जगह आते हैं, जहां उनके दादा-परदादा आते थे, विज्ञान के लिए अनसुलझी पहेली की तरह है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'सांभर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों- जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। सन् 1996 में 5,707.62 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्र वाली यह झील सन् 2014 में 4700 वर्ग किमी में सिमट गई। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ फीसदी- 196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अतः नमक-माफिया भी यहां की जमीन पर कब्जा करता रहता है।

इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बना रहे, इसके लिए इसमें मैया, रूपनगढ़, खारी, खंडेला जैसी छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है, तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली बीतते ही यहां विदेशी मेहमानों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं। पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज्म नाम के बैक्टीरिया की वजह से फैलती है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सांभर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है।

पुराने अनुभव बताते हैं कि यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देतें हैं व उनके पंख और पैर में लकवा हो जाता है। कमजोरी के चलते उनके प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो यही हुआ है कि पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाइपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पंछियो ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हो गई।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. आबिद आली के मुताबिक साल 2024 की तरह 2025 में त्रासदी का प्रारंभ सांभर के नमक वाले इलाके से हुआ है। झील में प्रवेश करने वाला औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है। याद करें सन् 2010 में भी लगभग इसी तरह हुई पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ।

दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने सांभर झील को रामसर साईट घोषित किए जाने के बाद अर्थात 24 मार्च 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है। सरकार ने आधी अधूरी जानकारी दी और झील का पानी और खराब होता गया। सांभर झील के पर्यावरण के साथ लंबे समय से की जा रही छेड़छाड़ भी पक्षियों के यहां से मुंह मोड़ने का बड़ा कारण है। एक तो सांभर साल्ट लिमिटेड ने नमक निकालने के ठेके कई कंपनियों को दे दिए, जो मानकों की परवाह किए बगैर गहरे कुंए और झील के किनारे दूर तक नमकीन पानी एकत्र करने की खाई बना रहे हैं। फिर परिशोधन के बाद गंदगी को इसी में डाल दिया जाता है।

विशाल झील को छूने वाले किसी भी नगर-कस्बे में घरों से निकलने वाले गंदे पानी को परिशोधित करने की व्यवस्था नहीं है और हजारों लीटर गंदा-रासायनिक पानी हर दिन इस झील में मिल रहा है।

प्रवासी पक्षियों का आना शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत के जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है।

### सोशल फोरम

## आर्किमिडीज की दो हजार साल पुरानी किताब

14 अप्रैल, 1229: लगभग 800 साल पहले एक भिक्षुक ने कुछ पुराने चर्मपत्रों को साफ करके, उन पर लिखी लिपि को मिटाकर, एक नयी प्रार्थना पुस्तक लिखी थी। उस समय पुस्तकों का ऐसा पुनर्प्रयोग एक आम बात थी। 800 साल के बाद यह पुस्तक वर्तमान के तुर्की में एक डेनिश वैज्ञानिक 'योहान लुडविग' को मिली। पुस्तक के सूक्ष्म निरीक्षण से उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि अक्षरों के नीचे मिटाए गए कुछ ऐसे धुंधले इंप्रेशंस थे, जो यह इशारा कर रहे थे कि पुस्तक का संबंध प्राचीन ग्रीस से है। मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और एक्स-रे तकनीक की सहायता से यह पता चला कि यह पुस्तक वास्तव में कैल्कुलस की मूल अवधारणाओं पर लिखी गई किताब थी, जिसे 2000 साल पहले महान ग्रीक वैज्ञानिक आर्किमिडीज ने लिखा था।

विजय सिंह ठकुराय
ब्लॉगर

अगर उस भिक्षुक ने इस पुस्तक को नष्ट नहीं किया होता तो क्या कैल्कुलस न्यूटन से कई शताब्दी पहले ही खोज लिया जाता? क्या हम ज्ञान-विज्ञान के स्तर पर समय से आगे होते? यकीन के साथ तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि कुछ दुर्योग अपरिहार्य हैं, इतिहास के कुछ पन्ने खो जाना ही शायद नियति का अंग है।

समूचे ब्रह्मांड का आकार निरंतर बढ़ रहा है। प्रति दस लाख प्रकाश वर्ष के क्षेत्र में हर क्षण लगभग 22 किमी का नया 'स्पेस' ब्रह्मांड के आकार में जुड़ जाता है। वर्तमान में हम किसी भी दिशा में ब्रह्मांड के 47 अरब प्रकाश वर्ष लंबे हिस्से को टेलिस्कोप की मदद से देख सकते हैं। इस सीमा का दायरा भविष्य में अधिकतम 62 अरब प्रकाश वर्ष होगा। अर्थात, 62 अरब प्रकाश वर्ष के परे का ब्रह्मांड हमारे लिए सदैव एक रहस्य ही रहेगा। कारण- 62 अरब प्रकाश वर्ष के बिंदु से परे का ब्रह्मांड प्रकाश गति से भी तेज हमसे दूर भाग रहा है। हमने ब्रह्मांड के बारे में आज तक जो जाना, उसका एकमात्र स्त्रोत आसमान में आकाशगंगाओं के रूप में अपनी आभा बिखेरती ये अनंत रोशनियां ही हैं। पर एक समय ऐसा आएगा, जब देखने के लिए क्षितिज पर कुछ होगा ही नहीं। आज से कुछ अरब साल बाद हमारे लोकल ग्रुप की 50 आकाशगंगाएं मिलकर एक महाविशालकाय संयुक्त गैलेक्सी को जन्म देंगी, पर ब्रह्मांड की अन्य समस्त आकाशगंगाएं क्षितिज से ओझल हो चुकी होंगी।

समय का चक्र अटल है। संयोग और दुर्योग घटित होते हैं और समय के कुछ पन्ने हमेशा के लिए खो जाना ही नियति है।

### सामयिकी

## गुम होते इंसान और खामोश पड़ा तंत्र

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से चर्चा में है। भारत में गायब लोगों के आंकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो अपने आप में अचंभित करता है। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट की मानें तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर पहुंचा दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है, लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब बताए गए हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे है। उनका रिकवरी रेट भी बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग न लगना, अपने आप में चौकाता है। जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे, जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बांग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा बढ़ा है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में आठ हजार के करीब लोग गायब हुए, जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके।

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रुकने के नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं, जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है, बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं, जो या तो पार्कों में खलने गए या ट्यूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीदसी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए, उनमें चौंकाने वाली बात ये निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिलीं। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती भी रहती हैं कि बड़े अस्पतालों में अप्रत्यक्ष रूप से किडनी गिरोह सक्रिए है? जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों और निर्बलों को टारगेट करते हैं।

देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपेज भी हुआ था, जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल और असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। पहली जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच सात हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र सरकार भी चिंतित है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

# मेघालय की मनोरम जयंतिया पहाड़ी

मेघालय की राजधानी शिलांग से कोई 275 किलोमीटर दूर पश्चिम जयंतिया हिल्स बेहद ही मनोरम स्थान है। जिले में बेहद ऊंची पहाड़ी पर विराजमान शक्तिपीठ, जहां आम दिनों में तो सन्नाटा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ता है और फिर रौनक देखते बनती है। पूजा-अर्चना, साधना, अराधना, भजन-कीर्तन और देवी मां के जयकारे के बीच बलि भी अर्पण की जाती है। चार दिन केले के पेड़ की पूजा कर उसे पास की नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वहां की सरकार सहयोग करती है। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है।

*-शैलेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर*

## छह सौ साल पहले राजा ने बनवाया था मंदिर

पुजारी अनिल देशमुख के मुताबिक कोई छह सौ साल पहले यहां राजा धन मनिक का साम्राज्य था। कहा जाता है कि उन्हें सपने में देवी ने दर्शन दिया और बताया कि जयंतिया पहाड़ी पर वह विराजमान हैं, वहां भवन बनवा दें। राजा ने वहां भव्य दुर्गा मंदिर का निर्माण करवाया और पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 1987 में केंद्र सरकार ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। अथिति गृह, पेयजल और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क भी बनवाई। पहाड़ियों के बीच बने इस मंदिर के आसपास का दृश्य बेहद मनोरम है। हरियाली और झरने मनमोहक हैं।

### यहां गिरी थी देवी सती की बाईं जंघा

मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती की बाईं जंघा गिरी थी। इसी कारण यह 51 शक्तिपीठ में से एक है। भगवान शंकर जब देवी सती का शव उठाकर ब्रह्मांड में दुखी होकर विचरण कर रहे थे, तो शव के अंग 51 स्थानों पर गिरे और वे स्थान शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से एक यह भी है। अमूमन श्रद्धालु असम के गुहावटी में स्थित मां कामाख्या के दर्शन कर लौट जाते हैं, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।

### अखंड ज्योति, पूजा-अर्चना और बलि भी

इस मंदिर में नवरात्र में उत्सव के दौरान बलि भी दी जाती है और इसके लिए खासतौर पर स्थान बनाया गया है। भजन-कीर्तन, पूजा, साधना और भंडारा होता है। देवी को अर्पण करने के लिए श्रृंगार का सामान मिलता है। ताजे फूल तो अमूमन नवरात्र में मिलते हैं। यहां बंगाल और असम के श्रद्धालुओं का जमावड़ा खासतौर पर होता है। यहां देवी दुर्गा के अलावा हनुमान, राम और कृष्ण जी की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं। बेहद शांत इस स्थान को ध्यान और अराधना के लिए खास माना जाता है।

### इस तरह पहुंच सकते हैं आप

गुहावटी तक ट्रेन या हवाई जहाज तक पहुंच सकते हैं। फिर टैक्सी से 275 किलोमीटर दूर जयंतिया जिले में स्थित इस शक्तिपीठ तक पहुंचा जा सकता है। चाहें तो शिलांग ठहर कर वहां के नजारे देख सकते हैं और फिर वहां से चेरापूंजी भी जा सकते हैं। पहाड़ी तक पक्की सड़क है और वाहन वहां तक जाते हैं।

# सारा मोटिवेशनल ज्ञान हुआ फुस्स

## जॉब का पहला दिन

अपनी नौकरी के पहले दिन को याद करना ठीक अपनी पहली प्रेमिका को याद करने जैसा है। जब मुझे नौकरी मिली तो उस समय मुझे ऐसा लगा कि मेरी नौकरी मिलने में मेरे हथेली की किसी प्रबल भाग्य रेखा का प्रबल योगदान रहा हो। दरअसल मेरे स्नातक करते ही मुझे नौकरी मिल गई थी और उस समय मेरी उम्र बमुश्किल चौबीस वर्ष थी। मेरे शरीर का भूगोल भी मेरी उम्रानुसार था। यहां उम्रानुसार से मेरा तात्पर्य यह है कि मेरा शरीर आज के सिक्स पैक की तरह या एट पैक की तरह नहीं था, लेकिन ऐसा भी दुबला-पतला नहीं था कि कोई देखते ही मुझे दधीचि कह दे।

खैर! मैंने नौकरी पर जाने से पहले उस समय के सबसे चर्चित मोटिवेशन की किताब लिखने वाले कुछ एक बड़े और चर्चित लेखकों की 'नौकरी पर पहले दिन कैसे जाए' की तीन-चार किताबें बुक स्टॉल से लाकर खूब पढ़ी और इसके गहन अध्ययन के बाद जब मैं नौकरी के पहले दिन समय ऑफिस के गेट पर पहुंचा, तो मेरे सारे किताबी ज्ञान का टॉवर ऐसे ध्वस्त हुआ कि जैसे किसी शहर की अवैध बिल्डिंग को सरकारी आदेश पर बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया हो। दरअसल उस किताब के किसी भी पैराग्राफ में यह कही भी नहीं लिखा हुआ था कि जब आप पहले दिन नौकरी पर जाएं तो आपको ऑफिस गेट पर बैठा हुआ गेटमैन जब नीचे से लेकर ऊपर तक आपको ऐसे देखे कि जैसे वह आपका एक्सरे निकाल रहा हो तब ऐसे में आप क्या करें?

खैर! उसके इस तरह के व्यवहार करने के पीछे उसकी अपनी कोई विभागीय गलती नहीं थी। मैं देखने से ही उस समय मिस मैच सा एक नौजवान लग रहा था। यानी उम्र और मेरे शरीर का उस समय पहने हुए शूट से मेल नहीं खा रहा था, जबकि इस शूट को खरीदने और सिलवाने के लिए मैंने शहर के सारे शूट स्पेशलिस्ट के यहां ऐसे यात्रा की कि जैसे कोई आधुनिक विदेशी यात्री ह्वेनसांग भारत में नौकरी पर पहले दिन शूट पहनकर जाने का वर्णन अपनी किसी शूट यात्रा की किताब में करने के लिए के लिए वह भारत की यात्रा पर आया हो। थोड़ी देर बाद मैंने अपनी झिझक छिपाते हुए गेटमैन से कहा कि मैं बैंक की इस शाखा का नया पीओ हूं, तो वह ससम्मान अपनी जगह से उठा और मुझे अपनी निर्धारित सीट पर बिठा आया।

अभी मुझे अपनी कुर्सी पर बैठे कुछ ही देर हुआ था कि एक-एक कर सारे कर्मचारी आकर अपनी-अपनी निर्धारित सीट पर बैठ गए, लेकिन एक बात जो मैंने उन सभी की आंखों में नोट की वह बात उन सभी का हूबहू गेटमैन की तरह ही मुझे अपनी तरफ देखना था। उनके इस तरह से देखने की वजह से मेरी हथेली मेरे लाख प्रयास करने के बावजूद भी थोड़ी बहुत पसीने से भीग चुकी थी, जबकि उस समय ऑफिस का एसी चल रहा था। अभी मैं इस हादसे से दो-चार था ही कि तभी मेरी मेज के पास आकर चपरासी ने जैसे ही कहा कि सर! आपको मैनेजर साहब ने अपनी केबिन में बुलाया है। यह सुनते ही मेरे चेहरे की दिवाल घड़ी जो अभी तक ठीक-ठाक चल रही थी, वह ऐसे हो गई जैसे बारह बजने वाले कांटे पर आकर बिगड़ गई हो।

अब चूंकि मैनेजर साहब ने बुलाया था, तो जाना ही था। सो कुर्सी से उठने से पहले मैंने अपने कंपनग्रस्त पैरों के अघोषित कंपन के प्रभाव को कम करने के लिए मैंने अपने जीवन की पहली बांधी हुई टाई को तीन-चार बार दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे ऐसे खींचा की जैसे इसके खींचने से मेरे आत्मविश्वास का गिरा हुआ प्लेटलेट साढ़े तीन लाख पार कर जाएगा। फिर मैं मैनेजर के केबिन की तरफ ऐसे चल पड़ा कि जैसे सोलह वर्ष के सचिन तेंदुलकर को मैंने पहली बार बैटिंग करने के लिए क्रिकेट मैदान में उतरते हुए टीवी पर देखा था।

मै आई कम इन सर? यस! कम इन। टेक योर सीट। मैं उनके इतना कहते ही कुर्सी पर ऐसे बैठ गया कि जैसे मैं किसी रिमोट से कुर्सी पर उठने और बैठने के लिए ही बना हुआ हूं या बनाया गया हूं। थोड़ी देर बाद उन्होंने मेरी तरफ देखा और चपरासी को बुलाकर उन्होंने मिठाई और नमकीन का ऑर्डर देने के साथ ही उन्होंने चपरासी से कहा कि इसे लेने जाने से पहले सभी को मेरी केविन में भेज दो। जब सभी लोग केबिन में आ गए, तो उन्होंने मेरा सभी से परिचय इतनी आत्मीयता और सहजता से कराया कि जैसे मैं उन सभी का कोई अपना ही हूं। इस बीच मैंने यह भी महसूस किया कि मैनेजर साहब बात में से बात निकालने और बनाने के पूरे सिद्ध पुरुष हो, क्योंकि उनकी हर तीसरी और चौथी बात पर सारा स्टॉप ऐसे हंस रहा था कि उतना तो शायद इस समय टीवी पर आ रहे कपिल शर्मा के लाफ्टर शो को देखने के बाद भी लोग नहीं हंसते होंगे। फिर मुझे थोड़ी देर बाद लगा कि जैसे उन्होंने जान बूझकर अपने हंसने और हंसाने की मात्रा थोड़ी सी कम कर दी हो ताकि उस केबिन में उनके हंसने और हंसाने की वजह से कोई हंसियोचित दुर्घटना न घटित हो जाए। इस बीच मैं कब सहज हो गया इसका मुझे कुछ पता ही नहीं चला। तभी उन्होंने मुझसे मुखातिब होते हुए कहा कि बरखुरदार! उनका बरखुरदार कहने का अंदाज भी बिल्कुल हिंदी सिनेमा के अजीत की तरह था।

उन्होंने मुझे कलम पकड़ाते हुए कहा, "आप अपनी नौकरी के पहले दिन का यह बेशकीमती तोहफा मेरी तरफ से कुबूल करें और यह हमेशा याद रखें, जब हम नौकरी के समय अपनी कुर्सी पर बैठकर इस कलम को खोलते हैं तब हम सभी उम्र नहीं उस नौकरी और उस कुर्सी की जिम्मेदारी होते है। नौकरी में हर दिन हम नया सीखते हैं।" मैं उनकी बातों से समझ गया कि उनकी अनुभवी आंखें यह भांप गई हैं कि अपनी नौकरी के पहले दिन कैसे जाएं? इस पर मैं मोटिवेशन की कोई किताब पढ़कर आया हूं। उनकी वह कलम और मेरे नौकरी पर पहले दिन जाने की वह शूट मेरे जीवन की आज भी एक अनमोल धरोहर है।

**-रंगनाथ द्विवेदी,** जौनपुर

## लव बर्ड्स

# घर वालों को मनाने में लग गए दो साल

हम दोनों 2010 में मिले थे। हमने इनकी कॉलोनी में घर शिफ्ट किया था, कुछ समय बाद हमारी दोस्ती हो गई, साथ में बचपन बीता। साथ-साथ खेले, बड़े हुए और हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी, लेकिन हमारे पास बातचीत करने का कोई प्रमुख जरिया नहीं था। हम एक-दूसरे को पत्र लिखते थे और हमारे कॉमन दोस्त ये पत्र पहुंचाते थे। रास्ते में कभी मुलाकात हो जाने पर थोड़ी-बहुत बात हो जाती थी। कुछ समय बाद मोबाइल फोन मिला, तो फेसबुक पर बात शुरू हुई।

इसी बीच मेरे परिवार का वैष्णोदेवी यात्रा का प्रोग्राम बना। हम दोनों के परिवार साथ में वैष्णोदेवी गए। वहां बहुत एंजॉय किया उसी दौरान हमने अपनी भावनाएं एक-दूसरे से शेयर कीं। मेरी 2019 पढ़ाई खत्म हुई। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव भी आए, जिसमें इन्होंने मेरा साथ दिया। इसी दौरान अचानक 2019 में ही एक दिन ऋषि ने मुझे प्रपोज किया। मुझे बहुत अच्छा लगा, मैंने स्वीकार कर लिया। सब अच्छा था एक दिन मेरे पापा को पता चल गया, उसके बाद भी हम बात करते थे। हां इतना जरूर था कि बाते पहले से कम हो गई थी। बातचीत में ही हमने तय 2021 में तय किया कि हम दोनों को शादी करनी है। घर वाले तैयार नहीं थे, पर हमने हिम्मत नहीं हारी, एक-दूसरे के प्यार और भरोसे के सहारे घर वालों को मनाने में दो साल निकल गए। अंत में हमारे प्यार की जीत हुई, घर वाले मान गए और 19 अक्टूबर 2023 को हमारी सगाई हुई। उसके एक साल बाद 24 नवंबर 2024 में हमारी शादी हो गई। पांच दिन पहले ही बड़ी धूमधाम से हमने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मनाई है।

***-नेहा मखीजा और ऋषि पंजवानी,*** *अयोध्या*

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 85,700.29 | 26,200.60 |
| गिरावट | 13.71 | 14.95 |
| प्रतिशत में | 0.02 | 0.06 |

**सोना 1,30,160** प्रति 10 ग्राम

**चांदी 1,71,200** प्रति किलो


# अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 29 नवंबर 2025

www.amritvichar.com




## बिजनेस ब्रीफ

### भांजु ने खोला टेक्सास में पहला गणित केंद्र

**नई दिल्ली।** वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे गणित सिखाने वाले मंच 'भांजु' ने अमेरिका में अपना पहला ऑफलाइन शिक्षण केंद्र शुरु किया है। कंपनी के बयान के मुताबिक इस कदम से उसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार और दुनिया भर के बच्चों के लिए गणित को दिलचस्प और आसान बनाने में मदद मिलेगी। नया केंद्र टेक्सास के मैकिनी में शुरू किया गया है। भांजु की शिक्षण पद्धति तेज गणित, कहानियों, खेल और एआई टूल्स को मिलाकर मजेदार और तेज गति से गणित सिखाती है। बयान के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कतर, यूएई, अमेरिका सहित दुनिया के 16 देशों में प्रवासी भारतीयों के 50,000 से अधिक बच्चों ने अब तक भांजु के साथ चार करोड़ से अधिक समीकरण हल किए हैं।

### बंगाल में एक लाख छात्रों के ऋण स्वीकृत

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की 'छात्र क्रेडिट कार्ड' योजना के तहत एक लाख से अधिक छात्रों के ऋण आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। ममता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्च शिक्षा को समर्थन देने के लिए शुरू की गई पहल के तहत छात्र मामूली ब्याज दर पर 10 लाख रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार ब्याज पर सब्सिडी देती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह योजना उभरती प्रतिभाओं को उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करती रहेगी। देश या विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई पर पैसे का बोझ कम करने के लिए यह योजना वर्ष 2021 में शुरू की गई थी।

### टोरेंट फार्मास्युटिकल्स पर 41 करोड़ जुर्माना

**नई दिल्ली।** केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने वस्तु के निर्यात पर गलत 'रिफंड' के लिए टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पर 41 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अहमदाबाद दक्षिण आयुक्त कार्यालय में सामान्य न्यायनिर्णय प्राधिकरण (केंद्रीय जीएसटी) के संयुक्त आयुक्त, ने 41,33,84,165 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है।

# जीडीपी आंकड़े सरकार की नीतियों–सुधारों का प्रतिबिंब : मोदी

## वृद्धि को बताया उत्साहजनक, कहा- सुधारों को बढ़ावा देना और जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जोरदार वृद्धि के आंकड़ों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि ये केंद्र सरकार की नीतियों के सुधारों को प्रतिबिंबित करते हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो छह तिमाहियों में सबसे अधिक है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर काफी उत्साहजनक है। यह वृद्धि के अनुकूल हमारी नीतियों और सुधारों के असर को दिखाता है। यह देश के लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमिता को भी प्रतिबिंबित करता है। हमारी सरकार सुधारों को बढ़ावा देना और हर नागरिक के लिए जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेगी। सीतारमण ने एक्स पर लिखा, जीडीपी के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और गति को दर्शाते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि दर का कारण सतत वित्तीय अनुशासन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और विभिन्न सुधार हैं जिनसे उत्पादकता बढ़ी है और कारोबार की आसानी में सुधार हुआ है।

**• अर्थव्यवस्था की तेज गति दर्शाते हैं ताजा आंकड़े : सीतारमण**

केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर अपने पोस्ट के साथ जीडीपी के आंकड़ों वाली सरकारी विज्ञप्ति का लिंक साझा किया है। उन्होंने इस पोस्ट को शीर्षक दिया है, 'भारत की वृद्धि की रफ्तार तेज हुई'। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि विनिर्माण, निर्माण, रियल एस्टेट तथा पेशेवर सेवा आदि उत्पादकता बढ़ाने और जीवंत आर्थिक वातावरण तैयार करने में योगदान दे रहे हैं। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतिगत स्थिरता और निरंतरता का परिणाम है जो दीर्घावधि स्थिरता और वृद्धि को बल दे रहा है।

## सेंसेक्स और निफ्टी स्थिरता के साथ बंद

**मुंबई।** आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े आने के पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसक्स 13.71 अंक यानी 0.02% गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 12.60 अंक यानी 0.05% गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में दो दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। दोनों सूचकांक बृहस्पतिवार को अपने नए शिखर पर पहुंच गए थे।

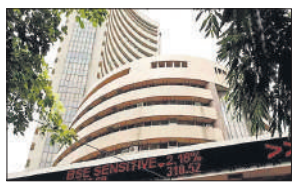

### सोना-चांदी में तेजी

**नई दिल्ली।** वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के कारण शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,30,160 रुपये 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत में भी लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 3,000 रुपये मजबूत हुई। 99.5% शुद्धता वाले सोना 700 रुपये बढ़कर 1,29,560 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।

# केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6% पर

## सीजीए ने जारी किए अप्रैल से अक्टूबर तक वित्तीय वर्ष के सात महीनों के आंकड़े

**नई दिल्ली, एजेंसी**

वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.6 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में सरकार की आय एवं व्यय के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 46.5 प्रतिशत रहा था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 8,25,144 करोड़ रुपये रहा। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 15.69 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4.4 प्रतिशत होगा। केंद्र की कुल आय अप्रैल-अक्तूबर 2025 की अवधि में 18 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें 12.74 लाख करोड़ रुपये कर राजस्व, 4.89 लाख करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व और 37,095 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत आय शामिल है। इस दौरान केंद्र से राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 8,34,957 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1,11,981 करोड़ रुपये अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र सरकार का कुल खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 20 लाख करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 6.17 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च हुए। राजस्व व्यय में से 6.73 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 2.46 लाख करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी पर खर्च किए गए।

### विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर और घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार के मूल्य में भारी गिरावट के कारण मुद्रा भंडार में कमी आई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर घटकर 560.6 अरब डॉलर रह गईं।आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.67 अरब डॉलर घटकर 104.18 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.57 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा।

### भारत 7% जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों की वृद्धि में होगा अग्रणी

**नई दिल्ली।** भारत 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों और एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा। रेटिंग एजेंसी 'मूडीज रेटिंग्स' ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के घरेलू वृद्धि चालक इसकी आर्थिक मजबूती को बल देते हैं। हालांकि भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है लेकिन फिर भी अधिकतर 'रेटेड' कंपनियों के पास सक्रिय मुद्रा जोखिम प्रबंधन या मजबूत वित्तीय भंडार हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत उभरते बाजारों और पूरे क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा जिसकी जीडीपी 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का अनुमान है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2026 में औसत 3.4 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। 2025 में इसके 3.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2024 में यह 3.3 प्रतिशत थी। मूडीज ने कहा कि भारित औसत के आधार पर उभरते बाजार इस क्षेत्र में जीडीपी की वृद्धि को गति देंगे। इसकी औसत वृद्धि 5.6 प्रतिशत होगी जबकि उन्नत बाजारों में औसत वृद्धि 1.3% रहेगी।

**मूडीज का दावा**

## सर्राफा हॉलमार्किंग लागू कर सकती है सरकार

**नई दिल्ली।** चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ, उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

**• प्रयोगशाला में बने हीरे का भी बनाया जा सकता है मानक**

हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है। जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है।उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया क्या है, रुझान क्या है। हमारे लिए सबसे जरूरी है कि देश में चांदी के आभूषण पहनने वाले उपभोक्ता भी भरोसेमंद उत्पाद खरीदें।

खरे ने बताया कि बाद में चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया जा सकता है। पहले भी 20 साल तक सोने की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक ही थी। चालू वित्त वर्ष में अब तक 8.44 करोड़ सोने के आभूषण हॉलमार्क किए जा चुके हैं।

## एप्पल नोएडा में खोलेगा पांचवां भारतीय स्टोर

**नई दिल्ली।** एप्पल ने भारत में पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने जा रहा है। कंपनी के बयान के अनुसार, डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित एप्पल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। कहा गया, यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को एप्पल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही एप्पल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।

## सोशल मीडिया पर नाम, पंजीकरण संख्या दिखाना होगा अनिवार्य

**नई दिल्ली।** सेबी ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया कि उसके नियंत्रण वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट (म्यूचुअल फंड वितरक, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा वितरक आदि) अपने सोशल मीडिया मंच के होम पेज पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं। इसके अलावा हर वीडियो या कंटेंट के साथ भी यह जानकारी देनी होगी।

यह प्रस्ताव इसलिए आया है क्योंकि सेबी ने पाया कि सोशल मीडिया पर नियमित और गैर-पंजीकृत लोगों का कंटेंट मौजूद है, जिससे निवेशक गुमराह हो रहे हैं। ऐसे में नाम और पंजीकरण संख्या दिखाने से निवेशकों को तुरंत पता चल जाएगा कि कंटेंट किसी अधिकृत संस्था का है या नहीं। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि सोशल मीडिया पर डाला जाने वाला कोई भी 'कंटेंट' पक्के प्रतिफल का वादा न करे, ऐसी कोई बात न कही जाए तो कानूनन प्रतिबंधित हो और निवेशकों में जानकारी की कमी का फायदा उठाने की कोशिश न की जाए।

**सेबी ने दिया प्रस्ताव**

## राष्ट्रीय

# बौद्धों ने हिंदू कानूनों से मांगी मुक्ति विधि आयोग को भेजा गया मामला

## सुप्रीम कोर्ट ने बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी की याचिका पर विचार करने को कहा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विधि आयोग से एक बौद्ध समूह की उस याचिका पर विचार करने को कहा है, जिसमें कहा गया है कि बौद्धों पर भी लागू होने वाले 'हिंदू पर्सनल लॉ' के कुछ प्रावधान धर्म की स्वतंत्रता के साथ उनके मौलिक अधिकारों के भी खिलाफ हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 'बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई करते हुए विधि आयोग से इसे एक प्रतिवेदन के रूप में मानने को कहा कि कुछ मौजूदा कानूनी प्रावधान बौद्ध समुदाय के मौलिक अधिकारों और सांस्कृतिक प्रथाओं के विपरीत हैं, जिसके मद्देनजर इसमें संवैधानिक और वैधानिक बदलावों की आवश्यकता है।

बौद्ध भी हिंदुओं के लिए बने कानूनों के दायरे में आते हैं, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956, हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 और हिंदू दत्तक ग्रहण और देखभाल अधिनियम, 1956 द्वारा निर्दिष्ट है। संविधान के अनुच्छेद 25 में बौद्धों, जैनियों और सिखों को इन कानूनों के प्रयोजनों के लिए 'हिंदू' की परिभाषा में शामिल किया गया है। सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने याचिका में मांगी गई राहत की प्रकृति पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बौद्ध एक अलग समुदाय है और यह मुद्दा कई बार उठाया गया है।पीठ ने कहा कि विधि आयोग देश में एकमात्र विशेषज्ञ निकाय है और आमतौर पर इसका नेतृत्व उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। उन्होंने कहा, वे आप जैसे व्यक्ति का स्वागत करेंगे और सहायता प्राप्त करेंगे। विधि आयोग ऐसे संवैधानिक संशोधनों के लिए सिफारिशें कर सकता है। पीठ ने कानून और न्याय मंत्रालय के दिसंबर 2024 के एक पत्र पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि 21वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर अपने विचार-विमर्श में इस मुद्दे पर भी ध्यान दे रहा है और विभिन्न हितधारकों के विचार मांगे गए हैं।

### महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों को दी अनुमति

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति दे दी हालांकि यह स्पष्ट कर दिया कि परिणाम राज्य के संशोधित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को चुनौती देने वाले मामले के अंतिम नतीजे पर निर्भर करेंगे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने बांठिया आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ओबीसी के लिए एक नए आरक्षण ढांचे को लागू करने के महाराष्ट्र के फैसले पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने निर्देश दिया, नगर पंचायतों और नगर निगमों के चुनाव होंगे। हालांकि, 40 नगर निगमों और 17 नगर पंचायतों के परिणाम अंतिम फैसले के अधीन रहेंगे। पिछले सप्ताह, उच्चतम न्यायालय ने उन खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी कि उसके पहले के निर्देशों की गलत व्याख्या की जा रही है।

### रिपोर्ट की अनदेखी करने पर केरल के राज्यपाल को सुप्रीम फटकार

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर कार्रवाई में देरी पर शुक्रवार को केरल के राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई। न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वह समिति की सिफारिशों पर बिना किसी और देरी के फैसला लेंगे। राज्यपाल मामले को अनिश्चित काल तक लंबित नहीं रख सकते। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी न्यायाधीश धूलिया की रिपोर्ट की स्थिति की समीक्षा के दौरान की। गौरतलब है कि न्यायाधीश धूलिया को उप कुलपतियों की नियुक्तियों की कानूनी मान्यता और औचित्य की जांच करने का काम सौंपा गया था। पीठ ने कहा कि मामले का समय पर समाधान होना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि लंबे समय तक अनिश्चितता विश्वविद्यालय के कामकाज पर असर डालती है।

**• कुलपतियों की नियुक्ति का मसला कहा- राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए नहीं रोक सकते मामला**

## सिद्दारमैया सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का एलान

**उडुपी।** भाजपा की कर्नाटक इकाई ने शुक्रवार को राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना की घोषणा की है। पार्टी ने इसका मुख्य कारण राज्य नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी कलह के कारण प्रशासनिक विफलता को बताया है।

भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए, सरकार को 'दु:शासन प्रशासन' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस शासन में लगभग 90 प्रतिशत मंत्री विधानसभा अनुपस्थित रहते हैं। कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद को बड़े पैमाने पर मैसूर तक ही सीमित कर लिया है, जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार लगातार नई दिल्ली की यात्रा करते रहते हैं, जिससे व्यवस्था अस्तव्यस्त हो गई है। भाजपा नेता ने कांग्रेस के भीतर शीत युद्ध की ओर भी इशारा किया और कहा कि यह स्थिति अव्यवस्था का स्पष्ट उदाहरण है।

# आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा– खून से सने हैं सीईसी के हाथ

**• पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत होने का लगाया आरोप**

**नई दिल्ली, एजेंसी**

निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते तृणमूल सांसद।

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के ''हाथ खून से सने हैं।''

पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर की प्रक्रिया बीच, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन के नेतृत्व में पार्टी के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोकसभा सदस्यों में शताब्दी रॉय, कल्याण बनर्जी, प्रतिमा मंडल, साजदा अहमद और महुआ मोइत्रा तथा राज्यसभा सदस्यों में डोला सेन, ममता ठाकुर, साकेत गोखले और प्रकाश चिक बडाइक थे। ओब्रायन ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी ने पांच सवाल उठाए, लेकिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनका कोई जवाब नहीं दिया। ओब्रायन ने कहा, हमने बैठक की शुरुआत ही यह कहते हुए की कि सीईसी के हाथ खून से सने हैं। हमने पांच सवाल उठाए। इसके बाद करीब 40 मिनट में कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और ममता बाला ठाकुर ने अपनी बात रखी और जो कहना था वो कहा।

उन्होंने कहा, इसके बाद सीईसी ने एक घंटे तक बिना रुके बात की। जब हम बोल रहे थे, तब हमें भी नहीं टोका गया, लेकिन हमें हमारे पांच सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं मिला।

# दिल्ली : स्कूलों में नर्सरी के प्रवेश मानदंड में घर से दूरी मुख्य कारक

**नई दिल्ली, एजेंसी**

दिल्ली के निजी स्कूलों ने शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी दाखिले के लिहाज से अपने मानदंड जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें स्कूल के पते से बच्चे के घर की दूरी सबसे अधिक अंक वाला कारक है और कुछ स्कूलों ने इसे 55 अंक तक दिए हैं।

द्वारका स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल से 0-12 किमी के दायरे में रहने वाले आवेदकों को अधिकतम 55 अंक आवंटित किए हैं, इसके बाद 12-15 किमी दूर रहने वालों के लिए 45 अंक तथा 15 किमी से अधिक दूरी के लिए 35 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्कूल ने पहले से पढ़ रहे छात्र के भाई-बहन, पूर्व छात्र और कर्मचारियों के बच्चे वाली श्रेणियों के लिए 15-15 अंक निर्धारित किए हैं। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने चार किमी के दायरे में रहने वाले या स्कूल परिवहन वाले इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए 50 अंक निर्धारित किए हैं। बच्चे की स्थिति श्रेणी के अंतर्गत, स्कूल ने पहले जन्मे बच्चे के लिए 30 अंक और दूसरे जन्मे बच्चे के लिए 20 अंक निर्धारित किए हैं। इसे साथ ही भाई-बहनों, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए हैं। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि उनके मापदंड भी दूरी, भाई-बहनों को प्राथमिकता, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों पर केंद्रित रहेंगे।

## गुजरात में दिल के दौरे से बीएलओ की मौत, विपक्ष ने साधा निशाना

**मेहसाणा।** मेहसाणा जिले में एसआईआर के लिए बीएलओ के रूप में कार्यरत एक शिक्षक की शुक्रवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। विपक्षी दल कांग्रेस और शिक्षक संघ ने बीएलओ की मौत का कारण अत्यधिक काम का दबाव और सुविधाओं की कमी बताया।

सतलासना थाने के एक उपनिरीक्षक ने बताया, सुदासना गांव निवासी दिनेश रावल (50) की बृहस्पतिवार रात्रि घर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह सरकारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थे। जाला ने बताया कि रावल की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें वडनगर के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दिल का दौरा बताया गया है तथा उनके परिवार ने अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। हालांकि, कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने आरोप लगाया कि बीएलओ पर निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने का भारी दबाव है। गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिग्विजयसिंह जडेजा ने कहा कि उन्हें अन्य शिक्षकों से पता चला है कि रावल बीएलओ संबंधी कार्य के कारण दबाव में थे।

## भ्रष्टाचार मामले हस्तांतरित करने की राबड़ी की याचिका पर सीबीआई-ईडी को नोटिस

**नई दिल्ली, एजेंसी**

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तीन मामलों को किसी दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली उनकी याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा।

राबड़ी देवी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए इन मामलों को दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ ये तीन मामले ज़मीन के बदले नौकरी और आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला से संबंधित हैं। इनमें से दो मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है, जबकि एक की जांच सीबीआई कर रही है।अदालत ने अगली सुनवाई छह दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की है।

## श्री राम की सबसे ऊंची प्रतिमा का हुआ अनावरण

**पणजी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में शुक्रवार को भगवान श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व में राम की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुनर्जागरण भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है।

## निजी स्टार्टअप : अंतरिक्ष में छलांग

भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लगभग 250 स्टार्टअप चल रहे हैं जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन स्टार्टअप का उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने और देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने में मदद करना है।

सरकार ने इन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें से एक प्रमुख कदम है 1000 करोड़ रुपये के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना, जो इन स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। इसके अलावा, सरकार ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य कार्यक्रमों और पहलों की भी शुरुआत की है



- **अंतरिक्ष अनुसंधान :** निजी स्टार्टअप्स के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें नए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकसित करने का मौका मिलता है ।
- **उत्पादन :** निजी स्टार्टअप्स के लिए उत्पादन एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को बाजार में उतारने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।
- **निर्यात :** निजी स्टार्टअप्स के लिए निर्यात एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को विदेशी बाजारों में बेचने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।

### निजी स्टार्टअप से देश को लाभ

- **आर्थिक विकास :** निजी स्टार्टअप्स के माध्यम से देश में आर्थिक विकास हो सकता है, क्योंकि वे नए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी में उन्नति :** निजी स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी में उन्नति को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की प्रौद्योगिकी क्षमता में सुधार होता है।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि :** निजी स्टार्टअप्स अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की अंतरिक्ष क्षमता में सुधार होता है।

### सरकार की सहायता

- **आईएन-स्पेस :** सरकार ने आईएन-स्पेस की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान करता है।
- **वेंचर कैपिटल फंड :** सरकार ने वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को वित्तीय समर्थन प्रदान करता है ।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना :** सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है, जो निजी स्टार्टअप्स को उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है ।

### प्रमुख स्टार्टअप

- **कैटालिक्स स्पेस :** इसके स्व-ऑपरेटिंग स्पेस लैब्स आपके विचारों को अंतरिक्ष में ले जाते हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाते हैं।
- **स्काईरूट एयरोस्पेस :** यह स्टार्टअप लॉन्च वाहनों को विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष में सस्ती पहुंच प्रदान करते हैं।
- **पिक्सेल :** यह स्टार्टअप एक उच्च रिज़ॉल्यूशन हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन बना रहा है।
- **न्यू स्पेस :** यह स्टार्टअप अगली पीढ़ी की एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है ।
- **अग्निकुल :** यह माइक्रो-नैनो सैटेलाइट्स के लिए ऑर्बिटल क्लास रॉकेट बना रहा है।
- **सैटश्योर :** यह सैटेलाइट डेटा से कृषि व जैसे क्षेत्रों में निर्णय लेने की बुद्धिमत्ता देता है।
- **ध्रुव स्पेस :** यह स्पेस आधारित अनुप्रयोगों के लिए एकीकृत समाधान देता है, जिसमें सैटेलाइट, अर्थ स्टेशन, और लॉन्च सेवाएं शामिल हैं।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### आईएनएस करमुक ने अभ्यास में लिया भाग

**सिंगापुर।** भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) करमुक सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लेकर सप्ताह भर की भागीदारी पूरी करने के करीब है। एसआईटीएमईएक्स का पांचवां संस्करण 23 नवंबर को शुरू हुआ और इस वर्ष सिंगापुर गणराज्य की नौसेना द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समुद्री सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तीनों देशों की नौसेनाओं की सामूहिक क्षमता को मजबूत करना है।

### सीरिया में इजराइली हमलों में 10 की मौत

**दमिश्क।** सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिण-पश्चिम बॉर्डर पर मौजूद बैत-जिन्न शहर में शुक्रवार तड़के इजराइली हमलों में 10 लोगों की मौत हो गई। सीरिया के टीवी चैनल अल-अखबारिया के अनुसार इन हवाई हमलों के बाद कई लोग मलबे में भी दबे हुए हैं। इलाके में इजराइल के ड्रोन की मौजूदगी के कारण बचाव कार्य प्रभावित हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इसराइल के कुछ सैनिक गश्त करते हुए बैत जिन्न पहुंच गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें घेर लिया।

### रूस-वेनेज़ुएला में 19 समझौतों पर हस्ताक्षर

**मॉस्को।** रूस और वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडलों ने शिक्षा, अनुसंधान, युवा नीति, तेल उत्पादन, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाले तीन समझौतों सहित कुल 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों ने उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी रूसी-वेनेजुएला आयोग की बैठक के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही 15 सहयोग समझौतों पर भी दोनों हस्ताक्षर किए गये हैं। हस्ताक्षर समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप प्रधानमंत्री दिमित्री चेर्निशेंको ने किया।

### तुर्किये में पोप लियो का गर्मजोशी से स्वागत

**इस्तांबुल।** पोप लियो 14वें ने तुर्किये की अपनी पहली विदेश यात्रा में कैथोलिक समुदाय को देश में अपनी छोटी आबादी को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस यात्रा का उद्देश्य ईसाइयों को प्रोत्साहित करना और एकता कायम करने के सदियों पुराने प्रयासों को आगे बढ़ाना है। तुर्किये की अपनी यात्रा के पहले दिन इस्तांबुल में स्थित कैथेड्रल ऑफ द होली स्पिरिट के अंदर और बाहर पोप के समर्थन में नारे लगाए गए।

# मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज

## चाणक्य रक्षा संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-हमारा शांति और वार्ता में विश्वास

- राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शांति और वार्ता में विश्वास करता है, लेकिन जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की बात आती है, तो वह कोई समझौता नहीं करता। चाणक्य रक्षा संवाद में उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकी क्षमताओं और सिद्धांतों का पालन करने वाली विदेश नीति ने इसे बदलते वैश्विक परिवेश में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज़ बना दिया है, और हिंद-प्रशांत तथा ग्लोबल साउथ के देश हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखते हैं।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य ऐसे देशों से है जिनका आर्थिक और औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है। सिंह ने कहा कि भारत जिम्मेदारी की भावना, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों में निहित आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चर्चाओं को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास करता है, लेकिन जब बात लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि भारत ने अग्रणी सुधारों और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान तथा नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपने निरंतर रुख के कारण वैश्विक विश्वास अर्जित किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क को मजबूत करने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकियों और ढांचों के माध्यम से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं।आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक परिवेश का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। सिंह ने कहा कि भारत स्टार्ट-अप, डीप-टेक क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रहा है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे। डीप टेक से तात्पर्य उन कंपनियों और स्टार्टअप से है, जो महत्वपूर्ण वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग नवाचार, जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग या जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। रक्षामंत्री ने भारत को नए दौर के लिए तैयार करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इन सुधारों की बदौलत ही भारत सशक्त, सुरक्षित और विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि जब हम 'सुधार से बदलाव' की बात करते हैं, तो हम सिर्फ़ प्रक्रिया या नीति की बात नहीं कर रहे होते। हम सिर्फ़ मौजूदा हालात में बदलाव की बात नहीं कर रहे होते। हम भारत को एक नए दौर के लिए तैयार करने की बात कर रहे हैं जो इसे सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत में बदल देगा।



नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में चाणक्य रक्षा संवाद 2025 का उद्घाटन करते हुए रक्षामंत्र राजनाथ सिंह। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे।

### व्यापक सुधार एक रणनीतिक जरूरत

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद सहित विभिन्न क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत बनाने के लिए सेनाओं सहित सभी संस्थाओं में व्यापक सुधारों पर जोर देते हुए कहा है कि ये विकल्प नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। कहा कि जब हम दुनिया के माहौल और अपने पड़ोस की असलियत को देखते हैं, तो एक बात बहुत साफ़ हो जाती है, हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुरानी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर सकते।

## कनाडा में आग, भारतीयों सहित 5 की मौत

**ओटावा, एजेंसी**

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन में भीषण आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने प्रभावित परिवार से संपर्क किया है तथा उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रैम्पटन में हुई विनाशकारी आग की घटना में भारतीय नागरिकों की मौत से हम बहुत दुखी हैं।

वाणिज्य दूतावास शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। सीटीवी न्यूज के मुताबिक आग 19-20 नवंबर की देर रात 2.15 बजे मैकलॉघलिन और रिमेंबरेंस रोड के क्षेत्र में 12 बनस वे पर लगी। आग की घटना में तीन महिलाओं और एक छोटे बच्चे की मौत हो गई। पूरे प्रकरण की जांच ओंटारियो के फायर मार्शल कार्यालय द्वारा की जा रही है। कांस्टेबल टायलर बेल ने बताया कि घटनास्थल पर ही तीन महिलाओं और एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई थी।

## हांगकांग में आग मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हुई

हांगकांग। हांगकांग में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें पूरी तरह से भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते 128 लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किए गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों की तलाश शुक्रवार तक पूरी हो सकती है।

## श्रीलंका में तूफान दितवा का कहर, 56 लोगों की गई जान

**कोलंबो, एजेंसी**

चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने श्रीलंका में भीषण तबाही मचाई है तथा अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 21 लोग लापता और 14 घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार चक्रवाती तूफान से करीब 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार भारी बारिश और तेज हवाओं से कई जिलों में नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

भारत ने निकटतम समुद्री पड़ोसी के प्रति एकजुटता जताते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तुरंत राहत सामग्री और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता भेजी है। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण हुई तबाही में अपने परिजनों को खोने वाले श्रीलंका के लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। बचाव और राहत अभियानों में भारत अपना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को भी तैनात करेगा।

श्रीलंका की सरकार ने केलानी नदी घाटी के कई निचले इलाकों में अगले 48 घंटे के भीतर बाढ़ की आशंका जताते हुए कोलंबो सहित कई क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा है। देश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में अत्यधिक बारिश हुई है। खराब मौसम के कारण भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बीती रात से 15 उड़ानों को तिरुवनंतपुरम और कोचिन की ओर मोड़ा गया।

- मदद के लिए आगे आया भारत राहत सामग्री, दवाएं भेजी

## अमेरिका करेगा नौसेना के हेलीकॉप्टरों का रखरखाव

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- 60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के लिए 7,995 करोड़ का समझौता

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भारत में 'इंटरमीडिएट' स्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है।

## कपिल शर्मा के रेस्तरां में गोलीबारी में गैंगस्टर गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी।

## थर्ड वर्ल्ड देशों के प्रवासियों पर लगाएंगे रोक : ट्रंप

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी**

- अमेरिका में प्रवेश को लेकर राष्ट्रपति ने की घोषणा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी थर्ड वर्ल्ड देशों से आने वाले प्रवासियों को स्थायी रूप से रोक देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो सुरक्षा के लिए खतरा साबित होते हैं। थर्ड वर्ल्ड शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गयी है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की कड़े तरीके से पुनः समीक्षा करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं।



### ग्रीन कार्ड की कठोर समीक्षा का निर्देश

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक के ग्रीन कार्ड की पूर्ण और कठोर पुन : समीक्षा का निर्देश दिया है। एडलो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस देश और अमेरिकी जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अमेरिकी लोग पिछली सरकार की लापरवाही वाली पुनर्वास नीतियों की कीमत नहीं चुकाएंगे। नई नीति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है और यह 27 नवंबर 2025 या उसके बाद दायर किए गए अथवा लंबित सभी अनुरोधों पर लागू होगी।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 23.15 तक तत्पश्चात दशमी।

### आज का पंचांग

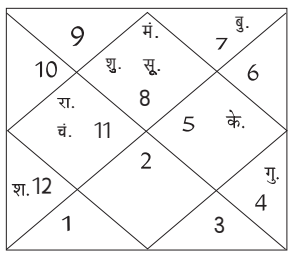





**दिशाशूल**- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
**चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
**ताराबल**- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**-पूर्व भाद्रपद 30 नवंबर 02.22 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

**मेष** - आज व्यवसाय में कुछ धीमापन रहेगा, लेकिन काम में अच्छी गति रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। आप परोपकार के कार्यों में लगे रहेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

**वृष** - आज पैतृक व्यवसाय में तेजी आएगी। पुरानी यादें दोबारा ताजा हो सकती हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय देंगे। अवसरों का लाभ उठाने में चूक न करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

**मिथुन** - आज बनते कार्यों में रुकावटे आने की आशंका है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। छोटी बातों को लेकर झगड़ा करने से बचें। अनावश्यक बातों पर विचलित होने से बचें। युवा प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें।

**कर्क** - आज अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें। अवैधानिक कार्यों की ओर आकर्षित होने एवं उनमें रुचि लेने से बचें। आपका मन कुछ अप्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर भी परेशानी हो सकती है।

**सिंह** - आज उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक प्रशंसा करेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर के सभी सदस्य आपके ऊपर अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने से आप प्रसन्न होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

**कन्या** - आज कुछ महत्वपूर्ण अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। परिवार में आपसी प्रेम और स्नेह बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होगा। रियल एस्टेट से बड़ा धन लाभ होगा। घर में निकट संबंधी और रिश्तेदार आ सकते हैं।

**तुला** - आज नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों के कारण परेशानी होगी। व्यर्थ की गतिविधियों में धन खर्च न करें। खानपान में संयम रखें। नसों में खिंचाव और दर्द की शिकायत हो सकती है।

**वृश्चिक** - आज व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। परिवार में कुछ समस्या हो सकती है। शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय रहेंगे।

**धनु** - आज मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। व्यवसाय को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। परिजनों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है।

**मकर** - आज आवश्यक कार्य लंबित हो सकते हैं। दूसरों के काम में कमियां न निकालें। आप निर्णय लेने में थोड़ी बहुत चूक कर सकते हैं। पति-पत्नी के बीच संबंधों में दबाव महसूस होगा। समय रहते हुए मामलों को सुलझा लें।

**कुंभ** - आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत शुभ है। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती है। समाज में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा। कम समय में उच्चतम गुणवत्ता का कार्य करेंगे।

**मीन** - आज आपको आराम अवश्य करना चाहिए। नए कार्यों में रूचि लेंगे। पैरों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में असंतोष का भाव रहेगा। दिनचर्या कुछ अव्यवस्थित हो सकती है। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें।

## सुडोकू-175

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | 7 | | | 8 | | | |
| 3 | | | | 1 | | | | |
| | | | | | | | 7 | |
| | | | | 5 | | | | |
| | | | | | | 3 | | |
| | | | 2 | | | | | |
| | | | | | | | | 5 |

### सुडोकू - 174 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 5 | 8 | 2 | 7 | 3 | 9 | 4 | 6 |
| 4 | 7 | 6 | 9 | 8 | 1 | 2 | 5 | 3 |
| 3 | 9 | 2 | 6 | 5 | 4 | 1 | 7 | 8 |
| 8 | 1 | 7 | 4 | 3 | 2 | 6 | 9 | 5 |
| 9 | 4 | 3 | 5 | 6 | 7 | 8 | 1 | 2 |
| 2 | 6 | 5 | 8 | 1 | 9 | 4 | 3 | 7 |
| 6 | 3 | 4 | 1 | 2 | 5 | 7 | 8 | 9 |
| 7 | 8 | 1 | 3 | 9 | 6 | 5 | 2 | 4 |
| 5 | 2 | 9 | 7 | 4 | 8 | 3 | 6 | 1 |

भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को गर्व से भर देता है।

- नीरज चोपड़ा


# स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 29 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com


**हाईलाइट**

### अंडर-19 एशिया कप में कप्तानी करेंगे आयुष

**नई दिल्ली।** उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शुक्रवार को आगामी अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारूप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

### पुर्तगाल बना फीफा अंडर-17 विश्व चैंपियन

**दोहा।** पुर्तगाल ने फीफा अंडर-17 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराकर इस आयु वर्ग में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता। बेनफिका के फॉरवर्ड अनीसियो कैब्राल ने 48 देशों के टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को खेले गये खिताबी मुकाबले के 32वें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले इटली ने तीसरे स्थान के मैच में ब्राजील को शूटआउट में 4-2 से हराया जिससे यूरोप की टीमों ने शीर्ष तीन स्थानों पर अपना दबदबा बनाया। मुकाबला बराबरी पर छूटने के बाद गोलकीपर एलेसेंड्रो लोंगोनी ने दो पेनल्टी बचा कर इटली की जीत पक्की की। फीफा अंडर-17 विश्व कप का यह 20वां सत्र है।

### कमिंस की वापसी का इंतजार बढ़ा

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में होने वाले दिन-रात्रि एशेज टेस्ट के लिए शुक्रवार को घोषित 14 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे चोटिल कप्तान पैट कमिंस के वापसी का इंतजार और बढ़ गया। कमिंस की गैरमौजूदगी में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में आठ विकेट से जीत दिलाई और मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से शुरू होगा। कमिंस हालांकि अभ्यास के लिए ब्रिसबेन जाएंगे।

# भारतीय टीम को अब सफेद गेंद की क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा

## गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा-ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाने पर जोर

**रांची, एजेंसी**

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार से उबरने की कोशिश कर रही भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा कि टीम को अब तुरंत तैयार होकर सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा क्योंकि आत्मविश्वास से भरी मेहमान टीम से मुकाबला करने के लिए लय हासिल करना बेहद जरूरी है। भारत को कोलकाता और गुवाहाटी में दो टेस्ट हारकर 0-2 से शर्मनाक हार मिली है और अब टीम इसी प्रतिद्वंद्वी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

रविवार को होने वाली सीरीज के पहले मैच से पहले मोर्कल ने स्वीकार किया कि टेस्ट से सफेद गेंद के क्रिकेट में तेजी से बदलाव मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। मोर्कल ने जेएससीए स्टेडियम में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले कहा पिछले दो हफ्ते हमारे लिए निराशाजनक थे लेकिन अब हमें चीजों पर विचार करने के लिए कुछ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा अब सबसे जरूरी है कि हम अपनी पूरी ऊर्जा सफेद गेंद की टीम पर लगाएं। पिछले कुछ वर्षों में हम सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं। मैं आने वाले हफ्तों के लिए उत्साहित हूं। प्रारूप कुछ भी हो, भारत का प्रतिनिधित्व करना अहम है।

मोर्कल ने चेताया कि टेस्ट सीरीज जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उन्होंने कहा रंगीन जर्सी और गेंद का रंग बदलना अलग ऊर्जा लाते हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका लय में है और आत्मविश्वासी टीम हमेशा खतरनाक होती है। हमें अगले एक-दो हफ्तों में मजबूत शुरुआत करनी होगी और पिछले दो हफ्तों को पीछे छोड़ना होगा।

2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों की बात पर उन्होंने साफ किया कि यह वनडे सीरीज केवल विश्व कप अभ्यास नहीं है। टी20 विश्व कप की तैयारी अपनी जगह है, लेकिन जब भी आप भारत की जर्सी पहनते हैं तो आप करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोर्कल ने कहा मेरे लिए फोकस है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाई जाए। यह तभी होगा जब हम सफेद गेंद से अच्छा और मजबूत क्रिकेट खेलें। उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का टीम में लौटना उत्साहजनक है। के एल राहुल और ऋषभ पंत को एक साथ खिलाने पर उन्होंने कहा मेरा विभाग सिर्फ गेंदबाजी है। चयन की जिम्मेदारी कप्तान और चयनकर्ताओं की है। मोर्कल ने कहा कि रात में खेले जाने वाले मैचों को देखते हुए रांची की परिस्थितियों का ध्यानपूर्वक आकलन करना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी। एजेंसी

### पंत-राहुल और ऑलराउंडर के चयन पर होंगी नजरें

**रांची :** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच से पूर्व भारत को चयन से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकादश में ऋषभ पंत की जगह पक्की नहीं है जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच अतिरिक्त ऑलराउंडर की जगह के लिए कड़ा मुकाबला है। टीम प्रबंधन जब चयन से जुड़े सवालों का जवाब ढूंढेगा तो सफेद गेंद के सत्र की जरूरतें भी उनके दिमाग में होंगी। संतुलन और यहां की परिस्थितियां काफी हद तक चयन तय करेंगी लेकिन कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के साथ सीरीज का पहला मैच चयनकर्ताओं की मध्यावधि योजना की एक झलक दे सकता है। चर्चा का केंद्र यह है कि अगर पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं दी जाती है तो भी क्या वह कप्तान लोकेश राहुल के साथ एकादश में फिट हो सकते हैं। गुवाहाटी टेस्ट में जिस तरह से पंत आउट हुए उसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई है लेकिन वह हमेशा से इसी तरह का क्रिकेट खेलते रहे हैं। कप्तान राहुल अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो थिंक-टैंक के सामने एक रणनीतिक दुविधा होगी कि क्या वे पंत को मध्य क्रम में सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खिला सकते हैं? पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। दोनों को एक साथ खिलाना नामुमकिन नहीं है लेकिन यह इस पर निर्भर करेगा कि रांची में शाम को ठंडे मौसम में भारत को बल्लेबाजी में कितनी गहराई चाहिए जहां लक्ष्य का पीछा करने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत पड़ सकती है।

# श्रीलंका के खिलाफ महिला टी-20 श्रृंखला दिसंबर में

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- विशाखापत्तनम व तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे पांच मुकाबले

भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा।

बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक बोर्ड ने आगामी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह श्रृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 सीरीज खेली थी। टीम ने श्रृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 श्रृंखला जीत थी।

**कार्यक्रम**

1- 21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
2- 23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
3- 26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
4- 28 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
5- 30 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम

**सम्मान**

पहले दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित नोरा सोलोमन फाउंडेशन ने सम्मानित किया। ● एजेंसी

# उन्नति-तन्वी चमकीं, श्रीकांत पहुंचे सेमीफाइनल में

**कार्यालय संवाददाता, लखनऊ**

**सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप**

**अमृत विचार:** शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और देश की राइजिंग बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। इसी के साथ महिला युगल में पिछली विजेता त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद के साथ मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और त्रिशा जॉली भी अंतिम चार में पहुंच गई।

वहीं पुरुष एकल में विश्व के पूर्व नंबर वन के.श्रीकांत ने प्रतिद्वंद्वी प्रियांशु राजावत के मैच छोड़ने के चलते सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी अब हमवतन मिथुन मंजूनाथ से टक्कर होगी जिन्होंने एक अन्य मैच में शानदार जीत दर्ज की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल खेले गए। महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की उन्नति हुड्डा व सातवीं वरीय भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज के बीच कड़ी टक्कर हुई। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस मैच में उन्नति ने 21-15, 13-21, 21-16 से जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर 28 उन्नति का पिछले साल सेमीफाइनल में सफर ओलंपिक में दोहरे पदक विजेता पीवी सिंधु के हाथों हार से समाप्त हो गया था। अब वह सेमीफाइनल में चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन से भिड़ेंगी जिन्होंने एक अन्य रोमांचक मैच में भारत की इशारानी बरुआ को 21-19, 13-21, 21-15 से हराया। ओलंपिक पदक विजेता को हराने वाली भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने हांगकांग चीन की लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ 21-13, 21-19 से जीत दर्ज की। तन्वी अब पांचवीं वरीय जापान की हीना अकेची से भिड़ेंगी, जिन्होंने तीसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-8, 21-15 से हराया।

### अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के परिणाम

**मिश्रित युगल :** सातवीं वरीय थाईलैंड की पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन ने मलेशिया की वी यी हर्न व वानी गोबी को 21-14, 21-11 से हराया।

चौथी वरीय इंडोनेशिया के मरवान फाज़ा व ऐस्युह सलसबीला पुत्रि प्रनाता ने भारत के निथिन एचवी व श्रीनिधि नारायणन को 21-11, 21-12 से हराया।

आठवीं वरीय इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने तीसरी वरीय मलेशिया के तियेन सी व लिम चिउ सिएन – मलेशिया को 21-15, 12-21, 21-10 से हराया।

**महिला युगल :** सातवीं वरीय मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग ने भारत की श्रुति मिश्रा व प्रिया कोंजेंगबम को 21-13, 22-20 से हराया।

दूसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन और यू चिएन हुई ने चीनी ताइपे की ही लिन जिआओ मिन और वांग यू किआओ को 21-9, 21-10 से हराया।

- महिला युगल में त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद एवं मिश्रित युगल में हरिहरन - त्रिशा भी अंतिम चार में

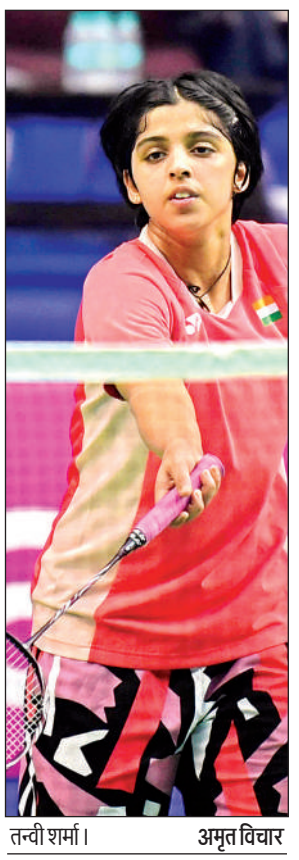

तन्वी शर्मा। अमृत विचार

# जुयाल और वीर चमके, उत्तर प्रदेश ने जम्मू-कश्मीर को 109 रनों से हराया

**कोलकाता,एजेंसी**

**सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी**

आर्यन जुयाल के लगातार दूसरे अर्धशतक और प्रशांत वीर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में जम्मू-कश्मीर को 109 रन से मात दी।

यह उत्तर प्रदेश की लगातार दूसरी जीत है जिससे टीम आठ अंक के साथ ग्रुप बी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। गोवा के खिलाफ मैच विजयी 93 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद आत्मविश्वास से भरे विकेटकीपर-बल्लेबाज जुयाल ने एक बार फिर आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 51 रन बनाकर उप्र को छह विकेट पर 193 रन तक पहुंचाया। बाएं हाथ के स्पिन-ऑलराउंडर वीर ने बाद में 20 रन देकर तीन विकेट झटके और महज 10 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए जिसमें अंतिम ओवर में तेज गेंदबाज औकिब नबी के खिलाफ 24 रन बनाना शामिल रहा।

इससे पहले कप्तान करण शर्मा (24 रन) और जुयाल ने 73 रन की भागीदारी कर टीम को तेज शुरुआत कराई। उमरान मलिक ने जुयाल को उनके अर्धशतक के तुरंत बाद आउट कर दिया। उत्तर प्रदेश ने 24 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। लेकिन वीर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सिद्धार्थ यादव के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर अंतिम ओवर में तूफानी बल्लेबाजी कर मैच की दिशा बदल दी। जम्मू-कश्मीर की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम सिर्फ महज 84 रन पर सिमट गई। कप्तान शुभम खजूरिया चोट के कारण बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल 20 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। लेग स्पिनर विप्रज निगम और वीर ने मिलकर बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया।

### धीमी गेंदों पर भी कर रहा हूं काम : उमरान

तेज गेंदबाज उमरान मलिक चोट से वापसी करने के बाद फिर से भारतीय टीम में जगह बनाने का सपना देख रहे हैं और इसके लिए वह 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकने की अपनी काबिलियत और धीमी गेंद तथा तेज यॉर्कर जैसी नई खूबियों पर भरोसा कर रहे हैं। भारत के लिए 10 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और आठ टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 24 विकेट लेने वाले उमरान कई वजहों से जुलाई 2023 से भारतीय टीम से दूर हैं लेकिन इन झटकों का उनके जोश पर कोई असर नहीं पड़ा है। उमरान ने शुक्रवार को यहां उत्तर प्रदेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की।

# नीवा सैंटियागो भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के कोच नियुक्त

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं।

नीवा ने कहा भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर कुछ बड़ा कर पाएंगे। नीवा के पास दो दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय कोचिंग अनुभव है।

उन्होंने इस भूमिका में मुक्केबाजी जगत में कुछ शानदार परिणाम हासिल किये हैं। भारत के साथ अपने पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने हाल ही में बॉक्सिंग ऑस्ट्रेलिया की हाई परफॉर्मेंस इकाई के मुख्य राष्ट्रीय कोच और तकनीकी प्रमुख के रूप में कार्य किया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति भारत में महिला मुक्केबाजी लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा सैंटियागो की नियुक्ति महिला मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

वह तकनीकी उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ हमारी प्रणाली को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि वे दुनिया के सबसे कठिन मंचों पर भी आगे बढ़ सकते हैं और सैंटियागो के मार्गदर्शन में उनकी प्रगति को देखते हुए हमें विश्वास है कि हम दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत की उपस्थिति और महत्वाकांक्षा को मजबूत करेंगे। नीवा, डी. चंद्रलाल की जगह लेंगे जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते हैं।

**शुभारंभ** एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की

# दिलराज और रोशन ने चिली पर जबरदस्त जीत दिलाई

**चेन्नई, एजेंसी**

रोशन खुजुर और दिलराज सिंह के दो-दो गोल की मदद से भारत ने शुक्रवार को यहां चिली को 7-0 से हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं होने के बाद रोशन (16वें और 21वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। दिलराज (25वें और 34वें मिनट) ने भी इसके बाद दो गोल करके भारत को 4-0 से आगे कर दिया। भारत के लिए अजीत यादव (35वें मिनट), अनमोल एक्का (48वें मिनट) और कप्तान रोहित (60वें मिनट) ने भी गोल किए। अंडर-21 वर्ग में दूसरे नंबर पर काबिज भारतीय टीम शनिवार को यहां अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान से भिड़ेगी। यहां दिन के पहले मैच में न्यूजीलैंड ने पूल सी में चीन को 5-3 से हराया। न्यूजीलैंड के लिए जोंटी एल्म्स ने हैट्रिक बनाते हुए तीन गोल दागे जबकि ओवेन ब्राउन (18वें मिनट) और सैम लिंट्स (23वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। चीन के लिए यूबो वांग (35वें और 55वें मिनट) ने दो जबकि जियालियांग झांग (51वें) ने एक गोल किया। पूल सी के एक अन्य मैच में दो बार के चैंपियन अर्जेंटीना ने जापान को 4-1 से हराया। निकोलस रोड्रिगेज (दूसरे और 56वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए जबकि अर्जेंटीना के लिए माटेओ टोरिगियानी (24वें मिनट) और ब्रूनो कोरिया (51वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। जापान की ओर से एकमात्र गोल नारू किमुरा ने 53वें मिनट में किया। स्विट्जरलैंड ने पूल बी में ओमान को 4-0 से हराया। स्विट्जरलैंड के लिए जोनाथन बॉमबैक (15वें मिनट), मटिया रिबाउडो (23वें मिनट), लियोनार्ड क्रैक्सनर (33वें मिनट) और एलेसियो ब्रूनोल्ड (58वें मिनट) ने गोल किए।

चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप के शुभारंभ के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार व गोल करने के बाद जश्न मनाते भारत के दिलराज सिंह (बाएं)।